■ वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं-संकट से प्रभावितों को समर्थन देने के लिए वित्तीय गुंजाइश -10

■ इंडियन ऑयल ने कहा- 4.88 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंच रही एलपीजी -10

■ भारतीय उच्चायुक्त ने कहा-बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को फिर मजबूत करेगा भारत -11

■ आईपीएल में राजस्थान की आक्रामकता से सतर्क रहना होगा मुंबई को -12

आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.55
सूर्यास्त 06.28

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष पंचमी 04:34 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 7 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 59, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

यूसीसी, एक राष्ट्र-एक चुनाव अगला लक्ष्य

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी बोले- पार्टी के इन दो प्रमुख एजेंडों में सकारात्मक प्रगति हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

- कार्यक्रम को डिजिटल तरीके से मोदी ने किया संबोधित, कहा- हमने 1994 में उठाया था महिला आरक्षण का मुद्दा
- बोले- भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल जैसी कई कठिनाइयों को सहा और कांग्रेस शासन में उत्पीड़न को झेला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र, एक चुनाव को भाजपा के दो अधूरे एजेंडे बताते हुए कहा कि इन पर गंभीर विचार-विमर्श हो रहा है तथा सकारात्मक दिशा में प्रगति हुई है। भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा कि पहली बार भाजपा ने 1994 में महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था, जबकि मौजूदा भाजपा नीत केंद्र सरकार महिला आरक्षण अधिनियम को 2029 के आम चुनाव में लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होगा।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल जैसी कई कठिनाइयों को सहा और कांग्रेस के शासन में उत्पीड़न का सामना किया है। उन्होंने कहा कि कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने तो अपनी जान भी कुर्बान कर दी, जैसा कि बंगाल और केरल जैसे राज्यों में देखा गया, जहां हिंसा को एक राजनीतिक संस्कृति बना दिया गया है। कहा कि हमारा मिशन अभी जारी है। समान नागरिक संहिता, एक राष्ट्र, एक चुनाव और अन्य मुद्दों पर देश में गंभीर चर्चाएं चल रही हैं और हम इन पर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाना चाहती है और इस दिशा में बढ़ती रहेगी। एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली में विधानसभा व लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने का प्रस्ताव है। यूसीसी का उद्देश्य पूरे देश में विवाह, गोद लेने आदि के संबंध में सभी के लिए एक समान कानून बनाना है। मोदी ने कहा कि देश जानता है कि भाजपा हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रही है और ऐसा करती रहेगी, पहले भी सकारात्मक परिणाम मिले हैं, और भविष्य में भी मिलेंगे। ब्रिटिश काल के सैकड़ों काले कानूनों को खत्म करना, लोकतंत्र के लिए एक नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून, नागरिकता संशोधन अधिनियम, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण ऐसे अनगिनत काम हैं जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का परिणाम हैं।

भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी जिसे कार्यकर्ता मानते हैं अपनी मां : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जहां कार्यकर्ता पार्टी को अपनी मां मानते हैं। मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भाजपा का सतत रुख रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विशाल और पवित्र वटवृक्ष की छाया में भाजपा सद्भाव और ईमानदारी के साथ राजनीति करने के लिए प्रेरित हुई। उन्होंने कहा कि पार्टी 1984 को नहीं भूल सकती, जब कांग्रेस बड़ी संख्या में सीट जीती थीं, लेकिन देश ने यह भी देखा कि उन्होंने लोगों को कैसे धोखा दिया। भाजपा की स्थापना छह अप्रैल, 1980 को हुई थी।

देश-समाज के लिए जीता है भाजपा कार्यकर्ता: मुख्यमंत्री

गोरखपुर में पार्टी के झंडा और कार्यकर्ताओं के साथ सेल्फी लेते मुख्यमंत्री योगी।

- स्थापना दिवस पर गोरखपुर में गरजे सीएम, राष्ट्र प्रथम को बताया मूल मंत्र
- संस्थापकों के आदर्शों और कार्यकर्ताओं के समर्पण से बनी विश्व की बड़ी पार्टी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता अपने लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के लिए जीता है। जनसंघ काल से चली आ रही राष्ट्र प्रथम की भावना ही भाजपा की असली ताकत है, जिसने उसे आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाया है।

मुख्यमंत्री गोरखपुर के मानसरोवर रामलीला मैदान में भाजपा के 47वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की यात्रा सत्ता की नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और समर्पण की यात्रा है। यही कारण है कि पार्टी आज देश की विकास यात्रा का नेतृत्व कर रही है और हर राष्ट्रभक्त को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। योगी ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना कर देश की एकता और अखंडता के लिए आवाज उठाई। वहीं दीनदयाल उपाध्याय ने 'अंत्योदय' का दर्शन देकर राजनीति को अंतिम पायदान तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया। अटल बिहारी वाजपेयी ने कठिन परिस्थितियों में भी पार्टी को स्थिरता दी और विकास की राजनीति को नई दिशा दी। सीएम ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने निर्णायक बदलाव देखा है। धारा 370 की समाप्ति, गरीब कल्याण योजनाओं का विस्तार और वैश्विक स्तर पर भारत की साख मजबूत होना इसी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो कहा, वह करके दिखाया है,यही उसकी विश्वसनीयता है। योगी ने राम मंदिर निर्माण को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह राष्ट्र की आस्था और संकल्प का प्रतीक है।

प. बंगाल के मुख्य सचिव को सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा

- कहा- हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कॉल न उठाने के लिए माफी मांगें
- न्यायालय ने मालदा घटना की जांच की जिम्मेदारी एनआईए को सौंपी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपनी पूर्ण एवं असीमित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए प. बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर कार्य में जुटे सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का मामला एनआईए को स्थानांतरित कर दिया। वहीं, मुख्य सचिव दुश्यंत नरियाला को फटकार लगाई कि उन्होंने एक अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कॉल उस वक्त नहीं उठाई, जब न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया गया था। पीठ ने कहा कि उन्हें मुख्य न्यायाधीश से कॉल न उठाने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि बंगाल में नौकरशाही की विश्वसनीयता कम की जा रही है और सचिवालय एवं सरकारी कार्यालयों में राजनीति घुसाई जा रही है। पीठ ने आदेश दिया कि राज्य पुलिस द्वारा मालदा घटना से जुड़े 26 गिरफ्तार व्यक्तियों से एनआईए द्वारा पूछताछ की जाए, भले ही वे न्यायिक हिरासत में क्यों न हों। शीर्ष अदालत ने कहा कि मालदा में एसआईआर कार्य में जुटे न्यायिक अधिकारियों को घंटों तक घेर लिए जाने की घटना वास्तव में पूर्व-नियोजित और किसी विशेष उद्देश्य से प्रेरित थी।

एसआईआर मामले में हाईकोर्ट से 3 जजों का पैनल बनाने को कहा

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि चुनावी राज्य प. बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से बाहर किए गए करीब 60 लाख लोगों के दावों और आपत्तियों का सोमवार 6 अप्रैल को ही निस्तारण किया जाएगा। यह भी कहा कि राज्य में केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। शीर्ष अदालत ने एक महिला न्यायिक अधिकारी का अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करने वाला वीडियो देखने के बाद कहा कि हाल के दिनों में जिस तरह की घटनाएं हुई हैं, उन्हें देखते हुए केंद्रीय बलों को वापस नहीं बुलाया जाएगा। पीठ ने कहा, यदि सरकारी तंत्र विफल होता है, तो हम सोचेंगे कि क्या किया जा सकता है। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान द्वारा प्रतिनिधित्व की जा रही मुख्यमंत्री ममता की इस दलील पर गौर किया कि गलत तरीके से हटाए गए या जोड़े गए नामों के खिलाफ याचिकाओं की सुनवाई के लिए स्थापित 19 अपीलीय अधिकरण अभी क्रियान्वित नहीं हो सके हैं। सीजेआई ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से इन अधिकरणों के लिए समान प्रक्रियाएं तैयार करने के वास्ते पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति गठित करने को कहा।

न्यूज ब्रीफ

आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) द्वारा समर्थित एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो हथगोले एवं एक 'ग्लॉक' पिस्तौल बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि हथगोलों पर पीओएफ (पाकिस्तान आयुध कारखाना) के चिह्न हैं जो सीमा पार संबंधों का संकेत देते हैं।

आरबीआई ने बैंक प्रतिनिधियों की श्रेणियां बनाने के दिए निर्देश

मुंबई। आरबीआई ने सोमवार को बैंक प्रतिनिधियों को उनके काम के आधार पर दो श्रेणियों में रखने और उनके वेतन में समानता लाने का सुझाव दिया। केंद्रीय बैंक ने सोमवार को जारी शाखा मंजूरी संबंधी मसौदा मानदंडों में तीन प्रकार के वितरण बिंदुओं को परिभाषित करने का प्रस्ताव दिया है जिसमें बैंक शाखाएं, बैंक प्रतिनिधि-बैंक आउटलेट्स (बैंक शाखा, एटीएम, एक्सटेंशन काउंटर) और बैंक प्रतिनिधि-बैंकिंग टचपॉइंट (बीसी-बीटी) शामिल हैं। बैंक प्रतिनिधि को दूर-दराज के इलाकों में बैंकिंग सेवाएं देने के लिए नियुक्त किया जाता है।

ईरान को एक रात में तबाह कर सकते हैं और वह रात आज हो सकती है: ट्रंप

तेहरान, एजेंसी

- ईरान-अमेरिका को 45 दिन के युद्ध विराम का नया मसौदा प्रस्ताव भेजा
- तेहरान ने प्रस्ताव खारिज किया कहा- युद्ध का स्थायी अंत चाहिए
- ट्रंप बोले- मंगलवार रात आठ बजे तक आत्मसमर्पण नहीं लाएंगे तबाही

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को फिर से धमकी देते हुए कहा है कि पूरे देश को एक ही रात में तबाह किया जा सकता है और वह रात मंगलवार हो सकती है। ट्रंप ने ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों को नष्ट करने की धमकी देते हुए यह भी कहा कि उन्हें युद्ध अपराधों की कतई चिंता नहीं है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर तेहरान मंगलवार को रात आठ बजे तक आत्मसमर्पण नहीं करता है तो ईरान के असैन्य बुनियादी ढांचे पर हमले किए जाएंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा, सोमवार को सबसे अधिक हमले होंगे और मंगलवार को और भीषण होंगे। इससे पहले ईरान ने 45 दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि वह युद्ध का स्थायी अंत चाहता है। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह या तो निर्धारित समयसीमा के भीतर होर्मुज खोले या बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले का सामना करने के लिए तैयार रहे। वहीं, ईरान ने समझौते के बारे में पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को अपना जवाब दे दिया है। काहिरा स्थित ईरानी राजनयिक मिशन के प्रमुख मुज्तबा फरदौसी पोर ने सोमवार को कहा कि हम केवल युद्धविराम स्वीकार नहीं करेंगे। हम युद्ध की समाप्ति तभी स्वीकार करेंगे जब हमें यह गारंटी दी जाए कि हम पर दोबारा हमला नहीं किया जाएगा। फरदौसी पोर ने कहा कि होर्मुज पर ईरानी और ओमानी अधिकारी जहाजरानी के इस महत्वपूर्ण मार्ग के प्रशासन हेतु एक तंत्र विकसित करने पर काम कर रहे हैं।

हमले में ईरानी सेना के खुफिया प्रमुख खादेमी समेत 25 मारे गए

दुबई। इजराइल और अमेरिका ने सोमवार को ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले किए, जिनमें 25 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों पर मिसाइलें दागीं। सोमवार सुबह हुए हवाई हमलों में तेहरान में स्थित शरीफ प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस हमले में विश्वविद्यालय की इमारतों के साथ-साथ परिसर के पास स्थित प्राकृतिक गैस वितरण केंद्र को भी नुकसान पहुंचा। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान पर हुए एक हमले में अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख मेजर जनरल माजिद खादेमी की भी मौत हो गई। वहीं, ईरानी मिसाइलों ने उत्तरी इजराइल के शहर हाइफा को निशाना बनाया, जहां एक रिहायशी इमारत के मलबे से चार लोगों के शव बरामद किए गए। तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में इस्लामशहर के पास हुए हमले में कम से कम 15 लोगों की मौत हुई।

मेट्रो स्टेशन पर महिला के बैग से मिले 63 कारतूस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन के सुरक्षाकर्मियों ने स्कैनिंग के दौरान रोका, महानगर थाने में एफआईआर दर्ज
- बैग में मिला .303 बोर के 35 और 9 एमएम के 18 कारतूस

अमृत विचार। बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन पर रविवार को चेकिंग के दौरान महिला के बैग से भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची महानगर थाने की पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ एसआई अनुराग कुमार सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक महिला के बैग में कुल 63 कारतूस मिले हैं। जिसमें .303 बोर के 35 ओर 9एमएम के 18 कारतूस शामिल है। वहीं 10 खोखे बरामद हुए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्रा के मुताबिक रविवार दोपहर करीब 12 बजे मेट्रो स्टेशन पर स्कैनिंग के दौरान सुरक्षाकर्मियों को एक बैग में संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। जांच करने में सामने आया कि बैग में 35 अदद .303 बोर के जिंदा कारतूस और 18 अदद 9 एमएम के जिंदा कारतूस रखे हुए हैं। इसके अलावा 9 एमएम के 9 खोखा कारतूस और .303 बोर का एक खोखा भी मिला। कुल मिलाकर 63 कारतूस मिले हैं। महिला कानपुर नगर के साढ़ थाना स्थित तिवारीपुर की रहने वाली प्रतिभा पाल है। उससे कारतूस रखने के का लाइसेंस मांगा गया तो कोई दस्तावेज नहीं दिखा सकी। इसके बाद मेट्रो प्रशासन ने महिला को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में प्रतिभा ने बताया कि उसके पति यशवंत हेड कांस्टेबल थे। वह अपने बेटे से मिलने लखनऊ आई थी। जांच में सामने आया कि महिला का मायका बांदा में है। उसका बेटा अयोध्या हाइवे स्थित निजी इंजीनियरिंग कालेज से बीटेक कर रहा है। चार दिन पहले वह बेटे से मिलने लखनऊ आई थी। बेटे से मिलकर वह कानपुर अपनी ससुराल जा रही थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि मेट्रो सुरक्षा में तैनात टीम के अधिकारी से जांच करने वाली टीम के बारे में जानकारी और इस दौरान बनाये गये वीडियो की डिटेल मांगी गई है।

मुजफ्फरनगर : अधिवक्ता की हत्या मामले में 3 दोषियों को मौत की सजा

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

- यहां की एक अदालत ने सुनाया फैसला, एक अन्य को सात वर्ष कारावास की सजा
- अधिवक्ता मोहम्मद समीर (28) का अपहरण कर की गई थी हत्या

यहां की एक अदालत ने अधिवक्ता का अपहरण कर उसकी हत्या के मामले में सोमवार को चार आरोपियों को दोषी करार दिया। एक शासकीय अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। अदालत ने चार में से तीन दोषियों को मौत की सजा जबकि एक को सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई।

शासकीय अधिवक्ता कुलदीप कुमार ने बताया कि मुजफ्फरनगर की एक त्वरित अदालत ने अधिवक्ता मोहम्मद समीर (28) के अपहरण और हत्या मामले में सोमवार को रिजवान अहमद, सिंगोल अल्वी और शालू उर्फ अरबाज को मौत की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि अदालत ने तीनों दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कुमार ने बताया कि अदालत ने मामले में सह-आरोपी दिनेश को सात साल कारावास की सजा सुनाई है और उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पेश महाभियोग प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी विपक्ष के नोटिस को सोमवार को अस्वीकार कर दिया। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय ने यह जानकारी दी। लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 विपक्षी सदस्यों ने बीते 12 मार्च को दोनों सदनों में कुमार के खिलाफ नोटिस सौंपा था। सचिवालय ने कहा लोकसभा अध्यक्ष ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रस्ताव के उक्त नोटिस को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

दिल्ली विधानसभा का गेट तोड़ जबरन अंदर घुसी यूपी नंबर की कार, 3 पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

- सोमवार दोपहर सुरक्षा में बड़ी सेंध, वाहन जब्त, कार्यालय के बाहर एक गुलदस्ता रखकर भागा

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में सोमवार दोपहर उस वक्त बड़ी सेंध लग गई, जब एक नकाबपोश व्यक्ति एसयूवी लेकर जबरन लोहे के गेट को तोड़कर परिसर को अंदर घुस गया और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय के बाहर एक गुलदस्ता रखकर उसी रास्ते से निकल भी गया। इसके बाद हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने बाद में उत्तर दिल्ली से कार चालक समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया और वाहन को जब्त कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते समेत कई पुलिस दल मौके पर पहुंचे और किसी भी खतरे की आशंका को समाप्त करने के लिए इलाके की गहन छानबीन की। उन्होंने कहा कि राजधानी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के नंबर वाला यह वाहन अपराह्न करीब दो बजे द्वार संख्या दो से विधानसभा परिसर में दाखिल हुआ। सूत्रों के अनुसार चूंकि यह मुख्य द्वार नहीं है, इसलिए विधानसभा सत्र नहीं होने की स्थिति में इसके आसपास सुरक्षा अपेक्षाकृत कम थी। दिल्ली सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया, कार चालक विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और वहां ड्योढ़ी (पोर्च) के पास गुलदस्ता रखकर वापस चला गया। कहा कि इस घटना से सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं और अधिकारी इसे सुरक्षा चूक मान रहे हैं।

उपलब्धि | लखनऊ के युवाओं का दिव्यास्त्र बना डिफेंस टेक्नोलॉजी की मिसाल

बदल रही यूपी की छवि ... अब बना रहे आधुनिक ड्रोन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 500 किमी रेंज, एआई टारगेटिंग व कम लागत से सेना को मिलेगी बढ़त

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश अब पुरानी छवि को पीछे छोड़ते हुए डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप इनोवेशन का नया केंद्र बनता जा रहा है। कभी अवैध हथियारों के लिए बदनाम रहा प्रदेश अब 'ड्रोन शक्ति' के रूप में नई पहचान गढ़ रहा है। राजधानी लखनऊ में तीन युवा उद्यमियों पवन, रविंद्र पाल सिंह और सौरभ सिंह द्वारा स्थापित स्टार्टअप कंपनी हॉवरिट ने 'दिव्यास्त्र एमके-1' नाम का एडवांस यूएवी तैयार किया है।

यह ड्रोन आधुनिक युद्ध की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, जो निगरानी के साथ-साथ सटीक हमले करने में सक्षम है। इस ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 500 किलोमीटर तक की रेंज, करीब पांच घंटे की उड़ान क्षमता और एआई आधारित टारगेटिंग सिस्टम है। यह 10 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है और लगभग 15 किलोग्राम पेलोड के साथ लक्ष्य को भेद सकता है। कम लागत में तैयार यह ड्रोन विदेशी विकल्पों के मुकाबले ज्यादा किफायती बताया जा रहा है।

स्टार्टअप के संस्थापकों के अनुसार, प्रदेश सरकार की डिफेंस कॉरिडोर ० स्टार्टअप नीति ने उन्हें तेजी से आगे बढ़ने का अवसर दिया है। कंपनी भारतीय सेना के लिए ड्रोन सप्लाई की दिशा में काम कर रही है और शुरुआती ऑर्डर भी प्राप्त कर चुकी है। आने वाले समय में 'दिव्यास्त्र एमके-2' पर काम चल रहा है, जिसकी रेंज 2000 किलोमीटर और पेलोड क्षमता 80 किलोग्राम तक होने की संभावना है।

एक नहीं, पूरा ड्रोन इकोसिस्टम तैयार

कंपनी केवल एक ड्रोन तक सीमित नहीं है, बल्कि निगरानी, सप्लाई और स्ट्राइक के लिए अलग-अलग यूएवी विकसित कर रही है। इसमें ''आंख'' सर्विलांस ड्रोन, ''बाज'' पेलोड ड्रोन, बम गिराने वाले ड्रोन, विटीओएल यूएवी और डिकॉय ड्रोन शामिल हैं, जो दुश्मन को भ्रमित करने में सक्षम हैं।

रोजगार और टेक्नोलॉजी का नया केंद्र बन रहा यूपी

डिफेंस कॉरिडोर और स्टार्टअप नीति के चलते प्रदेश में युवाओं को हाई-टेक सेक्टर में अवसर मिल रहे हैं। नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा और यूपी देश के डिफेंस उत्पादन में अहम भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

10,228 करोड़ रुपये बढ़ा प्रदेश का राजस्व संग्रह

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने जारी किया आंकड़ा, जीएसटी, स्टाम्प, परिवहन और खनन से प्रदेश की आय में आया बड़ा उछाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मार्च में 26,193 करोड़ की वसूली, पूरे वर्ष में 2.23 लाख रुपये करोड़ पार

अमृत विचार: प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती की नई ऊंचाइयों को छू रही है, जिसका स्पष्ट असर प्रदेश के राजस्व आंकड़ों में दिखाई दे रहा है। वित्तीय अनुशासन, प्रभावी नीतियों और सुदृढ़ प्रशासनिक प्रबंधन के चलते न सिर्फ मार्च 2026 में राजस्व संग्रह में 1020 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, बल्कि पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10,228 करोड़ का रिकॉर्ड इजाफा हुआ है।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर ताजा आंकड़े जारी करते हुए बताया कि कर एवं करेत्तर राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है, जो न केवल आर्थिक मजबूती का संकेत है बल्कि विकास कार्यों को गति देने के लिए भी सरकार को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध करा रही है। ताजा आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि राज्य अब 35,000 करोड़ से अधिक के रेवेन्यू सरप्लस के साथ देश के अग्रणी वित्तीय रूप से सुदृढ़ राज्यों में शामिल हो चुका है।

वित्त मंत्री ने बताया कि मार्च 2025 के मुकाबले मार्च 2026 में प्रदेश के मुख्य कर एवं करेत्तर राजस्व में 1020.53 करोड़ की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के मार्च माह में कु 26,193.56 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि पिछले वर्ष मार्च 2025 में यह 25,173.03 करोड़ था। वहीं दूसरी तरफ, पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 की बात करें तो मार्च तक प्रदेश को कुल 2,23,060.18 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,12,832.08 करोड़ के मुकाबले 10,228.10 करोड़ अधिक है।

वित्त मंत्री ने बताया कि प्रदेश "रेवेन्यू सरप्लस स्टेट" की स्थिति में है और राज्य के पास 35,000 करोड़ से अधिक का अधिशेष उपलब्ध है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मूल बजट का लगभग 81% व्यय किया जा चुका है, जो बेहतर वित्तीय प्रबंधन का संकेत है। उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपनी कार्य योजना को शीघ्र अंतिम रूप दें, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके और प्रदेश की आर्थिक प्रगति को और तेज किया जा सके।

मार्च में जीएसटी, स्टाम्प और परिवहन से बढ़ी आय

- माह मार्च 2026 के राजस्व मदों पर नजर डालें तो जीएसटी से 7,347.31 करोड़ की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष 6,785.34 करोड़ थी। वैट के तहत 4,438.82 करोड़ की आय हुई, जबकि पिछले वर्ष यह 4,472.70 करोड़ थी। आबकारी से 9,269.44 करोड़ प्राप्त हुए, जो पिछले वर्ष के 9,744.50 करोड़ से कुछ कम है। स्टाम्प एवं निबंधन के क्षेत्र में वृद्धि दर्ज करते हुए 2,728.74 करोड़ की आय हुई, जबकि पिछले वर्ष 2,617.56 करोड़ प्राप्त हुए थे। परिवहन क्षेत्र में उल्लेखनीय उछाल के साथ 1,624.84 करोड़ की आय हुई, जो पिछले वर्ष 951.98 करोड़ थी। वहीं भू-तत्व एवं खनिकर्म से 784.41 करोड़ की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष 600.95 करोड़ थी।

पूरे वित्तीय वर्ष में सभी प्रमुख मदों में मजबूत प्रदर्शन

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न मदों में प्राप्ति की बात करें तो जीएसटी से 82,547.40 करोड़ (पिछले वर्ष 82,535.14 करोड़), वैट से 33,006.35 करोड़ (पिछले वर्ष 32,096.54 करोड़), आबकारी से 57,722.29 करोड़ (पिछले वर्ष 52,574.52 करोड़), स्टाम्प एवं निबंधन से 32,598.49 करोड़ (पिछले वर्ष 30,205.97 करोड़), परिवहन से 12,764.61 करोड़ (पिछले वर्ष 11,043.15 करोड़) तथा भू-तत्व एवं खनिकर्म से 4,421.04 करोड़ (पिछले वर्ष 4,376.76 करोड़) की राजस्व प्राप्ति हुई, जो प्रदेश की मजबूत वित्तीय प्रगति को दर्शाती है।

परिवहन विभाग में छह एआरटीओ के तबादले

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने परिवहन विभाग में छह सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों (एआरटीओ) को विभिन्न जिलों में नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इस संबंध में सोमवार को विशेष सचिव खेमपाल सिंह द्वारा आदेश जारी किया गया है। परिवहन विभाग के अनुभाग-तीन से जारी आदेश के अनुसार, अजीत सिंह को जौनपुर में एआरटीओ (प्रशासन) बनाया गया है। वहीं अकांक्षा सिंह पटेल को गाजियाबाद में एआरटीओ प्रशासन तृतीय दल की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा संजय कुमार सिंह को सिद्धार्थनगर, सुशील कुमार को बहराइच और वीरेन्द्र प्रताप यादव को चित्रकूट में एआरटीओ नियुक्त किया गया है। मुख्यालय में तैनात प्रेम सिंह को फिरोजाबाद में अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

न्यूज ब्रीफ

रक्षामंत्री से मिला इप्सेफ का प्रतिनिधिमंडल

अमृत विचार, लखनऊ : इण्डियन पब्लिक सर्विस इम्प्लाईज फेडरेशन (इप्सेफ) का 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की। इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने देशभर के कर्मचारियों व शिक्षकों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा और मांगों पर शीघ्र निर्णय की अपील की। रक्षामंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि कर्मचारियों और शिक्षकों की समस्याओं का समाधान जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह स्वयं शिक्षक रह चुके हैं, इसलिए उनकी पीड़ा को भली-भांति समझते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने 8वें वेतन आयोग की संस्तुतियां 1 जनवरी 2026 से लागू करने, पुरानी पेंशन बहाली, आउटसोर्स कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन व सुरक्षा, शिक्षकों को टीईटी से छूट तथा रिक्त पदों पर समयबद्ध भर्ती जैसी प्रमुख मांगें उठाईं। इस दौरान कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

विंडो खुली, 15 तक अपलोड करें क्यूपीआर

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट (क्यूपीआर) अपलोड करने के लिए पोर्टल की विंडो खोल दी है। सभी पंजीकृत रियल एस्टेट परियोजनाओं के प्रमोटरों को 31 मार्च 2026 को समाप्ति हुई क्यूपीआर 15 अप्रैल तक अपलोड करना होगा। अन्यथा की स्थिति में प्राधिकरण कार्रवाई करेगा। रेरा ने स्पष्ट किया है कि क्यूपीआर अपलोड करने से खरीदारों को परियोजना की वास्तविक प्रगति, निर्माण की स्थिति, विभिन्न अनुमोदनों की उपलब्धता तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारी सार्वजनिक की जाती हैं। इससे गृह-खरीदारों को सही और अद्यतन जानकारी मिलती है और वे सोच-समझकर निर्णय ले सकते हैं। भू-सम्पदा (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 11(1) के तहत प्रत्येक प्रमोटर को हर तिमाही समाप्त होने के बाद अपनी परियोजना से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपडेट करना है। उल्लंघन करने पर रेरा अधिनियम की धारा 61 के अनुसार परियोजना लागत का पांच प्रतिशत तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

राज्य कर्मियों को एआई दक्षता कार्यक्रमों का प्रशिक्षण जरूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मिशन कर्मयोगी साधना सप्ताह के तहत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में कार्मिकों के प्रशिक्षण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अपर निदेशक सूचना अरविन्द कुमार मिश्र ने बताया कि 2 से 8 अप्रैल तक आयोजित इस अभियान के तहत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कम से कम चार घंटे का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से प्राप्त करना है। इसमें एआई दक्ष कार्यक्रम के तीन कोर्स सहित आईगोट मार्केटप्लेस से एक पाठ्यक्रम शामिल होगा। अपर निदेशक सूचना सोमवार को जूम मीटिंग के माध्यम से जिला सूचना कार्यालयों के कर्मचारियों को आईगोट (आईजीओटी) पोर्टल पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों की जानकारी दे रहे थे।

गोरखपुर का कुसम्ही जंगल बनेगा इको-टूरिज्म हब

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के साथ अब इको-टूरिज्म को भी तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत गोरखपुर के कुसम्ही जंगल को आधुनिक इको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। करीब 4.84 करोड़ रुपये की इस परियोजना के लिए पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपये जारी कर दिए गए हैं, जिससे निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार गोरखपुर को पूर्वांचल के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कुसम्ही जंगल में विकसित होने वाला इको पार्क न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा। प्रस्तावित इको पार्क में पर्यटकों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इनमें स्विस कॉटेज, ट्री हाउस, योग केंद्र, इंटरप्रिटेशन सेंटर और आधुनिक कैफेटेरिया शामिल हैं। इसके अलावा बायो टॉयलेट, सोलर सबमर्सिबल, पार्किंग, सुरक्षा फेंसिंग और बैठने की व्यवस्था जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

आंबेडकर की प्रतिमाओं पर लगेगा छत्र, बनेगी बाउंड्रीवॉल

गोरखपुर में भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया एलान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के स्थापना दिवस पर आंबेडकर जयंती से पहले बड़ा एलान करते हुए कहा है कि प्रदेश भर में जहां-जहां डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाएं स्थापित हैं, वहां सरकार की ओर से छत्र (कैनोपी) लगाया जाएगा। साथ ही इन स्थलों का सौंदर्यीकरण करते हुए पार्क विकसित किए जाएंगे और बाउंड्री वॉल का निर्माण भी कराया जाएगा।

गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब का योगदान भारतीय समाज और संविधान के निर्माण में अतुलनीय है। ऐसे में उनके सम्मान में स्थापित प्रतिमाओं का संरक्षण और व्यवस्थित विकास सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार इस कार्य को मिशन मोड में पूरा करेगी। सीएम योगी ने बताया कि जहां भी डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा होगी, वहां आसपास के क्षेत्र को विकसित कर एक व्यवस्थित पार्क का स्वरूप दिया जाएगा, जिससे यह स्थल सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बन सके। बाउंड्री वॉल के निर्माण से इन स्थलों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सम्मान और समरसता का संदेश भी देती है। सरकार का उद्देश्य है कि समाज के महापुरुषों के योगदान को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल तक प्रदेश में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत प्रतिमाओं के आसपास स्वच्छता अभियान, पुष्पांजलि कार्यक्रम और जनजागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। सीएम योगी ने कहा कि सरकार बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए लगातार कार्य कर रही है। यह पहल उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बेटी की पढ़ाई नहीं रुकेगी, फीस जमा कराने के निर्देश

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन के दौरान एक जरूरतमंद छात्रा की समस्या पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उसकी स्कूल फीस जमा कराने का निर्देश दिया। आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई रुकने की आशंका जताने पर मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि किसी भी बेटी की शिक्षा पैसे के अभाव में नहीं रुकेगी। योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसी दौरान एक बेटी ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह पढ़ना चाहती है, लेकिन परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति की वजह से फीस जमा करने में बाधा आ रही है। इस पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अविलंब बिटिया की स्कूल फीस की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक दिक्कत की वजह से किसी बेटी की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए। हर बेटी को सुरक्षा के साथ-साथ उसका सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। जब एक बेटी शिक्षित होती है तो पूरे समाज पर सकारात्मक असर पड़ता है। उन्होंने सभी फरियादियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि हर मामले में संवेदनशीलता बरती जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।योगी ने गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को भी राहत का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि उच्चीकृत अस्पताल से इलाज का एस्टीमेट मंगवाया जाए, सरकार पूरा खर्च उठाने में मदद करेगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि ऐसे मामलों में प्रक्रिया तेजी से पूरी कर शासन को प्रस्ताव भेजा जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ तत्काल दिया जाए और कोई भी जरूरतमंद इससे वंचित न रहे। उन्होंने दोहराया कि सरकार हर नागरिक के साथ खड़ी है और हर समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि आर्थिक कारणों से किसी भी छात्रा की पढ़ाई नहीं रुकने दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि गंभीर मरीजों के मामलों में इस्टीमेट मिलते ही सहायता स्वीकृत की जाए, ताकि समय पर इलाज संभव हो सके।

योगी आज देंगे ग्रेटर आगरा की सौगात

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को आगरा को 5142 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी 'ग्रेटर आगरा' योजना की सौगात देंगे। इस दौरान वह रायपुर और रहन कलां में प्रस्तावित टाउनशिप का भूमिपूजन व शिलान्यास करेंगे और परियोजना के मॉडल का अवलोकन भी करेंगे।करीब 449.65 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होने वाली इस टाउनशिप में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के तहत आधुनिक आवासीय सेक्टर, चौड़ी सड़कें, हरित क्षेत्र, बेहतर जल-बिजली आपूर्ति और सार्वजनिक सुविधाओं का समावेश किया जाएगा, जिससे आगरा के शहरी विस्तार को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री अन्य विकास परियोजनाओं का भी लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार वे शाम करीब 4:25 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री वृंदावन में श्रीमद् जगतगुरु द्वाराचार्य श्री मलूकनाथ जी महाराज की 452वीं जयंती महोत्सव में भी शामिल होंगे। अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

'बच्चा बाबू' की स्मृति में आधुनिक लैब, भावुक हुए योगी

- **अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर के दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में पूर्व शिक्षक डॉ. तेज प्रताप शाही की स्मृति में स्थापित आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह लैब इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, शोध-अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाएं खोलेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. शाही ने जीवन भर संस्थान और समाज के प्रति समर्पण भाव से कार्य किया। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उनकी गोरक्षपीठ के प्रति आस्था और निष्ठा उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाती है। मुख्यमंत्री ने इस पहल के लिए डॉ. शाही के परिजनों अनन्य प्रताप शाही और अतिरेक शाही की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल एक लैब नहीं, बल्कि शिक्षा और समाज के प्रति समर्पण की जीवंत मिसाल है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास छात्रों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान से जोड़कर भविष्य के लिए तैयार करते हैं। कार्यक्रम के दौरान 'बच्चा बाबू' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. तेज प्रताप शाही को याद करते हुए मुख्यमंत्री भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन का वास्तविक मूल्य उसके जाने के बाद समझ में आता है। डॉ. शाही ने अपने जीवन में संबंधों को निभाने और समन्वय बनाने की जो मिसाल पेश की, वह आज भी प्रेरणा देती है। योगी ने बताया कि डॉ. शाही राजनीतिक रूप से कांग्रेस से जुड़े होने के बावजूद गोरक्षपीठ के प्रति गहरी निष्ठा रखते थे और पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी के साथ हर परिस्थिति में खड़े रहे। यह उनके व्यक्तित्व की विशेषता थी कि उन्होंने विचारधाराओं से ऊपर उठकर संबंधों और मूल्यों को प्राथमिकता दी। नई कंप्यूटर लैब में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे छात्र डिजिटल स्किल, रिसर्च और इनोवेशन के क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे। यह पहल उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार की दिशा में अहम कदम है।

पत्रकारों को मान्यता के साथ कैशलेस इलाज: योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी पत्रकारों को एक समान व्यवस्था से जोड़ना सरकार का प्रयास

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रितों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ा जाएगा। इसके लिए उन्हें प्रमाणित मान्यता पत्र और पहचान पत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने साफ किया कि सरकार मूल्यों व आदर्शों पर आधारित पत्रकारिता के साथ है।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार पत्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए दूसरों की आवाज उठाते हैं, लेकिन जब वे स्वयं बीमार पड़ते हैं तो उनकी मदद के लिए कोई सामने नहीं आता। ऐसे में सरकार उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए ठोस व्यवस्था विकसित कर रही है। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रितों को एक व्यवस्थित तंत्र के तहत कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जाएगा, जिससे उन्हें इलाज के दौरान आर्थिक बोझ का सामना न करना पड़े। इसके लिए गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के माध्यम से एक मॉडल भी विकसित किया गया है, जिसे आगे विस्तार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़े मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों को अपेक्षाकृत कम दिक्कत होती है, लेकिन स्वतंत्र या छोटे समूहों से जुड़े पत्रकारों का एक बड़ा वर्ग है, जिन्हें ऐसी सुविधाओं की अधिक आवश्यकता है। सरकार का प्रयास है कि सभी पत्रकारों को एक समान व्यवस्था से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारिता के मूल्यों पर जोर देते हुए कहा कि मीडिया को आत्म-नियंत्रण के साथ काम करना चाहिए और समाज को भ्रमित करने वाली प्रवृत्तियों से बचना चाहिए।

पत्रकारिता में समन्वय और एकरूपता जरूरी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज के दौर में प्रिंट, डिजिटल, टीवी और सोशल मीडिया जैसे विभिन्न माध्यमों के बीच समन्वय बेहद आवश्यक है। एक ही खबर को अलग-अलग तरीके से प्रस्तुत करने से जनमानस में भ्रम पैदा होता है और मीडिया की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। उन्होंने जोर दिया कि पत्रकारिता के सभी स्वरूप समान मानकों, मूल्यों और आचार संहिता के अनुरूप काम करें। सोशल मीडिया को भी जिम्मेदार पत्रकारिता की मुख्यधारा से जोड़ने की जरूरत है, ताकि सूचना का प्रवाह सटीक और संतुलित रहे।

आलोचना हो, लेकिन जिम्मेदारी के साथ

- सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद और आलोचना स्वाभाविक है, लेकिन इसे व्यक्तिगत रंजिश नहीं बनाना चाहिए। पत्रकारिता का दायित्व है कि वह सही तथ्यों को सामने रखकर जन-विश्वास को मजबूत करे। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी मूल भावना राष्ट्र सेवा और जनजागरण रही है। चेताया कि समाज को गुमराह करने वाली प्रवृत्तियों से बचना होगा, क्योंकि ऐसी गतिविधियां जनविश्वास को कमजोर करती हैं।

उन्होंने कहा कि एक ही खबर के अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत होने से जनमानस में भ्रम की स्थिति बनती है, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। योगी ने यह भी कहा कि सरकार मूल्य आधारित और जिम्मेदार पत्रकारिता के साथ खड़ी है और पत्रकारों के कल्याण के लिए आगे भी ऐसी योजनाएं लागू करती रहेगी।

खाद्य प्रसंस्करण नीति-2023 से उत्तर प्रदेश बन रहा प्रोसेसिंग हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीएमएफएमई योजना से शुरू हुईं 114 इकाइयां शुरू
- 400 करोड़ का निवेश, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती

अमृत विचार : प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण नीति-2023 के तहत निवेश और रोजगार के क्षेत्र में तेजी आई है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में प्रदेश को फूड प्रोसेसिंग हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के तहत यूपी ऋण स्वीकृति और वितरण में देश में अग्रणी बनकर उभरा है।

अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा ने बताया कि अब तक 114 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां पूरी तरह संचालित हो चुकी हैं, जिनमें करीब 400 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इन इकाइयों को 183.37 करोड़ रुपये का अनुदान भी दिया गया है। हर माह करीब 10 नई इकाइयों के शुरू होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा मिल रहा है। स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ने की उम्मीद है। 29 इकाइयों में सोलर प्लांट लगाए गए हैं, जिससे लागत में कमी आई है। नमकीन, डेयरी, जूस, मसाले, बेकरी और फ्रोजन फूड जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इकाइयां स्थापित हो रही हैं।

इसके अलावा नीति के तहत 500 से अधिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं, जबकि करीब 300 इकाइयां स्थापना की प्रक्रिया में हैं। इससे प्रदेश में रोजगार और निवेश दोनों को नई गति मिल रही है।

रूबरू | फिक्की फ्लो के कार्यक्रम में लखनऊ आईं देश की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी ने अमृत विचार से की विशेष बातचीत

लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुनूनी बनना जरूरी : किरण बेदी

शबाहत हुसैन विजेता, लखनऊ

अमृत विचार: देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी की पहचान उनके कई रूपों से है। वो प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी। आम आदमी पार्टी के साथ उन्होंने राजनीतिक सफ़र शुरू किया। भाजपा ने उन्हें दिल्ली में मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश किया। वो पुडुचेरी की उप राज्यपाल रहीं। सोमवार को एक होटल में फिक्की फ्लो के कार्यक्रम में शामिल होने वह लखनऊ आईं तो 'अमृत विचार' से भी मुखातिब हुईं।

अपनी पढ़ाई के दौर से आज के दौर की तुलना करते हुए वो कहती हैं कि प्रगति ने बहुत लंबी दूरी तय कर ली है। अब अवसरों की कमी नहीं है, सुविधाएं बढ़ गई हैं। लड़कियों को चाहिए कि मां-बाप की परवरिश, शिक्षक से मिल रही शिक्षा और तकनीक का प्रयोग शिक्षा में करते हुए वह अगर अपने चरित्र निर्माण पर ध्यान दें तो वह अपने आप आगे बढ़ती चली जाएंगी। किरण बेदी से यह पूछने पर कि उन्हें अपना कौन सा रूप पसंद है, पुलिस अधिकारी वाला, भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करने वाला, विधानसभा चुनाव लड़ने वाला या फिर उप राज्यपाल वाला? सवाल सुनकर वो मुस्कुराईं। बोलीं हर रूप पर ईश्वर का धन्यवाद। मैंने कोई रूप नहीं बदला। जब जिस रूप में चुनौती महसूस हुई उसे अपनाया। मेरा लक्ष्य सेवा भाव रहा और कुर्बानी के स्तर तक जाकर अपने लक्ष्य को हासिल किया। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुनूनी बनना जरूरी। वह जुनून ही था जिसके कारण मैं समाज की बेहतर सेवा कुछ हद तक कर पाई।

बुलडोजर का डर अच्छा

- किरण बेदी ने कहा कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए और कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए दोनों मामलों में सामने वाले पर डर हावी होना चाहिए। डर हावी करने वाले को ईमानदार होना चाहिए, फिर सब कुछ ठीक हो जाएगा। उनसे पूछा कि कैसा डर... बुलडोजर जैसा? वो बोलीं कि हां बुलडोजर जैसा। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर के डर ने न जाने कितने अपराधियों पर लगाम लगा दी। इसे न चलाया जाता तो हम न जाने क्या-क्या खो चुके होते।

बगैर मां-बाप के लड़कियों के घूमने का समय अब आ गया

- किरन बेदी से पूछा कि आपको डर लगता है? उन्होंने कहा कि अपराधियों से नहीं भगवान से डर लगता है। मैंने माहौल बदलते हुए देखा है। बगैर मां-बाप के लड़कियों के घूमने का समय आ गया है। काफी चीजें ठीक हुई हैं। अपराधियों को सजाएं मिलने लगी हैं। सजा समय से मिलने लग जाए तो सब कुछ ठीक हो जाए, फिर किसी को भी डर नहीं लगेगा। किरण बेदी की उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार और नेहरू फेलोशिप हासिल हुई। दिल्ली में सहायक पुलिस अधीक्षक से अपनी सेवाएं शुरू करने वाली किरण बेदी ने दिल्ली की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया। तिहाड़ जेल में महानिदेशक रहते हुए जेल की दशा सुधारी। वो संयुक्त राष्ट्र पुलिस की प्रमुख रहीं। किरण बेदी चुनौतियों से लड़ने की शौक़ीन रही हैं। नौकरी के दौरान उन्होंने कार्रवाई करते समय यह नहीं देखा कि सामने वाला धीरेन्द्र ब्रह्मचारी है या फिर अपना ही कोई अफसर। कानून का डंडा उन्होंने समान रूप से चलाया। इसका नुकसान भी उठाया, लेकिन कदम कभी डगमगाए नहीं।

धुरंधर ने दिखाया कैसे काम करते गैंगस्टर

- किरण बेदी ने संवाददाता से ही पूछ लिया कि क्या धुरंधर मूवी देखी? उसे देखिए, पता चलेगा कि गैंगस्टर कैसे काम करते हैं। जब उनसे पूछा कि आप फ़िल्में देखती हैं? तो वो बोलीं कि धुरंधर जैसी फ़िल्में आती हैं तो जरूर देखती हूं।

न्यूज ब्रीफ

समाचार पत्र वितरक की माता का निधन

गंगादेई

अमृत विचार, लखनऊ : पारा समाचार पत्र वितरक केन्द्र के वरिष्ठ समाचार पत्र वितरक देशराज रावत की माता गंगादेई (90) का असमय निधन हो गया। इस दुखद घटना से पूरे वितरक समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। राजाजीपुरम, देवपुर पारा में रहने वाली स्वर्गीय गंगादेई के अंतिम दर्शन एवं अंतिम संस्कार में समस्त वितरक पदाधिकारी, प्रेस प्रतिनिधि, अभिकर्ता बंधु व सेल्समैन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उनका अंतिम संस्कार रविवार को बैकुंठ धाम में हुआ। गंगादेई अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

भाई-बहन पर जानलेवा हमला, दो गिरफ्तार

अमृत विचार, निगोहां : निगोहां के उतरावां के मजरा पड़रिया में मामूली कहासुनी में दबंगो ने युवती व उसके भाई को ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। पड़रिया निवासी डॉली के मुताबिक रविवार शाम को पड़ोस में रहने वाले राम प्रताप, सुरेश, अतुल, सजीवन और राजपाल ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। घूंसे, डंडों और ईंटों से ताबड़तोड़ प्रहार किए। बीच-बचाव करने पहुंचे भाई सुधीर पाल और भाभी प्रमिला देवी पर भी हमला किया। हमले में घायल डॉली और भाई सुधीर पाल को पीजीआई ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। एसओ अनुज तिवारी के मुताबिक तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनीनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास घटना में इस्तेमाल की गई कैंची बरामद कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक 3 अप्रैल को अमौसी स्थित हड़ाइनखेड़ा निवासी विनोद ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया कि 2 अप्रैल की रात उनका बेटा पवन अमौसी बाजार स्थित एक पान की दुकान पर सामान लेने गया था। इसी दौरान सरोजनी नगर के गंगानगर, अमौसी निवासी दुकान संचालक चन्द्रभान उर्फ कल्लू ने पवन से गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की नीयत से पवन के सीने में कैंची से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की तो जांच में मामला सही पाया गया।

चचेरे ससुर को पिता बना करा दी रजिस्ट्री

अमृत विचार, मोहनलालगंज : लापता पिता के स्थान पर चचेरे ससुर को खड़ा कर जालसाज ने कीमती जमीन बेच दी। इसके लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कराये थे। जानकारी होने पर गुड्डी देवी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी सालिकराम को सोमवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। वहीं, अन्य की तलाश में दबिश दे रही है। पीजीआई की रहने वाली गुड्डी देवी ने सुनील कुमार व सत्येंद्र कुमार रावत ने उन्हें सस्ते में एक बीघा जमीन दिलाने का झांसा दिया। आरोपियों ने अलग-अलग तिथियों में उनसे करीब चार लाख रुपये भी ले लिया। जिसमें से 2.47 लाख रुपये बैंक खाते के माध्यम से ट्रांसफर कराए गए। जांच में सामने आया कि फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड सालिकराम है। जिसने अपने पिता गंगाराम के नाम दर्ज जमीन को बेचने की योजना बनाई। उसके पिता कई वर्षों से लापता है। आरोपी सालिकराम ने अपने ससुर के बड़े भाई गुरुदयाल को लालच देकर गंगाराम बनाया। फर्जी दस्तावेज तैयार किए।

मासूम की मौत में न्यू वेदांता हॉस्पिटल दोषी, होगा बंद

ऑपरेशन के एक घंटे में हो गई थी बच्चे की मौत, अस्पताल ने नहीं दिया नोटिस का जवाब, पुलिस कार्रवाई की सिफारिश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : न्यू वेदांता हॉस्पिटल में फोड़े के ऑपरेशन के बाद 5 वर्षीय बच्चे की मौत के मामले में जांच कमेटी ने अस्पताल को दोषी ठहराया है। गंभीर बात यह रही कि कई नोटिस जारी होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने अपना पक्ष तक दर्ज नहीं कराया।

जांच कमेटी ने परिजनों की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की है। नर्सिंग होम के नोडल अधिकारी डॉ. एपी सिंह ने बताया कि अस्पताल के खिलाफ रिपोर्ट पुलिस को भेजी जाएगी और उसके संचालन पर रोक लगाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मामला हरदोई जिले के बेनीगंज निवासी किसान बैजनाथ मौर्य के बेटे प्रांजल (5) से जुड़ा है। बच्चे के सीने में फोड़ा होने पर पहले उसे कोथावां के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से 1 जून को उसे लखनऊ रेफर किया गया। उसी दिन दोपहर में न्यू वेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कर ऑपरेशन किया गया, लेकिन ऑपरेशन के महज एक घंटे के भीतर ही बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद बच्चे की मां रुबी ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया था। पुलिस ने मामले में सीएमओ से जांच रिपोर्ट तलब की, जिसके बाद कमेटी गठित कर जांच शुरू की गई थी।

माल के मां अस्पताल का खुला गेट।

घटना के समय था अवैध, संचालन पर रोक लगी तो हो गया वैध

- माल इलाके में डेंगू बताकर एक बच्चे की जान से खिलवाड़ करने वाले अवैध अस्पताल को अफसरों ने नियमों को दरकिनार कर वैध बना दिया। मां अस्पताल पर पहले बिना पंजीकरण संचालन का आरोप था, लेकिन अब बिना स्थलीय निरीक्षण और जुर्माना वसूले ही उसे पंजीकरण दे दिया गया है। नियमों के मुताबिक, क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत बिना पंजीकरण अस्पताल संचालित करने पर 50 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। हैरानी की बात यह है कि सीएमओ कार्यालय के अधिकारियों ने न तो जुर्माना वसूला और न ही नियमानुसार कार्रवाई की।आरोप है कि निजी अस्पताल से सांठगांठ कर 4 अप्रैल को ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए अस्पताल को पंजीकरण दे दिया गया। इतना ही नहीं, पोर्टल पर निरीक्षण रिपोर्ट अपलोड कर दी गई, जबकि वास्तविक निरीक्षण हुआ ही नहीं। इस पूरे प्रकरण में स्वास्थ्य विभाग के अफसर खुद कठघरे में खड़े नजर आ रहे हैं। मामले ने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सीएचसी प्रभारी डॉ. जेपी सिंह का कहना है कि अस्पताल के जरिये करीब एक माह पहले ऑन लाइन आवेदन किया था। हालांकि पंजीकरण नहीं हुआ था। पंजीकरण की प्रक्रिया सीएमओ ऑफिस से पूरी की गई है।

दूसरे को सौंपा संचालन, खुल रहा अस्पताल

- चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि घटना के बाद अस्पताल संचालक शुभम यादव ने अस्पताल का संचालन किसी अन्य व्यक्ति को सौंप दिया। इसके बावजूद उसी पते पर अस्पताल चलता रहा और करीब एक साल तक प्रशासन की नजरों से बचा रहा। अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े कर रहा है। अब जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद प्रशासन कार्रवाई की तैयारी में है।

दोषी अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग मेहरबान

- ऑक्सीजन हॉस्पिटल में बच्चे की मौत के मामले में जांच कमेटी से दोषी ठहराए जाने के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई न होना स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। छह माह बीत जाने के बाद भी अस्पताल का संचालन जारी है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी केवल नोटिस जारी करने तक सीमित हैं। जांच के दौरान अस्पताल संचालक ने कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया था, जिसके आधार पर कमेटी ने उसे दोषी करार दिया। इसके बाद संचालक ने दोबारा अपना पक्ष रखने के लिए पत्र जरूर भेजा, लेकिन बयान दर्ज कराने के लिए कभी उपस्थित नहीं हुआ।सीएमओ कार्यालय की ओर से कई बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन हर बार संचालक ने अनदेखी की। हैरानी की बात यह है कि बार-बार की अवहेलना के बावजूद न तो अस्पताल के संचालन पर रोक लगाई गई और न ही कोई सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य विभाग की इस ढिलाई से न केवल पीड़ित परिवार को न्याय मिलने में देरी हो रही है, बल्कि शहर में संचालित निजी अस्पतालों की जवाबदेही पर भी प्रश्नचिह्न लग गया है।

460 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के काम ठप

अमृत विचार, लखनऊ: मनरेगा की मजदूरी और निर्माण सामग्री का करोड़ों बकाया होने से विकास कार्य प्रभावित होने लगे हैं। 460 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के कार्य ठप हैं। विभाग को श्रमिक नहीं मिल रहे हैं। केंद्र पर बजट के अभाव में 5 जनवरी से मनरेगा श्रमिकों को किए गए कार्य का भुगतान नहीं हुआ है। इनकी बकाया मजदूरी बढ़कर 3.56 करोड़ रुपये पहुंच गई है। आठ ब्लॉकों में हजारों की संख्या में काम करने वाले श्रमिकों की संख्या घटकर सोमवार को मात्र 55 पहुंच गई। इनमें बीकेटी में 26, काकोरी में 1, मोहनलालगंज में 11 व सरोजनी नगर में 17 श्रमिकों ने काम किया। कुल 484 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 24 में ही कच्चे-पक्के कार्य हुए। जबकि 460 ग्राम पंचायतों में ठप रहे। नये वित्तीय वर्ष के काम भी मजदूरी न मिलने की वजह से शुरू नहीं हो पाए हैं। श्रमिकों के भरण-पोषण में भी समस्या है। वहीं, निर्माण सामग्री का 16 करोड़ रुपये बकाया है। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 का 10.84 करोड़ व वित्तीय वर्ष 2024-25 का 6.41 करोड़ बकाया है। उपायुक्त रोजगार श्रम सुशील कुमार सिंह ने कहा जल्द भुगतान होगा।

कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं पेश हुआ आरोपी, भगोड़ा घोषित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एक वर्ष पूर्व दर्ज हुई थी एफआईआर, बढ़ाई गई थी धोखाधड़ी की धारा

अमृत विचारः एक वर्ष पूर्व दर्ज जालसाजी के मामले में फरार चल रह आरोपी रोहित सिंह कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहा है। कोर्ट के आदेश की अनदेखी कर रहा है। मामले में कोर्ट ने विकासनगर थाने की पुलिस को रोहित सिंह को भगोड़ा घोषित कर दूसरी एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार, वर्ष 2025 में रोहित सिंह, उसके साथी मोहम्मद उमर, अनुज चौधरी और विनोद चौधरी के खिलाफ विकासनगर थाने में जालसाजी की रिपोर्ट सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज निवासी फरहान खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। रोहित सिंह फरार चल रहा था। जानकीपुरम निवासी रोहित की तलाश में पुलिस टीम ने कई बार दबिश दी, लेकिन हाथ नहीं लगा। कोर्ट से उसके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी कराया गया। नोटिस उसके घर पर चस्पा की गई। इसके बाद भी वह न तो कोर्ट में हाजिर हुआ और न ही पुलिस के हत्थे चढ़ा। इस मामले में आगे कार्रवाई करते हुए न्यायालय से उद्घोषणा (प्रोक्लेमेशन) आदेश भी जारी कराया गया। जिसके तहत आरोपी को निर्धारित तिथि तक कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया गया था। यह सूचना सार्वजनिक रूप से प्रकाशित भी कराई गई, लेकिन तय समय सीमा बीतने के बाद भी आरोपी अदालत में उपस्थित नहीं हुआ। आरोपी द्वारा जानबूझकर न्यायिक प्रक्रिया से बचने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने कोर्ट में उसके खिलाफ भगोड़ा घोषित करने के लिए रिपोर्ट दर्ज करने की अनुमति मांगी। कोर्ट की अनुमति मिलने पर विकासनगर थाने में एसआई मोहम्मद यासीन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी के संपत्तियों को कुर्क कराने का आदेश कोर्ट से हासिल करने में जुटी है।

इंफ्रा विजन प्रा. लि. की 6.48 करोड़ की संपत्ति होगी कुर्क

अमृत विचार, लखनऊ: सैनिकों को सस्ते दामों पर जमीन बेचने का झांसा देकर ठगी करने वाले इन्फ्रा विजन प्रा. लि. के निदेशक भाइयों की 6.48 करोड़ की संपत्ति कुर्क की जाएगी। यह आदेश निदेशक भाइयों विनोद उपाध्याय व प्रमोद उपाध्याय के खिलाफ गिरोह बंद की कार्रवाई करते हुए संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था ने दिया।

मोहनलालगंज कस्बे में इन्फ्रा विजन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विनोद उपाध्याय व उसके भाई प्रमोद उपाध्याय निवासी राजागांव खरौनी, बलिया जो वर्तमान समय में ओमेक्स सिटी में रहकर मोहनलालगंज में कान्हा उपवन नाम से प्लाटिंग शुरू की थी। सैनिकों को सस्तेदामों पर जमीन देने के नाम पर दोनों भाइयों ने ठगी की। दोनों भाइयों के नाम मोहनलालगंज सहित अन्य थानों पर धोखाधड़ी सहित अन्य मामलों में कुल 66 मामले दर्ज हैं।

43 केंद्रों पर 15 जून तक होगी गेहूं खरीद

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- डीएम ने पीसीएफ के मसौली केंद्र का किया निरीक्षण

अमृत विचार : रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए राजधानी में बनाये गए 43 केंद्रों पर गेहूं की खरीद की जा रही है। वर्तमान में जनपद में कुल 170.00 कुंतल गेहूँ की खरीद की गई है। जिलाधिकारी विशाख जी ने सोमवार को पीसीएफ के मसौली स्थित क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्र पर 22 किसानों से 541 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। निरीक्षण में केंद्र पर किसानों के बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था मिली।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। किसानों को उतराई एवं छनाई मद में 20 रुपये प्रति क्विंटल धनराशि गेहूं के मूल्य के साथ उनके बैंक खातों में पीएफएमएस के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी।

गेहूं क्रय केंद्र का निरीक्षण करते जिलाधिकारी।

गेहूं में 1 से 2 फीसद क्षति, बीमा कंपनी देगी क्लेम

- **अमृत विचार, लखनऊ :** जिले में बारिश से प्रभावित फसलों का सर्वे कराया गया तो गेहूं में नुकसान नहीं मिला। मात्र 1 से 2 फीसद की क्षति पाई गई। जिन किसानों ने फसल का बीमा कराया है तो उन्हें दावा करने पर कंपनी क्लेम देगी। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि इस समय जिले में गेहूं की फसल है। दो दिन पहले बारिश से प्रभावित फसल का सभी विकास खंड में सर्वे कराया तो नुकसान नहीं मिला। कुछ जगह 1 से 2 फीसद गेहूं में नुकसान पाया गया। जो राजस्व के क्षतिपूर्ति के मानकों पर नहीं है। लेकिन, जिन किसानों ने गेहूं का बीमा कराया है तो वह 72 घंटे के अंदर टोलफ्री नंबर 14447 पर कॉल करके दर्ज कराएं। कंपनी के प्रतिनिधि क्षतिपूर्ति का आकलन करेंगे। जो नुकसान हुआ उसका क्लेम देंगे।

महिला ने फंदा लगाकर दी जान, दहेज हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचारः बंथरा के रौतापुर गांव में ने रविवार देर रात महिला ने फंदा लगाकर जान दे दी। उसका शव टीनशेड के पाइप से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पिता ने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या की तहरीर है। इंस्पेक्टर के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। रौतापुर निवासी चालक सतीश ने बताया कि रविवार रात पत्नी प्रीती (35) ने फंदा लगाकर जान दे दी। ससुर जोधा ने बताया कि 17 मार्च को प्रीती को उन्नाव के हसनगंज में छोड़ा था, वहां से वह ससुराल नहीं पहुंची। 19 मार्च को मलिहाबाद के नई बस्ती निवासी पिता ने हसनगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसी बीच कानपुर पुलिस ने सूचना दी कि प्रीती हैलट अस्पताल में भर्ती है। वह मगरवारा रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर घायल मिली थी। सूचना पर पति और ससुर मुन्ना अस्पताल पहुंचे। प्रीती को वहां से लाकर बंथरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। 28 मार्च को अस्पताल से छुट्टी दी गई। सोमवार को प्रीती के टांके कटने था। रविवार को उसने फंदा लगा लिया। पिता ने बताया कि हादसे के बाद से वह तनाव में थी। दो वर्ष पूर्व बेटी श्रेष्ठी (7) की हादसे में और कुछ माह पूर्व बीमारी से ढाई माह के बच्चे की मौत हो गई थी। तब से वह तनाव में थी।

डाला की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

संवाददाता सरोजनीनगर

- सरोजनीनगर के पिपरसंड रेलवे स्टेशन के पास हुआ हादसा, पति घायल

अमृत विचारः सरोजनी नगर के पिपरसंड रेलवे स्टेशन के पास रविवार रात बेकाबू डाला ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में मीरा शर्मा (52) की मौत हो गई। वहीं, पति छेदी लाल गंभीर रुप से घायल हो गये। हादसे के बाद चालक डाला लेकर फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक सरोजनी नगर के पाहुन खेड़ा निवासी मीरा शर्मा अपने पति छेदीलाल के साथ मोटरसाइकिल से बंथरा स्थित लोनहा में बीमार देवरानी को देखने गई थीं। जहाँ से देर रात करीब 9:30 बजे दोनों वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान पिपरसंड रेलवे स्टेशन के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार डाला ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक काफी दूर तक घिसटती चली गई और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने आनन-फानन घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाने के साथ उनके परिजनों को घटना की सूचना दी। अस्पताल में मीरा देवी की मौत हो गई। छेदीलाल के पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है।

डिवाइडर पर चढ कर डाला पलटा, 12 घायल

- अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद के भतोईया गांव के पास सोमवार सुबह पिकअप डाला की स्टेयरिंग फेल हो गई। अनियंत्रित होक डाला डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया। हादसे में पिकअप सवार 12 लोग घायल हो गये। तीन की हालत गंभीर है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। गढ़ी जिंदौर के मजरा शेरनगर निवासी संजय के डाले से आसपास गांवों के लोग सब्जी लेकर दुबग्गा मंडी जाते थे और वहीं से व्यापारी सब्जी खरीदकर वापस लाते थे। सोमवार सुबह डाले पर करीब एक दर्जन व्यापारी सवार होकर घर लौट रहे थे। भतोईया गांव के पास अचानक वाहन का स्टेयरिंग फेल हो गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और डाला डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया। हादसे में सूरज, उमेश, विनय, रोहित, कमलेश, संजय, अरविंद, गुड्डू निवासी शेरनगर, किशोरी निवासी लालता खेड़ा, राम सिंह निवासी गदिया खेड़ा, अयान निवासी दिलावर नगर और फारूक निवासी रहीमाबाद घायल हो गए।

16 लाख का ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद, एक गिरफ्तार

संवाददाता, काकोरी

- एसटीएफ और ड्रग्स विभाग की संयुक्त टीम ने दबोचा

अमृत विचारः एसटीएफ, काकोरी पुलिस और औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने काकोरी के घुरघुरी तालाब के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से टीम ने 16 लाख रुपये के ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद किया है। बरामद ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन पांच बोरियों में 504 बोतल में रखी मिली।

एसटीएफ के सब इंस्पेक्टर फैजुददीन सिदिदकी, ड्रग्स इन्सपेक्टर सन्देश मौर्य व चौकी प्रभारी घुरघुरी तालाब एस आई छत्रजीत सिंह काकोरी में मौजूद थे। टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि नहर पुल करीमाबाद अण्डर पास के पास एक युवक बाइक पर पांच बोरी प्रतिबन्धित आक्सीटोसिन इन्जेक्शन रबर से बाँधकर ले जा रहा है, इस सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम पुलिस टीम व ड्रग्स टीम की संयुक्त टीम ने नहर पुल करीमाबाद के पास पहुँचकर बाइक सवार युवक को रोक लिया। जिसके पास से प्रतिबन्धित आक्सीटोसिन इन्जेक्शन की पांच बोरी (504 बोतल) बाइक पर रबर से बँधी हुई बरामद हुई मौके पर युवक से क्रय विक्रय के अभिलेख माँगे जाने पर इसके द्वारा कोई भी अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया जा सका। आरोपी की शिनाख्त रेहान तेरवा थाना रहीमाबाद के रूप में हुई।

दूर होके भी मुझसे ज़िंदा हो तुमको शर्मिंदगी नहीं होती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वफ़ा खुलूस और दोस्ती का पैग़ाम - एक शाम सुल्तान अहमद के नाम

अमृत विचारः राहत सेवा संस्थान तथा मातृभूमि ग्रुप व मोरस हेल्थ केयर लिमिटेड की ओर से से न्यूज़ टाइम नेशन के संस्थापक सुल्तान अहमद खान की 5वीं बरसी पर उर्दू अकादमी के प्रेक्षागृह में कार्यक्रम वफ़ा खुलूस और दोस्ती का पैग़ाम - एक शाम सुल्तान अहमद के नाम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कथक नृत्य व एक मुशायरे / कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। वासिफ फारूकी की अध्यक्षता में हुए मुशायरे का संचालन डॉ. सुधा मिश्रा व शहबाज़ तालिब ने किया। मुशायरे में शायर / कवि के तौर पर राम प्रकाश बेखुद, सलीम सिददीक़ी, नदीम फर्रूख़, मोहम्मद अली साहिल, डॉ. सरला शर्मा अस्मा, शिखा श्रीवास्तव, फारूख़ आदिल, शशि श्रेया, अभिश्रेष्ठ तिवारी ने अपने-अपने कलाम से महफ़िल में शायरी के रंग बिखेरे और श्रोताओं को भरपूर दाद देने को मजबूर किया। अंतरराष्ट्रीय ख्याति के शायर वासिफ फारुकी का यह शेर खूब पसंद किया गया :- आज ये सोच के रख दी है कि अब कल होगी, जाने कब तक तेरी तस्वीर मुकम्मल होगी। सलीम सिददीक़ी ने कहा :- मुझको उड़ने के तरीक़े न सिखाओ हम लोग, पेड़ से आये हैं, पिंजरे से नहीं आये हैं। नदीम फर्रुख की यह बानगी काबिले गौर रही :- कुछ इस तरह से ज़माने पे छाना चाहता है, वो आफ़ताब पे पहरे बिठाना चाहता है। मोहम्मद अली साहिल ने कहा :- मुझको ईमान की दौलत है मयस्सर साहिल, मेरे ज़ख़्मों में कभी दर्द नहीं हो सकता। शशि श्रेया ने सुनाया :- गीतकारों ! कब तलक लिखते रहोगे कल्पना, तूलिकाएं सच तुम्हारा खा रही हैं रोक लो। डॉ. सुधा मिश्रा ने कहा :- नाज़ करता हुआ अपना भी मुक़द्दर होगा, हमको मालूम है कल आज से बेहतर होगा, जो सियासत में ख़ुदा ख़ुद को समझ बैठा है।

विवाहिता को पीटा, पति समेत कई पर एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : चिनहट के कटियार कांतिपुरम निवासी सरिता की ससुराल में पिटाई की गई। वह गंभीर रुप से घायल हो गई। उनका इलाज निजी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। पीड़िता ने चिनहट थाने में तहरीर दी। जिसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूलतः अयोध्या के पटरंगा स्थित नियामतपुर निवासी राम शरण तिवारी की बेटी सरिता चिनहट के एमिटी यूनिवर्सिटी के पास रहती हैं। सरिता ने बताया कि 19 अप्रैल 2022 को शादी कटियार कांतिपुरम देवेंद्र दुबे से हुई। शादी के बाद ससुर सुरेंद्र कुमार दुबे, सास मालती, जेठ राघवेंद्र दुबे, जेठानी सरिता दुबे प्रताड़ित करने लगी। दहेज की मांग की जाने लगी। इसके लिए उनको मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना दी जाने लगी। परेशान होकर कोर्ट में मुकदमा दायर किया। जिसकी सुनवाई चल रही है। 17 मार्च 2026 को पारिवारिक न्यायालय में पहुंचे थे। जहां ससुराल के लोगों से कहासुनी हुई। पता चला कि देवेंद्र की दूसरी शादी प्रिया पांडेय से करा दी गई है।

अभियान | विधायक जया देवी ने किया निक्षय शिविर का उद्घाटन

100 दिन शिविर लगाकर होगी टीबी की जांच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग का 100 दिवसीय टीबी अभियान सोमवार को शुरू हो गया। काकोरी ब्लॉक के अमेठिया सलेमपुर गांव के पंचायत भवन एवं मलिहाबाद ब्लॉक के कनार गांव के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित निक्षय शिविरों का उद्घाटन हुआ। इस दौरान शिविर लगाकर 524 लोगों की हीमोग्लोबिन, डायबिटीज, बीएमआई और ब्लड प्रेशर की जांच की गई और 290 लोगों का एक्स-रे किया गया।काकोरी में 2, मलिहाबाद में 6 और सरोजनी नगर में 15 लोगों के बलगम की जांच भी की गई।

इस दौरान विधायक जया देवी ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गांव-गांव तक टीबी की जांच और उपचार की सुविधा पहुंचाना है, ताकि कोई भी मरीज छूट न जाए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय पर जांच कराएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि राज्य से प्राप्त सूची के अनुसार जनपद के आठ ब्लॉकों के 167 हाई रिस्क गांवों में रोस्टर के आधार पर स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में संभावित मरीजों की एक्स-रे, एचआईवी, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और हीमोग्लोबिन की जांच की जाएगी। टीबी की पुष्टि होने पर तत्काल इलाज शुरू कर मरीजों को निक्षय पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एके सिंघल ने बताया कि शिविरों में एआई आधारित हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन से संभावित मरीजों की त्वरित जांच की गई।

उद्घाटन करती हुई विधायक जया देवी, सीएमओ डॉ. एनबी सिंह, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एके सिंघल व अन्य।

जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी के अनुसार चारों

- सीएचसी अधीक्षक काकोरी डॉ. केडी मिश्रा ने बताया कि ब्लॉक के 19 गांवों को चिन्हित कर निर्धारित तिथियों पर शिविर लगाए जाएंगे। वहीं मलिहाबाद के अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि उनके क्षेत्र के 11 उच्च जोखिम वाले गांवों में भी ऐसे शिविर आयोजित होंगे।

सराफा कारोबारी से लूट नहीं, टप्पेबाजी हुई थी

अमृत विचार, मालः माल के काकराबाद अंडरपास के करीब काकोरी के कुशमौरा निवासी दंपति सराफा कारोबारी से रविवार को लूट नहीं हुई थी। शुरूआती जांच में सामने आया कि टप्पेबाजी की घटना हुई। दोनों पक्षों के बीच में सस्ते दाम पर धातु के खरीदफरोख्त की बातचीत हुई थी। पुलिस इसी दिशा में जांच कर रही है। काकोरी के कुशमौरा निवासी सुभाषचंद्र मौर्य ने माल पुलिस को सूचना दी कि पांच लाख रुपए अर्टिगा सवार एक महिला समेत तीन बदमाशों ने लूट लिया। सुभाषचंद्र मौर्य ने दावा किया था कि घटना के समय वह पत्नी के साथ काकोरी के कटरा बाजार से चौक सराफा बाजार में खरीदारी करने जा रहे थे। पत्नी पीछे रुपये से भरा बैग पकड़ा था। सूचना पर इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद मौके पर पहुंचे। जानकारी होते ही एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे भी टीम के साथ पहुंचकर जांच किया। तत्काल रिपोर्ट दर्ज की गई। मामले की जांच शुरू हुई। पुलिस की पूछताछ में लूट से टप्पेबाजी की तरफ मुड़ गई।

न्यूज ब्रीफ

योगी कैबिनेट की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। बैठक में उद्योग, समाज कल्याण समेत कई विभागों के दर्जनों प्रस्तावों पर चर्चा के बाद मंजूरी मिलने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक को लेकर शासन स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सभी संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव को विस्तृत तैयारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रस्तावों पर त्वरित निर्णय लिया जा सके। बताया जा रहा है कि इस बैठक में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन से जुड़े प्रस्तावों के साथ-साथ समाज कल्याण योजनाओं के विस्तार और नए प्रावधानों पर भी विचार होगा। सरकार की प्राथमिकता विकास और जनकल्याण से जुड़े निर्णयों को गति देने की है। कैबिनेट बैठक को आगामी योजनाओं और नीतिगत फैसलों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें कई बड़े फैसलों पर मुहर लग सकती है।

इन-चैंबर हुई हियरिंग अगली सुनवाई 15 को

अमृत विचार, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सोमवार को राहुल गांधी के नागरिकता विवाद मामले में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अपने पूर्व के आदेश को देखते हुए मामले की सुनवाई खुले कोर्ट में न कर, इन-चैंबर की। मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तिथि नियत की गई है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने उक्त याचिका दाखिल की है। याची ने विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट, लखनऊ के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है। जिसमें उक्त अदालत ने गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग की है। याची ने गांधी के खिलाफ भारतीय नागरिक संहिता, पासपोर्ट अधिनियम, आफीशियल सीक्रेट एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में गंभीर आरोप लगाए हैं।

अमेठी की पूनम बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार की योजनाएं अब जमीनी स्तर पर लोगों की जिंदगी बदल रही हैं। अमेठी के गौरीगंज की रहने वाली पूनम इसकी सशक्त मिसाल बनकर उभरी हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ लेकर खुद का सफल व्यवसाय खड़ा किया। पूनम ने अगस्त 2025 में इस योजना के तहत आवेदन किया था। शुरुआत में योजना की जानकारी नहीं थी, लेकिन मित्र के जरिए जानकारी मिलने पर उन्होंने हिम्मत दिखाई। दिसंबर 2025 में उन्हें 2.55 लाख रुपये की पहली सहायता मिली, जबकि 1.70 लाख रुपये का ऋण बैंक से प्राप्त हुआ। शेष पूंजी उन्होंने स्वयं जुटाई। इस सहयोग से पूनम ने "मुन्ना कैलाश ज्वेलर्स" नाम से आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान शुरू की। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद उन्होंने धैर्य नहीं खोया और धीरे-धीरे उनका व्यवसाय चल निकला। आज यह दुकान परिवार की आय का मुख्य स्रोत बन चुकी है और स्थानीय स्तर पर उनकी पहचान भी मजबूत हुई है। इस सफर में उनके पति का सहयोग भी अहम रहा।

ओलावृष्टि प्रभावितों को मुआवजा दें: अजय

अमृत विचार, लखनऊ : विगत दो सप्ताह में बेमौसम ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली से प्रभावित किसानों व मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग उठी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। सोमवार को प्रेषित पत्र में उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण कई जिलों में किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं, वहीं आकाशीय बिजली गिरने से कई लोगों की मौत भी हुई है।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पार्टी का ध्वज लहराते प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

भाजपा ने प्रश्न प्रदेश को उत्तर प्रदेश में बदला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्थापना दिवस पर राज्य मुख्यालय पर ध्वजारोहण, दिखा उत्साह
- नेताओं ने संगठन शक्ति और राष्ट्रसेवा के संकल्प को दोहराया

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस सोमवार को राजधानी स्थित राज्य मुख्यालय पर उत्साह और गौरवपूर्ण वातावरण में मनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं ने संयुक्त रूप से पार्टी ध्वज फहराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश प्रश्न प्रदेश बन गया था, जहां कानून व्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और विकास जैसे मुद्दे अनुत्तरित थे, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार ने इसे उत्तर प्रदेश में बदलने का काम किया है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को इस परिवर्तन का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि आज प्रदेश विकास, निवेश और सुशासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, विचार और संकल्प का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि 1980 में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में शुरू हुई यह यात्रा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत है और उसी के समर्पण से पार्टी का विस्तार संभव हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महेन्द्र सिंह, संतोष सिंह, गोविन्द नारायण शुक्ल, अनूप गुप्ता, संजय राय, सुभाष यदुवंश, राम प्रताप सिंह चौहान, अर्चना मिश्रा, अमित वाल्मीकि, सुषमा खर्कवाल, नीरज सिंह, आनंद द्विवेदी, विजय मौर्या सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

फार्मर रजिस्ट्री बनेगी योजनाओं का आधार: योगी

कृषि मंत्री और शीर्ष अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए हर किसान की फार्मर रजिस्ट्री बनाने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से दिलाने के लिए फार्मर रजिस्ट्री को आधार बनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रजिस्ट्री प्रक्रिया को अभियान मोड में तेजी से पूरा किया जाए और इसे सभी कृषि योजनाओं से जोड़ा जाए।

सोमवार को समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि पंजीकृत किसानों को गेहूं खरीद, दलहन-तिलहन खरीद, बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र और अन्य योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिया जाएगा। इसके लिए हर जिले में विशेष अभियान चलाकर अधिकतम किसानों को जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप आयोजित कर किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाए। इस कार्य में राजस्व, कृषि और अन्य संबंधित विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि छोटे और बड़े सभी किसानों को रजिस्ट्री से जोड़ना जरूरी है, ताकि कोई भी पात्र किसान योजनाओं से वंचित न रहे। इसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश एसपी गोयल, मुख्य ज्ञान अधिकारी, भारत सरकार राजीव चावला, प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र, प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू तथा निदेशक कृषि डॉ. पंकज त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि फार्मर रजिस्ट्री को सभी कृषि योजनाओं का आधार बनाया जाएगा। इससे किसानों को लाभ देने की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी होगी तथा पात्रता की जांच भी आसान हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में कैंप लगाकर किसानों का पंजीकरण कराया जाए। साथ ही नाम, दस्तावेज या अन्य त्रुटियों का तुरंत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रक्रिया में देरी न हो।

फार्मर रजिस्ट्री के लिए 15 अप्रैल तक चलाया जाएगा विशेष अभियान

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु विशेष अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। यह अभियान 15 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में संचालित होगा, जिसके तहत प्रत्येक ग्राम सचिवालय में कैंप लगाकर किसानों का पंजीकरण कराया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना है, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित अन्य कृषि योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि शिविरों के माध्यम से न केवल नए किसानों का पंजीकरण किया जाए, बल्कि नाम या अन्य विवरणों में त्रुटियों का भी मौके पर ही निस्तारण किया जाए। इस कार्य में ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव और लेखपालों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। लेखपालों को अपने क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत के कम से कम एक शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। अब तक प्रदेश में 1,72,06,355 किसानों को पीएम किसान योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा चुका है, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में किसान पंजीकरण से वंचित हैं। इन्हीं किसानों को जोड़ने के लिए यह अभियान मिशन मोड में चलाया जाएगा। सरकार का मानना है कि इस पहल से किसानों का सटीक डाटाबेस तैयार होगा, जिससे भविष्य में योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक पारदर्शी और प्रभावी होगा। साथ ही किसानों को समय पर आर्थिक सहायता, सब्सिडी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी आसानी होगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अभियान को तय समयसीमा में पूरा करते हुए अधिकतम किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान सरकारी लाभ से वंचित न रहे।

संस्कार की राजनीति का प्रतीक है भाजपा: मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के स्थापना दिवस पर सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन पर पार्टी का ध्वज फहराया और कार्यकर्ताओं को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विकास यात्रा सत्ता नहीं, बल्कि संस्कार और विचार की यात्रा है। उन्होंने कहा कि भाजपा 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' के संकल्प के साथ देशवासियों की आकांक्षाओं को शक्ति देने का कार्य कर रही है।

सोशल मीडिया पर जारी संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेताओं के आदर्शों और सनातन मूल्यों से प्रेरित एक जीवंत विचारधारा है।

पीडीए में सेंधमारी से बसपा बदल सकती है चुनावी चौसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मायावती की रणनीति से सपा की बढ़ी चिंता

अमृत विचार : प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। अपरोछ रूप से रणनीति के तहत राजनैतिक दलों की सभाएं आयोजित हो रही हैं। उक्त क्रम में ही बसपा प्रमुख मायावती एक बार फिर सक्रिय नजर आ रही हैं, जिससे चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय होने के संकेत मिल रहे हैं। उनकी रणनीति पीडीए में सेंध लगाकर दलित, गैर-यादव पिछड़ा और मुस्लिम वोट बैंक को जोड़ने की है, जो सपा के लिए चुनौती बन सकती है। राजनीतिक समीकरणों के अनुसार सोशल इंजीनियरिंग के बूते अगर, बसपा दलित-मुस्लिम मतदाताओं में विश्वास स्थापित करने में सफल होती है और दलित-पिछड़ा वोट बैंक बंट गया तो सपा के उम्मीदवारों की जमानत जब्त होने का खतरा बढ़ जाएगा। यूपी की 403 सीटों में कई सीटें ऐसी हैं, जहां दलित और पिछड़े वोटर निर्णायक हैं। बसपा अगर 15-20 फीसदी वोट भी काट ले तो कई सीटों पर भाजपा और सपा के बीच मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

आबकारी सिपाही के 722 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन 4 जून से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केवल पीईटी-2025 उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही होंगे पात्र

अमृत विचार : इंटरमीडिएट पास युवाओं के लिए सरकारी नौकरी का बड़ा मौका सामने आया है। उत्तर प्रदेश में आबकारी सिपाही के 722 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 4 जून से शुरू होगी, जो 24 जून तक चलेगी।

यह भर्ती उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित की जा रही है। आयोग ने मुख्य परीक्षा के लिए आधिकारिक विज्ञापन जारी कर दिया है। भर्ती आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश प्रयागराज के अधीन होगी। आयोग के अनुसार, केवल वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी-2025) उत्तीर्ण की है और जिनका स्कोर कार्ड जारी हो चुका है। पीईटी के स्कोर के आधार पर अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और चयनित अभ्यर्थियों को ही मुख्य परीक्षा में शामिल होने का मौका मिलेगा। आवेदन शुल्क सभी वर्गों के लिए 25 रुपये निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी 1 जुलाई तक अपने आवेदन में संशोधन और शुल्क समायोजन कर सकेंगे।

ऐसी होगी परीक्षा

- मुख्य परीक्षा 100 अंकों की होगी, जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें इतिहास, भूगोल, राजनीति, सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनाएं, उत्तर प्रदेश की आबकारी नीति, कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे। आयोग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे शारीरिक दक्षता मानकों और अन्य पात्रता शर्तों की विस्तृत जानकारी आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त करें।

पहले बदनाम था आजमगढ़ अब विकास नई पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी का विपक्ष पर तीखा हमला, सीमित क्षेत्रों तक विकास का आरोप
- दुग्ध अवशीतन केंद्र का शुभारंभ, 56 हजार महिलाओं की भागीदारी सराही

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले आजमगढ़ बदनाम था, लेकिन अब नकारात्मक परहचान से विकास की नई पहचान बन रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाया कि उसने विकास को सीमित क्षेत्रों तक रखा, जबकि वर्तमान सरकार पूरे पूर्वांचल को आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को आजमगढ़ में श्री बाबा गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक संस्था के नवनिर्मित दुग्ध अवशीतन केंद्र का शुभारंभ करते हुए इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला सशक्तीकरण का मजबूत मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल किसानों और गो-पालकों को आर्थिक मजबूती देने के साथ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी। सीएम ने बताया कि संस्था आज 1.70 लाख लीटर दूध का संग्रह कर रही है और किसानों को बेहतर मूल्य मिल रहा है। 56 हजार से अधिक महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को उन्होंने "परिवर्तन की शक्ति" बताया। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं तो परिवार और समाज दोनों मजबूत होते हैं।

सीएम योगी ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्य पूर्व सरकारें नहीं कर पातीं। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र 'देश प्रथम' है, जबकि अन्य दलों के एजेंडे में विकास और गरीब कल्याण कभी प्राथमिकता नहीं रहे। उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और आवासीय योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर से आजमगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही प्रयागराज और बरेली में नई मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां स्थापित करने की घोषणा भी की।

दुग्ध मॉडल से गांवों को नई ताकत

- मुख्यमंत्री ने कहा कि मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी का यह मॉडल किसानों को सीधे लाभ पहुंचा रहा है। गुणवत्ता जांच, उचित मूल्य और संगठित सप्लाई सिस्टम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। उन्होंने दुग्ध उत्पादन को 2 लाख लीटर प्रतिदिन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा।

कनेक्टिविटी से बढ़ा विकास का दायरा

- सीएम योगी ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से आजमगढ़ की दूरी और समय दोनों कम हुए हैं। गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज से बेहतर संपर्क ने व्यापार और रोजगार के नए अवसर खोले हैं।

रिटायरमेंट से 8 माह पहले आईएएस रजनीश चंद्र ने मांगा वीआरएस

अमृत विचार, लखनऊ: रिंकू सिंह राही के इस्तीफा देने के बाद अब वर्ष 2014 बैच के आइएएस अधिकारी रजनीश चंद्र ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) मांगा है। वह मैजूदा समय में ग्राम्य विकास विभाग में विशेष सचिव हैं। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने वीआरएस मांगा है। वैसे दिसंबर 2026 में ही उन्हें सेवानिवृत्त होना है। नियुक्ति विभाग को भेजे गए पत्र के मुताबिक उन्होंने स्वास्थ्य कारणों को हवाला देते हुए नौकरी कर पाने में असमर्थता जताई है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि उनका वीआरएस 30 अप्रैल से स्वीकार माना जाए। रजनीश चंद्र पीसीएस सेवा से 13 अक्टूबर 2021 को आइएएस में आए हैं। उन्होंने 30 अप्रैल 2026 से वीआरएस लागू करने का अनुरोध किया है। वर्तमान में ग्रामीण विकास विभाग में विशेष सचिव पद पर तैनात रजनीश चंद्र इसी वर्ष दिसंबर 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले थे, यानी उन्होंने रिटायरमेंट से करीब 8 महीने पहले ही वीआरएस की मांग की है। नियुक्ति विभाग को भेजे पत्र में निजी कारणों के साथ स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए सेवा जारी रखने में असमर्थता जताई है।

आयतुल्ला अली खामेनेई की याद में हुई शोकसभा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए सोमवार को एतिहासिक आसिफी इमामबाड़े में मौलाना कल्बे जवाद ने शोक सभा का आयोजन किया।

दिल्ली स्थित रहबर कार्यालय में कार्यरत आगा जियाई नियां ने कुरआन की तिलावत कर कार्यक्रम शुरू किया। इस शोक सभा में ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में प्रतिनिधि आयतुल्लाह अब्दुल मजीद हकीम इलाही खासतौर पर शामिल हुए। इस शोकसभा से पहले आयतुल्लाह अब्दुल मजीद हकीम इलाही कैसरबाग स्थित महमूदाबाद हाउस में आयतुल्लाह अली खामेनेई और स्कूल की 165 बच्चियों की याद में हुई शोकसभा में शामिल हुए। राजा महमूदाबाद प्रो. अली खान ने इस शोकसभा का आयोजन किया था। आसिफी इमामबाड़े में हुई शोकसभा में मौलाना मकबूल हुसैन रामानंद फाउंडेशन के अध्यक्ष महाराजा आनंद नारायण, स्वामी सारंग, एआईएमआईएम के प्रवक्ता आसिम वकार, प्रो. रमेश दीक्षित, पूर्व आईएएस अनीस अंसारी, सिख समाज के प्रतिनिधि प्रतिपाल सिंह सलूजा, पास्टर संजय ओलाइन, मुस्लिम कॉलेज ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन के चेयरमैन हाजी सलीम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के इश्तियाक अंसारी, खानकाहे अलविया काकोरी के जैनुल हैदर अलवी, मुफ्ती नुरुलऐन मिस्बाही और देवा शरीफ से आये आजम अली वारसी ने अमरीका और इजराइल के हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की।

आयतुल्ला अली खामेनेई की शोकसभा में मौजूद मौलाना।

समीक्षा

सीएसजेएम से सबद्ध महाविद्यालयों के साथ बैठक में कुलाधिपति ने दिए निर्देश

कॉलेजों में रिक्त पद भरें, जहां कमी ऑनलाइन कक्षाएं चलाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : महाविद्यालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां शिक्षकों की कमी है, वहां ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएं। जिस कॉलेजों में शिक्षक अधिक हैं, उन्हें जरूरत वाले कॉलेजों में समायोजित किया जाए। ये निर्देश राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने जनभवन में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएम) से संबद्ध महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ समीक्षा बैठक में दिए।

कुलाधिपति ने महाविद्यालयों में कम नामांकन पर चिंता जताते हुए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य और शिक्षक गांवों व इंटर कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों और अभिभावकों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करें। साथ ही ऑनलाइन कक्षाएं और शिक्षकों के समायोजन पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रोजगारोन्मुखी शिक्षा और नैतिक मूल्यों पर बल दिया। उन्होंने समय से परीक्षा परिणाम घोषित करने और जून-जुलाई तक दीक्षांत समारोह कराने के निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने राज्यपाल के प्रयासों की सराहना करते हुए महाविद्यालयों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया साथ ही गुणवत्ता बढ़ाने के लिए संभव प्रयास करने किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल की प्रतिबद्धता ही है, जिसके फलस्वरूप विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन एवं एनआईआरएफ रैंकिंग में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त कर रहे हैं। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने का भरोसा दिया।

एनसीईआरटी अनिवार्य करने और मनमानी फीस पर रोक की मांग

- **अमृत विचार, बख्शी का तालाब :** शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते आर्थिक बोझ के विरोध में सोमवार को भारतीय किसान मजदूर जनसेवा यूनियन के पदाधिकारियों ने तहसील बख्शी का तालाब पहुंचकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने एनसीईआरटी और एससीईआरटी की पुस्तकों को सभी स्कूलों में अनिवार्य करने, मनमानी फीस वसूली पर रोक लगाने तथा अभिभावकों को राहत देने की मांग उठाई। यूनियन के प्रदेश प्रभारी चन्द्रपाल यादव के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षा बच्चों का अधिकार है, लेकिन निजी स्कूलों की मनमानी के कारण यह अभिभावकों के लिए आर्थिक बोझ बनती जा रही है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि हर वर्ष पाठ्यक्रम और पुस्तकें बदलने से अभिभावकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए एससीईआरटी द्वारा एक स्थिर एकेडमिक कैलेंडर घोषित किया जाए और बार-बार कोर्स बदलने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। संगठन ने मांग की कि प्रत्येक सत्र में री-एडमिशन के नाम पर ली जाने वाली फीस को तत्काल बंद कराया जाए।

एसडीएम को ज्ञापन देते किसान।

राज्य कार्मिकों को 31 मई तक देनी होगी स्व-मूल्यांकन आख्या

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वार्षिक प्रविष्टि अब पूरी तरह ऑनलाइन, तय समय सीमा जारी
- कार्मिक विभाग ने दिया 7-8 अप्रैल को अनिवार्य एआई लर्निंग का निर्देश

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए राज्य कर्मचारियों की वार्षिक प्रविष्टियों को पूरी तरह ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है। प्रमुख सचिव, कार्मिक एम देवराज द्वारा जारी आदेश के अनुसार, समूह क, ख और ग के अधिकारियों व कर्मचारियों को 31 मई तक पोर्टल पर अपनी स्व-मूल्यांकन आख्या अनिवार्य रूप से दर्ज करनी होगी।

आदेश के मुताबिक, वार्षिक प्रविष्टियों की ऑनलाइन प्रक्रिया 30 अप्रैल तक जेनरेट कर दी जाएगी। इसके बाद प्रतिवेदक, समीक्षक और स्वीकर्ता अधिकारी क्रमशः 31 जुलाई, 30 सितंबर और 31 दिसंबर तक अपनी टिप्पणियां दर्ज करेंगे।

यदि निर्धारित समयसीमा में संबंधित अधिकारी टिप्पणी नहीं करते हैं तो प्रविष्टि स्वतः अगले स्तर पर अग्रेषित हो जाएगी। समूह घ के कर्मचारियों की प्रविष्टि उनके नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा दर्ज की जाएगी।

एआई लर्निंग भी अनिवार्य

- कार्मिक विभाग ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर एआई आधारित चार घंटे का प्रशिक्षण पूरा करने के निर्देश दिए हैं। यह प्रशिक्षण 7 और 8 अप्रैल को शाम 4 बजे से 6 बजे के बीच पूरा करना होगा। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को नई तकनीक के प्रति दक्ष बनाना और प्रशासनिक कार्यों में आधुनिकता लाना है।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेष के दर्शन कर धन्य हो गए श्रद्धालु

- आर्ट ऑफ लिविंग परिवार की ओर से त्रिवटी नाथ मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बरेली के बाबा श्री त्रिवटीनाथ मंदिर में श्री सोमनाथ मूल ज्योतिर्लिंग दर्शन अवशेष सहस्त्रों का अभिषेक करते स्वामी भव्य तेज।

स्वामी भव्य तेज के स्वागत के दौरान लहरातीं धर्मध्वजाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्राचीन त्रिवटी नाथ मंदिर के श्री सत्संग भवन में सोमवार को आध्यात्मिक कार्यक्रम में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेषों के दर्शन कर शहरवासी आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति भाव से सराबोर हो गए। ऐतिहासिक पलों के हजारों लोग साक्षी बने। श्रद्धालुओं ने ज्योतिर्लिंग अवशेषों के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

आर्ट ऑफ लिविंग परिवार बरेली की ओर से त्रिवटी नाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम के स्वामी भव्य तेज सोमवार सुबह करीब 9.45 बजे सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेष लेकर पहुंचे। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव, सोमनाथ महादेव की जय-जय कार से गुंजायमान हो उठा। नाथ नगरी जलाभिषेक समिति, बाबा महाकाल समिति और बाबा गिरीराज सेवा समिति के पदाधिकारियों ने ढोल नगाड़ों से स्वामी भव्य तेज का स्वागत किया। इसके बाद आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के पार्थो कुनार, श्वेता कुनार, सौरभ मेहरोत्रा आदि स्वामी भव्य तेज को लेकर शिवालय पहुंचे और त्रिवटीनाथ मंदिर के दर्शन कराए। रामालय में सीताराम, राधा कृष्ण के दर्शन करने के बाद स्वामी भव्य तेज कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेषों को पूजा थाल में रखा। इसके बाद मंत्रोच्चारण कर पूजा अर्चना संपन्न की। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेष के दर्शन करने के यह ऐसे पल थे, जिसे देखने के लिए हर कोई लालायित नजर आया।

कार्यक्रम आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर के मार्गदर्शन में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेषों को देशभर में दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। वीडीएस कोआर्डिनेटर श्वेता कुनार ने बताया कि यह ऐतिहासिक आयोजन 1000 वर्षों की तपस्या, भक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। यह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक अस्मिता और आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

संदिग्ध परिस्थितियों में गर्भवती की मौत, हंगामा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मुरारपुर मजरे गोकुला गांव में किराए के मकान में रह रही काजल (30) का शव कमरे के अंदर मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार, काजल मूल रूप से रजई का पुरवा की रहने वाली थी। कुछ समय पहले वह गांव के ही हेमचंद यादव के साथ घर से चली गई थी। इस मामले में पहले मुकदमा भी दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में काजल के अपने फैसले पर कायम रहने के चलते मामला शांत हो गया था।

इसके बाद दोनों गोकुला गांव में दरियाबाद रोड स्थित एक मकान में किराए पर रह रहे थे। सोमवार सुबह कमरे के भीतर काजल का शव मिलने की सूचना पर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। परिजनों ने हेमचंद यादव और उसकी मां पर दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाया।

कार्यालय सेनानायक द्वितीय वाहिनी पी०ए०सी० सीतापुर

पत्रांकः न–29/2026 दिनांक मार्च, 30.2026

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 02वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर के परिसर एवं आवासीय परिसर में लगे आम–187, कटहल 39, जामुन 28, आवंला 37, लीची के 11 कुल 302 फलदार वृक्षों के फलों की नीलामी की कार्यवाही दिनांक 11/04/2026 को वाहिनी परिसर में उक्त फलदार वृक्षों की खुलेआम नीलामी आगामी वर्ष 2026 के लिए की जायेगी। वाहिनी के आवासीय परिसर स्थित आवासों में लगे पेड़ों के फलों के उपरोक्त नीलामी से मुक्त रखा जायेगा। तथा उन पर इस नीलामी का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। नियम व शर्तें तथा विशेष जानकारी हेतु किसी कार्य दिवस में कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

सेनानायक
द्वितीय वाहिनी पीएसी
सीतापुर

एक करोड़ की बीमा रकम के लोभ में पत्नी और बेटे को कार में फूंका

कार में आग से जलकर मरी महिला सिपाही और उसके बेटे की हत्या का खुलासा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

पुलिस हिरासत में तीनों आरोपी। ● अमृत विचार

- महिला सिपाही के पति ने अपने पांच साथियों के साथ मिलकर दिया था वारदात को अंजाम
- सड़क हादसे में कार जलने का दिखाया था मामला, पति समेत 3 गिरफ्तार, 2 फरार

अमृत विचार : थाना गंज क्षेत्र में करीब 10 दिन पहले महिला कांस्टेबल और उसके बेटे के कार जलकर मरने के मामले का पुलिस ने सोमवार को सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। बीमा की एक करोड़ रुपये की रकम हड़पने के लिए महिला कांस्टेबल लता और तीन साल के बेटे आवांश को कार में जिंदा जलाकर मारा गया था। मृतका के पति ने ही दोहरे हत्याकांड को हादसे का रूप दे दिया था। पुलिस ने मृतका सिपाही के पति सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अभी दो आरोपी फरार हैं।

पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने बताया कि 25 फरवरी की थाना गंज क्षेत्र में अज्ञात डंपर चालक द्वारा तेजी व लापरवाही से चलाकर कार में टक्कर मार देने और कार क्षतिग्रस्त होकर आग लग जाने का मामला सामने आया। इसमें कार सवार महिला सिपाही और उसके तीन साल के बेटे की मृत्यु हो जाने की पुष्टि हुई थी। परिवार नैनीताल से घूमकर वापस मिलक लौट रहा था। हादसे में पति दान सिंह और उसका भाई रवि सुरक्षित बच गया था। मामले में सीओ सिटी जितेंद्र कुमार के निर्देशन में पुलिस ने छानबीन की तो मामला अलग ही सामने आया। जांच में सामने आया कि पति दान सिंह ने बीमा राशि के लालच में सिपाही पत्नी लता और तीन साल के बच्चे आवांश उर्फ लड्डू की कार में पेट्रोल से जलाकर हत्या की थी। मामले में पति दान सिंह निवासी ग्राम बेहटरा थाना मिलक रामपुर, रवि निवासी ग्राम जमापुर थाना मिलक रामपुर, प्रदीप कुमार निवासी पनवड़िया थाना सिविल लाइंस रामपुर, नूरहसन निवासी ग्राम सोनकपुर थाना टांडा रामपुर, सलमान निवासी ग्राम चण्डका मदारपुर थाना पटवाई रामपुर का नाम प्रकाश में आया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में थाना गंज पुलिस ने दानसिंह, नूरहसन और सलमान को केसरपुर निर्माणाधीन पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार बरामद कर ली है। आरोपी पति ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि हत्या करने से पहले उसने पत्नी को कोल्ड डिंक में नशे की दवाई दी थी। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को 25 हजार इनाम देने की घोषणा की है।

डीआरएम ने किया तीसरे रेलवे पुल का निरीक्षण

तीसरे रेलवे पुल का निरीक्षण करते डीआरएम व अन्य अधिकारी।

रामनगर, बाराबंकी,

- कार्य की गुणवत्ता व सुरक्षा मानकों का लिया जायजा

अमृत विचार : सरयू नदी पर निर्मित तीसरे रेलवे पुल का सोमवार को पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम गौरव अग्रवाल ने टीम के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुल के निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों का बारीकी से जायजा लिया।

डीआरएम गौरव अग्रवाल ने बताया कि पुल का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और अंतिम औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैसे ही एनओसी प्राप्त होगी, इस पुल पर ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। चौका घाट पर बने इस तीसरे रेलवे पुल से क्षेत्र में रेल यात्रियों को काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम के सदस्य भी मौजूद रहे, जिन्होंने पुल से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी डीआरएम को दी।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 23.04.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैन्युअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1.	निविदा सूचना संख्या	00312026 दिनांक 02.04.2026
2.	निविदा संख्या	01-SrDEN-I-LKO-2026-27
3.	कार्य का नाम	सहायक मण्डल इंजीनियर/मुख्यालय/लखनऊ के अधीन वरि० खण्ड अभियन्ता/कार्य/आलमबाग/पश्चिम के खण्ड में आईआरआईटीएम/लखनऊ में प्रशासनिक भवन के अग्रभाग की भारी मरम्मत का कार्य।
4.	अनुमानित लागत	रू 2090696.54
5.	धरोहर राशि	रू 41800.00
6.	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से दो माह।
7.	निविदा डालने का प्रारंभ तिथि	09.04.2026
8.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	23.04.2026 15:00 बजे
9.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोट–:1 निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1127/26

अपने संसदीय क्षेत्र से अखिलेश ने फूंका मिशन 2027 का बिगुल

इंदरगढ़ में शिक्षक नेता को श्रद्धांजलि देते सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव।

कन्नौज, **अमृत विचार।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री व स्थानीय सांसद अखिलेश यादव ने कन्नौज में चुनावी बिगुल फूंका। 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाते हुए न केवल जीत का संकल्प दोहराया, बल्कि केंद्र और प्रदेश सरकार को आरक्षण, संविधान और बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर घेरा।

उन्होंने भाजपा को 'संविधान विरोधी' करार देते हुए निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। महिला आरक्षण के मुद्दे पर सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए अखिलेश बोले आवादी कहां से कहां पहुंच गई पर भाजपा की गिनती अभी भी 2011 पर अटकी है। अखिलेश यादव शिक्षक संघ के वरिष्ठ नेता श्रीकृष्ण यादव के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने के लिए इंदरगढ़ स्थित उनके आवास पहुंचे। परिजनों को हर प्रकार से सहयोग करने का आश्वासन दिया।

युवक ने दी जान देने की कोशिश

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : बरांवा गांव में सोमवार को एक युवक ने फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। समय रहते परिजनों और मजदूरों की सतर्कता से उसकी जान बच गई पर उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

गांव निवासी कल्लू रावत के घर की दूसरी मंजिल पर दोपहर में छत की स्लैब डाली जानी थी, जिसके लिए मजदूर मौजूद थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर कल्लू की अपने 23 वर्षीय बेटे अर्जुन से कहासुनी हो गई। पिता की डांट से क्षुब्ध होकर अर्जुन नीचे कमरे में चला गया और छत के कुंडे से फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जरूरत पड़ने पर पिता ने उसे आवाज दी, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर कमरे का दरवाजा खोला तो अर्जुन को लटका देख उनके होश उड़ गए। शोर मचाने पर आसपास मौजूद मजदूर मौके पर पहुंचे और युवक को तुरंत नीचे उतारकर गले से फंदा हटाया।

अराजक तत्वों ने तोड़ी आंबेडकर प्रतिमा

- तनाव को देखते हुए प्रशासन ने स्थापित करायी नयी प्रतिमा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : कुर्सी कोतवाली क्षेत्र के अन्नीपुर मजरे खरिहानी गांव स्थित बौद्ध मंदिर परिसर में अराजक तत्वों द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने से क्षेत्र में तनाव फैल गया।

सोमवार सुबह जैसे ही ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई, मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई और लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। स्थिति को संवेदनशील देखते हुए पुलिस प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी जगत राम कनौजिया भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को नई प्रतिमा स्थापित कराने का आश्वासन देकर स्थिति को नियंत्रित किया। प्रशासन ने लखनऊ से डॉ. आंबेडकर की नई प्रतिमा मंगवाकर स्थापित कराई। एहतियात के तौर पर घुंघटेर, बड्डूपुर और कुर्सी कोतवाली समेत कई थानों की पुलिस दिनभर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में तैनात रही।

प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने पर भड़के पूर्व सांसद

बाराबंकी, अमृत विचार : निन्दूरा ब्लॉक के खरिहानी गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने की जानकारी मिलते ही पूर्व सांसद डॉ. पी.एल. पुनिया सोमवार को मौके पर पहुंचे और नाराजगी व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कृतिका का स्वागत करते लोग।

डिप्टी कलेक्टर बनीं कृतिका

लखनऊ, अमृत विचार इंदिरा नगर निवासी विनोद कुमार चौधरी की पुत्री कृतिका चौधरी ने दूसरे प्रयास में डिप्टी कलेक्टर पद पर 30वां स्थान प्राप्त किया। वे पिछले 6 वर्षों से प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं। उनके पिता विनोद कुमार चौधरी डाक विभाग में डाक सहायक के पद पर कार्यरत हैं, उनकी बड़ी बहन ऋतिका इलाहाबाद हाईकोर्ट में समीक्षा अधिकारी जबकि छोटी बहन अक्षिता स्नातक नर्सिंग की पढ़ाई के साथ नीट की तैयारी कर रही हैं। इस सफलता पर जिला रजक कंपू समिति के पूर्व मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार कनौजिया सहित अन्य सम्मानित व्यक्तियों ने भी कृतिका चौधरी को बधाई दी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं राजू यादव पत्नी राजेश कुमार यादव ग्राम शोभवापुर पो. पखरौली, तह. डलमऊ, जिला रायबरेली की निवासी हूं। मेरे स्टेट बैंक आफ इंडिया शाखा लालगंज के खाता में नाम केश कुमारी दर्ज है, जबकि आधार और पैन कार्ड में राजू यादव अंकित है, जो कि सही है। बैंक खाता में सही नाम राजू यादव दर्ज किया जाए।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम अश्मिता के सिंह पुत्री अनूप सिंह है, जो कि उसके शैक्षणिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं– 608967204281 में उसका नाम इवान्या सिंह अंकित हो गया है, जो कि गलत है, भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम अश्मिता के सिंह (Asmita K Singh) पुत्री अनूप सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाये। एतद द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में सभी औपचारिकताये मेरे स्वयं द्वारा पूर्ण की गई है। **नि0 – 656 ज, उत्तरी गौतम नगर G.G.I.C पूर्वी गली I.T.I रोड फतेहपुर उ.प्र.**

सूचना
मेरी वास्तविक जन्म तिथि 11–05–1972 है, जो आधार कार्ड में भी दर्ज है। जबकि त्रुटिवश मेरे पति अयोध्या सिंह के आर्मी के अभिलेखों में 26–05–1969 दर्ज हो गयी है। आधार कार्ड में दर्ज मेरी वास्तविक जन्म तिथि 11–05–1972 को ही सही माना जाये। **मीरा देवी पत्नी अयोध्या सिंह निवासी ग्राम सैदापुर, थाना सरेनी, तहसील लालगंज, जनपद– रायबरेली (उ0 प्र0)।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपनी पुत्री आस्था पुत्री अजीत कुमार एवं पुत्र अक्षत पुत्र अजीत कुमार के गलत व अपनी मनमानी कार्यो से क्षुब्ध होकर उन्हे अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ उनके द्वारा किये गये किसी भी कानूनी गैर कानूनी कृत्य के लिए मै व मेरा परिवार जिम्मेदार नही होगा। **अजीत कुमार पुत्र स्व0 राम चन्द्र सहाय सिन्हा निवासी– 5/131 विकास खण्ड गोमती नगर लखनऊ उ0प्र0।**

सूचना
मैने अपना नाम मीनल से बदल कर मिनल रस्तोगी पत्नी श्री प्रमिल रस्तोगी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना। **मिनल रस्तोगी पत्नी श्री प्रमिल रस्तोगी, निवासी 332/93, चौक रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226003**

सूचना
ऊषा तिवारी पत्नी बाल चंद्र तिवारी निवासी 598 EWS ब्लॉक 1850 योजना अर्रा बिनगवां कानपुर नगर उपरोक्त प्रापर्टी का मूल POA 05.07.2014 क्रमांक 1254 कही खो गया है जिसका प्रयोग किसी अन्य के द्वारा अवैध माना जाएगा। मो0: 9889865050

सूचना
अनीता सिंह पत्नी बाल कृष्ण सिंह निवासी 7/344 EWS आवास एवं विकास योजना संख्या 03 हंसपुरम कानपुर नगर उपरोक्त प्रापर्टी का मूल किराया किश्त क्रय किरायेदारी अनुबंध पत्र कही खो गया है जिसका प्रयोग किसी अन्य के द्वारा अवैध माना जाएगा। मो0: 8299538210

सूचना
मैं मुन्नी देवी व मीनू देवी दोनों नाम एक ही महिला यानी मेरे ही हैं, भविष्य में मुझे मीनू देवी पत्नी हंसराज यादव नि0 117/K/168 सर्वोदय नगर कानपुर नगर नाम से जाना/पहचाना/अभिलेखों में दर्ज किया जाय।

सूचना
मेरे पुत्र सुनील कुमार व बहू साधना का आचरण व व्यवहार मेरे व मेरे परिवार के प्रति ठीक नहीं है। जिसके कारण मैंने उन दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उन दोनों से मेरा किसी भी प्रकार का वास्ता सरोकार नहीं है। सुनील कुमार व साधना अपने किए गए कार्यो के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे। मैं /**राम रतन पुत्र परसादी निवासी ग्राम उगाभाद तह0 लालगंज रायबरेली।**

सूचना
मेरे पुत्र हिमांशू सिंह का चाल चलन व व्यवहार मेरे प्रति ठीक नहीं है जिसके चलते मैंने अपनी चल अचल संपत्ति से उसे बेदखल कर दिया है। अब मेरा उससे किसी भी प्रकार का वास्ता सरोकार नहीं रहेगा, हिमांशू सिंह अपने किए गए कार्यो का स्वयं जिम्मेदार होगा। मैं /**बबलू सिंह पुत्र शिवकरन सिंह निवासी सुरजीपुर पोस्ट सोतवा खेड़ा तह0 लालगंज रायबरेली।**

किडनी कांड का इन्फेक्शन मेडिकल कॉलेज तक पहुंचा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 9 फोर्थ क्लॉस कर्मचारियों के नाम सामने आए एक को पुलिस ने उठाया, आयुष एमबीए स्टूडेंट नहीं, साइबर ठग है, हवाला कारोबार का भी शक

अमृत विचार। किडनी कांड की जांच कर रही पुलिस को रविवार को एक वीडियो मिला था, जिसमें अमृतसर के मनजिंदर सिंह ने मोहाली के रहने वाले जसप्रीत, विक्रांत, हसन और नवनीत सिंह पर 43 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया था। इस वीडियो को पुलिस ने अपनी जांच में शामिल कर महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क किया है। वहीं किडनी कांड की जांच की आंच मेडिकल कॉलेज तक भी पहुंच गई है।

पुलिस जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के एक वार्ड ब्वॉय अजय को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अब तक की पूछताछ में जीएसवीएम के 9 फोर्थ क्लॉस कर्मचारियों के नाम सामने आए हैं, जिनको नोटिस जारी करके पूछताछ की जाएगी। पुलिस के हाथ अजय तक पहुंचते ही अन्य आरोपी अंडरग्राउंड हो गए हैं। डीसीपी वेस्ट ने बताया कि लखनऊ, गाजियाबाद के सीएमओ के पत्र लिखकर गंभीरता से जांच कर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

नेपाल तक फैला है रैकेट

पुलिस को जांच के दौरान नेपाल के युवक का वीडियो मिला। इस की किडनी ट्रांसप्लांट की गई है। नेपाल के एक युवक की किडनी 10 लाख में खरीदने के सबूत मिले हैं। पुलिस की एक टीम दोनों युवकों की तलाश में नेपाल गई है। दोनों की पहचान होते ही साफ हो जाएगा कि आखिर नेपाल से किसके जरिए युवक ने किडनी बेची। दूसरे नेपाली ने किसके जरिये अपनी किडनी का ट्रांसप्लांट कराया है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि इस नेपाली युवक को भी टेलीग्राम के जरिये ही फंसाया गया। इससे भी महज 9 लाख रुपए में किडनी का सौदा हुआ था। युवक का नाम प्राथमिक जांच में राज शुंभा के रूप में सामने आया है।

> जिन जिलों से किडनी कांड जुड़ा है, उन जिलों के सीएमओ को पत्र लिखकर जांच को कहा गया है। जेल गए आरोपियों से पूछताछ के लिए कोर्ट से परमिशन मिल गई है।
> –एमएस कासिम आब्दी, डीसीपी वेस्ट कानपुर कमिश्नरेट

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर–अमेठी वृत्त, लोक निर्माण विभाग, सुलतानपुर

पत्रांकः– 1511/1 काम–सु0अ0वृ0/2025–26 दिनाँकः– 31.03.2026

ई–निविदा सूचना (द्वितीय बार आमंत्रण)

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर-अमेठी वृत्त, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्य हेतु रजिस्टर्ड अर्ह एवं अनुमोदित ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि यह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने के नियमों से अवगत हो लें।

क्र0 सं0	जिला	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रु0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	निविदा शुल्क प्रपत्र का मूल्य+स्टेशनरी +जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण कराने की अवधि	अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1.	सुलतानपुर	पूरे खुटवन (सरैयामाफी) से चेती दूबे तक सम्पर्क मार्ग।	54.20	4.71	Rs. 2714.00	06 माह	निर्माण खण्ड-3, लो0नि0वि0 सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या

➢ बिल आफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुए लगाई गयी है।

निविदा आनलाइन दिनाँक 09.04.2026 की पूर्वाहन 9:00 बजे से दिनाँक 24.04.2026 की अपराह्न 12.00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 24.04.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनाँक 24.04.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018-42 आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रुप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेक प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरुप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साट्वेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें https://etender.up.nic.inपर देखी जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-3, लो0नि0वि0, सुलतानपुर
अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर-अमेठी वृत्तलो0नि0वि0, सुलतानपुर

UP-249272 दिनांक 06.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

न्यूज ब्रीफ

बैठक में सीमा सुरक्षा की मजबूती पर जोर

ककरहवा, सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के ककरहवा बॉर्डर स्थित एसएसबी कैंप में रविवार को ऑपरेशन कवच के तहत एसएसबी एवं पुलिस सीमावर्ती ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीमा सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए गये। एएसपी प्रशांत कुमार प्रसाद ने उपस्थित सदस्यों को ऑपरेशन कवच के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस एवं संबंधित एजेंसियों को दी जाए ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। थानाध्यक्ष मोहाना जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सीमा क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। बैठक के दौरान सहायक कमांडेंट एसएसबी कैलाश दान, ऑपरेशन कवच प्रभारी निरीक्षक मनोहर लाल, सीमा शुल्क ककरहवा निरीक्षक संजीव कुमार, चौकी इंचार्ज ककरहवा प्रदीप कुमार सिंह रहे।

विशेष ट्रेनों की बढ़ाई संचालन अवधि

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही 04652/04651 अमृतसर-जयनगर-अमृतसर विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार तत्काल प्रभाव से अमृतसर से 15 जुलाई, 2026 तक तथा जयनगर से 17 जुलाई, 2026 तक 46 फेरों के लिये किया गया है। विस्तारित अवधि में यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित दिन, समय, ठहराव एवं रेक संरचना के अनुसार चलाई जा रही है।

भाजपा के लिए राजनीति राष्ट्र सेवा की साधना

धूमधाम से मनाया गया पार्टी का 47वां स्थापना दिवस

संवाददाता सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। भाजपा ने सिद्धार्थनगर कार्यालय पर 47वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी का ध्वज फहराया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने की।

उन्होंने कहा कि आज का दिन भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए एक पावन पर्व है। पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक देश, एक विधान' के प्रखर राष्ट्रवादी संकल्प और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' दर्शन को धरातल पर पार्टी ने लाकर पूरे विश्व को दिखा दिया। सदर विधायक श्याम धनी राही ने कहा भाजपा 'राष्ट्र प्रथम' ही हमारा एकमात्र ध्येय है के आधार पर निरंतर आगे बढ़ रही है।

पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा भाजपा के लिए राजनीति सत्ता का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा की साधना है। पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी ने कहा कि इस स्थापना दिवस पर हमें यह संकल्प लेना है कि हम 2047 तक 'विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष रामकुमार कुंवर, बृजबिहारी मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष विजयकांत चतुर्वेदी, मनोज मौर्या आशीष शुक्ला महामंत्री फतेहबहादुर सिंह, फूलचंद जायसवाल पवन मिश्रा, चेयरमैन सहकारिता कुंवर विक्रम सिंह, दिलीप चतुर्वेदी डी सी फ़ चेयरमैन अजय उपाध्याय, अविनाश सिंह मंत्री सिद्धार्थ शंकर पाठक पूर्व मंत्री अरविंद उपाध्याय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष घनश्याम मिश्रा जिला पंकज जायसवाल मीडिया प्रभारी रमेश मणि, विक्की रस्तोगी सह मीडिया प्रभारी प्रभात तिवारी, अर्चिषमान मिश्रा कार्यालय मंत्री गगन श्रीवास्तव, सहित सभी जिलापदाधिकारी एवं सभी मंडल अध्यक्ष गण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पार्टी कार्यालय पर स्थापना दिवस मनाते पदाधिकारी और कार्यकर्ता। अमृत विचार

राष्ट्र सेवा, सुशासन तथा देश के संपूर्ण विकास में भाजपा ने निभाई है महत्वपूर्ण भूमिका

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डुमरियागंज के सांसद जगदम्बिका पाल ने प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन महामंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने स्थापना काल से ही राष्ट्र सेवा, सुशासन एवं अंत्योदय के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए देश और समाज के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सांसद ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, समर्पण एवं संगठन की मजबूती के कारण भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उप डाकपाल, उनकी पत्नी व आरक्षी पर केस

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार। महबूबगंज उपडाकघर में 30 लाख रुपये के गबन के मामले प्रवर डाक अधीक्षक अयोध्या मंडल हरे कृष्ण यादव ने थाना गोसाईगंज में उप डाकपाल शिवांशु श्रीवास्तव, उनकी पत्नी आयुषी श्रीवास्तव व चौकी महबूबगंज के आरक्षी अजय यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसी मामले में उप डाकपाल एक वर्ष पहले ही निलंबित किया जा चुका है। मामले में लापरवाही बरतने पर एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने थाना प्रभारी शारतेंदु दुबे व एक आरक्षी को निलंबित कर दिया था। प्रवर डाक अधीक्षक ने बताया कि मुख्य आरोपी शिवांशु श्रीवास्तव के विरुद्ध केस दर्ज कराने के लिए हरि मोहन सिंह उपमण्डलीय निरीक्षक डाकघर, उत्तरी उपमण्डल अम्बेडकरनगर द्वारा कई बार थाना प्रभारी गोसाईगंज से कई बार अनुरोध किया गया। लेकिन उन्होंने कार्रवाई नहीं की।

सांसद पर दर्ज केस में दरोगा की हुई गवाही

सुलतानपुर, अमृत विचार। आचार संहिता उल्लंघन के मामले में आप सांसद संजय सिंह समेत 13 आरोपितों पर दर्ज केस में सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में विवेचक दारोगा अनूप कुमार सिंह की गवाही दर्ज की गई। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है। संजय सिंह पर 13 अप्रैल 2021 त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान बंधुआ कला थाने के हसनपुर में बिना अनुमति सभा कर आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मानहानि मामले में वायस सैम्पल पर सुनवाई 17 को

संवाददाता, सुलतानपुर : कांग्रेस सासंद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि के वाद में सोमवार को अदालत में सुनवाई हुई। परिवादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय के मौका लेने के कारण वायस सेम्पल पर बहस नहीं हो सकी। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया वायस सेम्पल पर सुनवाई के लिए विशेष कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने सुनवाई के लिए 17 अप्रैल की तारीख निर्धारित की है। गौरतलब है कि परिवादी पक्ष द्वारा प्रस्तुत सीडी में उपलब्ध ऑडियो-वीडियो की सत्यता की जांच हेतु राहुल गांधी का वॉयस सैंपल लेने की मांग की गई थी, जिस पर बचाव पक्ष ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने इसे कानूनी रूप से अनुचित बताते हुए विरोध किया, जबकि परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने वैज्ञानिक परीक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया है। गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2018 में बेंगलुरु में आयोजित एक जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़ा है। इस संबंध में भाजपा नेता विजय मिश्र द्वारा 4 अगस्त 2018 को सुलतानपुर की अदालत में मानहानि वाद दायर किया गया था। मामले में पहले ही राहुल गांधी अदालत में पेश होकर जमानत ले चुके हैं तथा उनका बयान भी दर्ज किया जा चुका है। अब वायस सेम्पल को लेकर कानूनी बहस 17 अप्रैल को होगी।

दिल्ली के मंच पर महंत मिथिलेश नंदनी शरण ने बताया अयोध्या का दर्द

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र दिल्ली में आयोजित अयोध्या पर्व के समापन सत्र के दौरान भविष्य की अयोध्या, शासन और समाज विषय पर आयोजित संगोष्ठी में हनुमत सदन मंदिर के महंत मिथिलेश नंदनी शरण ने अयोध्या का दर्द बयां किया। अपने बयान में कहा कि धार्मिक नगरी से आधुनिक पर्यटन नगरी के रूप में बदल रही अयोध्या में रहने वाले लोग परेशान है, लेकिन अपना दर्द किसी से कह नहीं सकते हैं। उनके बयान का वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो रहा है। हालांकि अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

जारी वीडियो में महंत डॉ. मिथिलेश नंदनी शरण ने कहा कि अयोध्या का जो विकास मॉडल प्रस्तुत किया जा रहा है, उसमें उसकी मूल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान पीछे छूटती जा रही है। अयोध्या केवल पर्यटन या आधुनिकता का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी आत्मा उसकी सनातन परंपरा में निहित है। उन्होंने अयोध्या की तुलना कश्मीर से करते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था इतनी कठोर हो गई है कि बिना पुलिस के जी हजूरी किए आप अयोध्या में घुस नहीं सकते है। बीमार मर जाएगा, लेकिन बैरियर नहीं खोला जाएगा। वह अस्पताल तक नहीं जा पाएगा। हम लोग सुनते रहे है कि कश्मीर को लोगों को सुरक्षा के नाम पर कितना दुख होता है, अब अयोध्या को लेकर यह समझते है। वहीं राम मंदिर में दर्शन व्यवस्था पर भी चर्चा कर देश के विभिन्न क्षेत्र से आने वाले संत धर्माचार्य के लिए अलग मार्ग बनाए जाने की मांग उठाई है।

यात्रियों के लिए अमृतसर से 19 को चलाई जाएगी विशेष ट्रेन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 04610/04609 अमृतसर-बरौनी-अमृतसर वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक आरक्षित विशेष गाड़ी का संचलन अमृतसर से 19 अप्रैल से 12 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक रविवार को तथा बरौनी से 21 अप्रैल से 14 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 13 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04610 अमृतसर-बरौनी ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक आरक्षित विशेष गाड़ी 19 अप्रैल से 12 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक रविवार को अमृतसर से 20.10 बजे प्रस्थान कर ब्यास से 20.42 बजे, जलंधर सिटी से 21.20 बजे, फगवाड़ा से 21.40 बजे, ढंडारी कलां से 22.40 बजे, सरहिंद से 23.24 बजे, राजपुरा से 23.52 बजे, दूसरे दिन अम्बाला कैंट से 00.40 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 01.32 बजे, सहारनपुर से 02.30 बजे, मुरादाबाद से 06.20 बजे, बरेली से 07.42 बजे, सीतापुर से 11.25 बजे, गोंडा से 14.20 बजे, गोरखपुर से 17.20 बजे, सीवान से 19.22 बजे, छपरा से 20.40 बजे, सोनपुर से 21.55 बजे, हाजीपुर से 22.10 बजे तथा शाहपुर पटोरी से 23.12 बजे छूटकर तीसरे दिन बरौनी 02.10 बजे पहुँचेगी।

84 कोसी परिक्रमा पथ पर निकले साधु-संत

गोसाईगंज/तारुन, अयोध्या

अमृत विचार। 84 कोसी परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के दोनों जत्थे अयोध्या की सीमा में पहुंच गए हैं। पहला जत्था मखौड़ा धाम बस्ती से चलकर सोमवार को पांचवें दिन 84 कोसी परिक्रमा विहिप की ओर से अवध धाम हनुमान मंडल का दल सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में महादेवा घाट गोसाईगंज से तारुन के टिकरी गांव पहुंचा। जलपान विश्राम कर शाम को तारुन बाजार में पहुंचने पर अजय सिंह, अनुपम सिंह, नलिनेश प्रताप सिंह, महंत मौर्या समेत बाजार के लोगों ने साधु-संतों और श्रद्धालुओं के ऊपर पुष्पवर्षा कर फूलमालाओं से अभिनंदन किया। यात्रा में राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से सैकड़ो साधु-संत और श्रद्धालु शामिल हैं। यात्रा का पड़ाव विश्राम सराय शेख में स्थित एक विद्यालय में होगा। यात्रा में महिलाएं भी शामिल है। इसके पूर्व महादेव घाट पर ठहरे इस दल के लोगों ने तमसा में स्नान कर साथ लाए ठाकुर जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। परिक्रमा करने वालों का दूसरा जत्था श्रृंगी ऋषि आश्रम से महादेवा घाट पहुंचा। राम नाम संकीर्तन और जय श्रीराम के साथ महंत गया दास की अगुवाई में आए संत-महंत और श्रद्धालुओं का नगर सीमा में प्रवेश पर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा, माल्यार्पण और जलपान के साथ स्वागत किया। महंत गया दास ने बताया कि इस परिक्रमा में राजस्थान, गोण्डा, आगरा, नेपाल, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सहित कई स्थानों से श्रद्धालु शामिल हुए हैं।

तेलियागढ़ चौराहे पर जय श्री राम का उद्घोष करते 84 कोसी परिक्रमा में शामिल साधु- संत।

पिता और पुत्र के ऊपर एसयूवी चढ़ाकर हत्या करने का प्रयास

अयोध्या कार्यालय।

- बाल-बाल बचा पिता, पुत्र गंभीर, आरोपी सगे भाइयों पर मुकदमा दर्ज

अमृत विचार। अपने रिश्तेदार के विवाद में दखल देने पर सगे भाइयों ने पिता-पुत्र पर एसयूवी चढ़ाकर हत्या करने का प्रयास किया। हालांकि पिता बाल-बाल बच गया जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना गोसाईगंज पुलिस ने दो सगे भाइयों पर हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

पीड़ित हीराराम राजभर निवासी शेखपुरा रामापुर नु पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार को मैं व मेरा पुत्र रवि राजभर अपने रिश्तेदार आशाराम के घर गए थे। वहां पर आशाराम के परिवार से गांव के ही विकास वर्मा से कहासुनी हो रही थी। हम लोगों को देखकर उसने फोन करके अपने भाई संदीप वर्मा को बुलाते हुए कहा कि अपनी एसयूवी लेकर आओ व जातिसूचक गाली देते हुए कहा कि इनके ऊपर चढ़ा दो ताकि एक-दो मर जाए। इसके थोड़ी देर बाद संदीप वर्मा अपनी एसयूवी लेकर आया व जान से मारने की नियत से हमारे ऊपर चढ़ाने की कोशिश की। इस पर मैं तो बच गया लेकिन मेरा लड़का रवि एसयूवी की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगो की मदद से उसे सीएचसी गोसाईगंज ले गए। जहां से डॉक्टर ने उसे गंभीर हालत में दर्शननगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सीओ सदर योगेंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

अध्यक्ष व सचिवों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

प्रशिक्षण के दौरान बालिका को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। बीआरसी उसका बाज़ार सभागार में शनिवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सचिवों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी ओपी मिश्र द्वारा किया गया। बीइओ ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति की सक्रिय भागीदारी से ही विद्यालयों का समग्र विकास संभव है। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में बालमुकुंद चौधरी एवं मनोज कुमार ने प्रतिभागियों को एसएमसी की भूमिका, कार्य एवं अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यालय विकास योजना, छात्र उपस्थिति बढ़ाने, शैक्षिक गुणवत्ता सुधार तथा समुदाय की सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। महुलानी, पकड़ी व मदनपुर के विद्यालयों के अध्यक्ष व सचिव का प्रशिक्षण कंपोजिट विद्यालय पकड़ी में संकल्प शुक्ला व विवेक कुमार द्वारा संचालित किया गया।

रोटरी क्लब की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

चर्चा के दौरान रोटरी क्लब के पदाधिकारी। अमृत विचार

कुशीनगर, अमृत विचार। रोटरी क्लब कुशीनगर एवं रोटरी क्लब बुटवल के मध्य नेपाल के बुटवल में एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर दोनों क्लबों के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।बैठक में आपसी सहयोग, सामाजिक सेवा गतिविधियों तथा भविष्य में संयुक्त रूप से आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। दोनों क्लबों ने समाजहित में मिलकर कार्य करने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वय को और सुदृढ़ बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कहा गया कि इसमें किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जायेगी। कही गयी सभी बातों का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाएगा। रोटरी क्लब कुशीनगर की ओर से अध्यक्ष अजय कुमार सिंह, अखिलेश शर्मा, सुनीता सिंह, आशा शर्मा, अनुभव सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। वहीं रोटरी क्लब बुटवल डाउन टाउन की ओर से अध्यक्ष बाबूराम बनजाडे, पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र ढकाल, पूर्व अध्यक्ष जीवन प्रसाद अधिकारी आदि मौजूद रहे।

क्रॉप कटिंग कराकर गेहूं की उत्पादकता परखते अधिकारी। अमृत विचार

क्रॉप कटिंग कराकर देखी गेहूं की उत्पादकता

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। तहसील नौगढ़ विकास खण्ड नौगढ़ के ग्राम पंचायत सोनवल में रवि फसल गेहूं की जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा क्राप कटिंग कराकर उत्पादकता को देखा गया। क्रॉप कटिंग के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस प्रकार के सर्वेक्षण पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराए जाएं ताकि वास्तविक उत्पादन का सही आंकलन हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि फसल उत्पादन से संबंधित आंकड़े कृषि योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी सुना। तहसील नौगढ़ विकास खण्ड नौगढ़ के ग्राम पंचायत सोनवल में गाटा संख्या-92 किसान अंजनी पत्नी गिरधारी क्षेत्रफल 43.3 वर्ग मीटर कराया गया जिसमें 16.550 किग्रा0, तद्नुसार 38.450 कुन्तल प्रति हेक्टेअर पैदावार प्राप्त हुआ।

एसपी ने किया थाने का वार्षिक निरीक्षण

संतकबीरनगर, अमृत विचार। एसपी संदीप कुमार मीना ने सोमवार को दुधारा थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, बैरक व शौचालय की साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यालय, हवालात, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क व अभिलेखागार के रजिस्टरों का गहन निरीक्षण कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित साइबर थाना और सीसीटीएनएस कक्ष का उद्घाटन किया। इसके अलावा मिशन शक्ति अभियान 5.0 के द्वितीय चरण के तहत मिशन शक्ति केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ किया गया।

झांसी से कल से चलेगी ग्रीष्मकालीन ट्रेन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु 04185/04186 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-आसनसोल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 08 अप्रैल से 28 जून,2026 तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को तथा आसनसोल से 09 अप्रैल से 29 जून, 2026 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार एवं सोमवार को 24 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04185 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-आसनसोल ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 08 अप्रैल से 28 जून,2026 तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 09.20 बजे प्रस्थान कर उरई से 11.45 बजे, पोखरायां से 12.52 बजे, गोविन्दपुरी से 15.25 बजे, फतेहपुर से 16.22 बजे, प्रयागराज जं. से 18.10 बजे, ज्ञानपुर रोड से 19.15 बजे, बनारस से 20.30 बजे, वाराणसी कैंट से 20.50 बजे, औड़िहार से 21.50 बजे, गाजीपुर सिटी से 22.50 बजे, दूसरे दिन बलिया से 00.10 बजे, सुरेमनपुर से 01.32 बजे, छपरा से 04.50 बजे, हाजीपुर से 06.02 बजे, शाहपुर पटोरी से 06.47 बजे, बरौनी से 08.05 बजे, किऊल जं. 10.02 बजे, झाझा से 11.10 बजे, जसीडीह से 11.53 बजे, मधुपुर से 12.19 बजे, चितरंजन से 13.00 बजे छूटकर आसनसोल 14.30 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04186 आसनसोल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 09 अप्रैल से 29 जून, 2026 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार एवं सोमवार को आसनसोल से 17.10 बजे प्रस्थान कर चितरंजन से 17.36 बजे, मधुपुर से 18.15 बजे, जसीडीह से 18.42 बजे, झाझा से 20.55 बजे, किऊल जं. 21.57 बजे, बरौनी से 22.50 बजे, शाहपुर पटोरी से 23.47 बजे, दूसरे दिन हाजीपुर से 01.22 बजे चलेगी।

शिकंजा दो गोवंशीय पशु और तीन मोबाइल बरामद, पूछताछ जारी

बलरामपुर के तीन गो तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने सोमवार को झुडिया पुल के पास से बलरामपुर के रहने वाले तीन गो-तस्कर सगे भाइयों को दबोच लिया। पकड़े गए तस्कर भाइयों के पास से पुलिस ने दो गोवंशीय पशु और तीन मोबाइल बरामद किया। पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए तस्करों ने काफी अहम जानकारी दी है। पुलिस अन्य तस्करों की तलाश में जुट गई है। शनिवार को बखिरा की तरफ से खलीलाबाद की तरफ जा रही गोवंशीय पशुओं से लदी पिकअप बालूशासन पुल के पास अनियंत्रित होकर पलट गई थी। पिकअप में पांच गोवंशीय पशुओं को रस्सी से सींघ व पैर, मुंह को निर्दयता व क्रूरता पूर्वक बांध कर पन्नी से ढ़का गया था। घटना में एक मवेशी की मौत हो गई। जबकि दो मवेशी मौके से भाग निकले थे। चालक और तस्कर भी मौके से भागने में सफल हो गए थे। घटना की सूचना पर एएसपी सुशील कुमार सिंह, सीओ अमित कुमार और कोतवाल जय प्रकाश दूबे, चौकी इंचार्ज प्रभांशु राय मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल किए। पिकअप में पुलिस को एक मोबाइल मिली थी। इस मामले में चौकी इंचार्ज ने पिकअप चालक और अन्य तस्करों पर केस दर्ज कराया। कोतवाल जय प्रकाश दूबे ने बताया कि सूचना के आधार पर गोला बाजार चौकी इंचार्ज लालबिहारी निषाद, कलेक्ट्रेट चौकी इंचार्ज अशोक कुमार दूबे, मगहर चौकी इंचार्ज विनोद कुमार यादव, हेड कांस्टेबल हरिनरायण, कांस्टेबल राकेश कुमार, कांस्टेबल प्रदीप पटेल, कांस्टेबल समशेर अली ने सोमवार को झुडिया पुल के पास से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पकड़े गए तीनों तस्करों की पहचान बलरामपुर जिले के ललिया थाना क्षेत्र के कुकुरभुकवा गांव के रहने वाले सगे भाई छोटके पासवान, कल्लू पासवान और बीरु पासवान के रूप में हुई। पूछताछ में तस्कर भाइयों ने कबूल किया कि पिकअप में 05 मवेशियों को उन्हीं लोगों ने लादा था। पकड़े गए तस्करों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से तीनों तस्कर भाई जेल भेज दिए गए।

झुड़िया पुल के पास पकड़े गए गो-तस्कर भाइयों को कोर्ट ले जाती पुलिस। अमृत विचार

नेपाल के पूर्व पीएम व पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को रिहा करने का दिया परमादेश

काठमांडू, नेपाल। पड़ोसी नेपाल के सर्वोच्च अदालत ने पूर्व पीएम व एमाले प्रमुख केपी शर्मा ओली तथा पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को रिहा करने का परमादेश जारी कर वहां के तरंगित राजनीति में और उछाल ला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय आधार, स्वास्थ्य अवस्था तथा जांच की प्रगति को आधार बनाया है। पड़ोसी नेपाल में बालेन सरकार ने 9 दिन पूर्व सत्तारूढ़ होते ही कार्की आयोग के प्रतिवेदन का कार्यान्वयन कराते हुए एमाले प्रमुख व पूर्व पीएम केपी ओली, पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार कर लिया था। आपाधापी के बीच हुई उक्त गिरफ्तारी का देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक विरोध हुआ था।सड़क पर हो रहा मुखर विरोध सदन तक पहुंचा था। प्रतिनिधि सभा (संसद) की पहली बैठक में उक्त मुद्दा छाया रहा। विरोधियों ने इसे प्रतिशोध की राजनीति करार दिया था।

बताते चलें कि नेपाल में जेनजी प्रदर्शन के दौरान हुए मानवीय एवं भौतिक क्षति संबंधी कार्की आयोग के रिपोर्ट को आधार बनाते हुए जांच पड़ताल हेतु गिरफ्तार किए गए एमाले सुप्रीमो केपी ओली, नेपाली कांग्रेस के नेता रमेश लेखक को सर्वोच्च अदालत ने आज रिहा करने का आदेश दिया है।उक्त नेताओं की गिरफ्तारी से बालेन सरकार को दूसरा झटका लगा है। जेनजी आंदोलन के समय काठमांडू के तत्कालीन प्रमुख जिलाधिकारी रहे छविलाल रिजाल को भी हिरासत में लिया गया था लेकिन कुछ ही समय बाद उन्हें जमानती कार्यवाही कर छोड़ देना पड़ा था। नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वय विनोद शर्मा एवं सुनील कुमार पोखरेल के संयुक्त इजलास ने उक्त परमादेश दिया। अदालत ने उनके गिरफ्तारी को गैरकानूनी नहीं कहा है, तथापि 4 मुख्य कारण दिखाते हुए हिरासत से बाहर रखकर जांच करने का आदेश सरकार को दिया है।

बरेली मंडी

जमीन से अज्ञात पदार्थ निकलने से दहशत

जालना। महाराष्ट्र के जालना शहर में समनागांव रोड इलाके में जमीन से काले रंग का पदार्थ निकलने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई, जिसके बाद अधिकारियों ने संभावित कारणों की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटनास्थल पर जमीन से ज्वलनशील पदार्थ निकलता हुआ देखा गया। अधिकारियों को संदेह है कि घटनास्थल के पास स्थित एक बिजली के खंभे में शॉर्ट सर्किट या कोई अन्य तकनीकी खराबी इस घटना का कारण हो सकती है। असामान्य गतिविधि को देखते ही स्थानीय निवासी घटनास्थल पर पहुंच गए। अधिकारियों ने बताया कि वे मामले की जांच कर रहे हैं।

एनसीडब्ल्यू ने नोरा फतेही को दिया समन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अभिनेत्री नोरा फतेही को सरके चुनर तेरी गाने के संबंध में उसके समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने का सोमवार को अंतिम अवसर देते हुए अगली सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की। आयोग ने गीत के कथित आपत्तिजनक बोल के मामले का स्वतः संज्ञान लेकर मामले में सोमवार को सुनवाई की। फतेही की ओर से उनके वकील आयोग के समक्ष पेश हुए।

सीतापुर में लाइन मरम्मत में धू-धूं कर जला विद्युतकर्मी, मौत

सीतापुर। विद्युत लाइन की मरम्मत करते समय संविदाकर्मी लापरवाही का शिकार हो गया। सिधौली इलाके में खंभे पर धूं-धूंकर जलकर उसकी मौत हो गई। परिवार के लोगों ने विद्युत विभाग के जिम्मेदारों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। सिधौली तहसील क्षेत्र के संतनगर पुलिस चौकी आंधी-बारिश के कारण विद्युत लाइन में बाधा आ गई थी। इसे दुरुस्त करने के लिए खंभे पर सतनपुर निवासी विद्युत कर्मी वीरू (25) खंभे पर चढ़ा था। बताते हैं कि जैसे ही वह ऊपर पहुंचा, हाईवोल्टेज लाइन के तारों में करंट की चपेट में आ गया था।

बारातियों की कार-ट्रक में भिड़ंत, चार युवकों की मौत

- शादी समारोह से लौटते समय हुई घटना, आठ लोग घायल

इंदौर, एजेंसी। इंदौर में विवाह समारोह से लौट रहे बारातियों की कार के भूसे से भरे ट्रक से भिड़ जाने के कारण चार युवकों की मौत हो गई जबकि आठ व्यक्ति घायल हो गए।

सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) जगदीश राठौड़ ने बताया कि हादसा इंदौर-नेमावर रोड पर रविवार और सोमवार की दरमियानी रात 01:30 बजे के आस-पास हुआ। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) ले जाए गए मोहम्मद फरहान (19), आरिश अली (20) और मोहम्मद इरफान (24) को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

एमवायएच अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान अरफाद खान (23) ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायलों में शामिल तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि पांच लोग अस्पताल में भर्ती हैं जिनमें 18 वर्षीय युवक की हालत गंभीर है।

कलपक्कम रिएक्टर ने हासिल किया प्रोटोटाइप क्रिटिकल अवस्था

- पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा-यह देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित स्वदेशी रूप से विकसित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर(पीएफबीआर) ने क्रिटिकल अवस्था हासिल कर ली है जो भारत के असैन्य परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस उपलब्धि को देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में एक नए युग की शुरुआत बताया। परमाणु संयंत्र के संबंध में क्रिटिकल होने से तात्पर्य ऐसी स्थिति में पहुंचना है जिसमें परमाणु विखंडन श्रृंखला प्रतिक्रिया स्व-संचालित हो जाती है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया है।

मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि आज भारत ने अपने असैन्य परमाणु कार्यक्रम की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है, जिससे कार्यक्रम के दूसरे चरण को आगे बढ़ाया गया है। कलपक्कम में स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित

प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकल अवस्था हासिल कर ली है। उन्होंने बताया कि यह उन्नत रिएक्टर जितना ईंधन खपत करता है, उससे अधिक ईंधन उत्पन्न करने में सक्षम है, जो भारत की वैज्ञानिक क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि यह उपलब्धि देश के तीसरे चरण के परमाणु कार्यक्रम में विशाल थोरियम भंडार के उपयोग की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस उपलब्धि पर वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई देते हुए इसे भारत के लिए गर्व का क्षण बताया।

शाह ने इस उपलब्धि को देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिये एक नए युग की शुरुआत बताया है। उन्होंने कहा, कलपक्कम में प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के निर्माण में बड़ी सफलता हासिल करने पर हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई। उन्होंने कहा कि यह सुविधा ऊर्जा उत्पादन में वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में एक विशाल कदम है। शाह ने कहा कि यह सुविधा देश के विशाल थोरियम भंडार में छिपी शक्ति को उजागर करने में अहम भूमिका निभाएगी, साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के भारत को दुनिया की ऊर्जा महाशक्ति बनाने के लक्ष्य को साकार करने में मदद करेगी। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है जो बिजली उत्पादन के दौरान खपत होने वाले परमाणु ईंधन की तुलना में अधिक परमाणु ईंधन उत्पन्न करने के लिए तीव्र न्यूट्रॉन का उपयोग करता है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर मामले में हाईकोर्ट बनाए तीन जजों का पैनल

शीर्ष कोर्ट ने कहा, 60 लाख लोगों के दावों और आपत्तियों पर आज ही करें फैसला

- कोर्ट ने कहा-घटनाओं के मद्देनजर वापस नहीं होंगे केंद्रीय बल

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से बाहर किए गए करीब 60 लाख लोगों के दावों और आपत्तियों का आज ही निस्तारण किया जाएगा।

न्यायालय ने यह भी कहा कि राज्य में केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। शीर्ष अदालत ने एक महिला न्यायिक अधिकारी का अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करने वाला वीडियो देखने के बाद कहा कि हाल के दिनों में जिस तरह की घटनाएं हुई हैं, उन्हें देखते हुए पश्चिम बंगाल से केंद्रीय बलों को वापस नहीं बुलाया जाएगा। न्यायालय ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान न्यायिक अधिकारियों को मिली कथित धमकियों और उनके कामकाज में बाधा डाले जाने पर चिंता व्यक्त की तथा कहा कि यदि सरकारी तंत्र सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहता है, तो वह उपयुक्त उपायों पर विचार करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि यदि सरकारी तंत्र विफल होता है, तो हम सोचेंगे कि क्या किया जा सकता है। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान द्वारा प्रतिनिधित्व की जा रही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस दलील पर गौर किया कि गलत तरीके से हटाए गए या जोड़े गए नामों के खिलाफ याचिकाओं की सुनवाई के लिए स्थापित 19 अपीलीय अधिकरण अभी क्रियान्वित नहीं हो सके हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से इन अधिकरणों के लिए समान प्रक्रियाएं तैयार करने के वास्ते पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति गठित करने को कहा। पीठ ने कहा कि इस बीच, कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिन्होंने एक अपीलीय अधिकरण की अध्यक्षता करने के लिए सहमति दी है।

7 अप्रैल तक अपलोड करें डिजिटल हस्ताक्षर

न्यायालय ने लंबित डिजिटल हस्ताक्षर अपलोड करने के लिए 7 अप्रैल तक का समय भी तय किया। पीठ ने अधिकरणों के प्रभावी और निष्पक्ष रूप से कार्य करने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसा वातावरण बनाएं, जहां अधिकरण अधिकतम काम कर सके। न्यायमूर्ति बागची ने इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचन आयोग की भूमिका मतदाताओं की भागीदारी को सीमित करने के बजाय उसे बढ़ाने की है। कहा कि कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड नहीं किए जा सके।

राकांपा गुटों के विलय पर अभी कोई बातचीत नहीं

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के विलय पर नये सिरे से कोई विचार विमर्श नहीं हो रहा है। राकांपा (शप) प्रमुख ने नई दिल्ली में कहा कि इस मुद्दे पर अतीत में राकांपा प्रमुख रहे उनके दिवंगत भतीजे अजित पवार और राकांपा (शप) नेता जयंत पाटिल के बीच चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राकांपा के दोनों गुटों के किसी भी विलय को लेकर कोई नई वार्ता नहीं चल रही है। हाल ही में राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के नेता सुनील तटकरे ने स्वीकार किया था कि राकांपा के दोनों गुटों ने उस वक्त विलय की संभावनाओं पर विचार किया था, जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार जीवित थे। तटकरे ने यह भी कहा कि वह विलय वार्ता के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन राकांपा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ ही बनी रहेगी।

पूर्व सीएम अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी को उम्रकैद

- राकांपा नेता की हत्या के मामले में हाईकोर्ट ने सुनाई सजा
- निचली अदालत के 2007 में दिए गए फैसले को किया रद्द

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता रामअवतार जग्गी की हत्या के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र और पूर्व विधायक अमित जोगी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उच्च न्यायालय ने रामावतार जग्गी की 2003 में हुई हत्या के मामले में अमित जोगी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की पीठ ने दो अप्रैल के अपने आदेश में सुनवाई अदालत द्वारा 2007 में दिये गए फैसले को रद्द कर दिया।

सुनवाई अदालत ने अमित जोगी को बरी कर दिया था। उच्च न्यायालय ने सुनवाई अदालत के फैसले को स्पष्ट रूप से गैर कानूनी, गलत, विकृत और रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों के विपरीत माना। आदेश की प्रति सोमवार को उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है हमारी यह सुविचारित राय है कि निचली अदालत द्वारा आरोपी-अमित जोगी को बरी करते हुए दिया गया फैसला स्पष्ट रूप से गैर-कानूनी, गलत, विकृत, रिकॉर्ड पर उपलब्ध सबूतों के विपरीत और बिना किसी ठोस आधार के है।

सुनवाई अदालत द्वारा 31 मई, 2007 को दिये गए फैसले को रद्द करते हुए, उच्च न्यायालय ने अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के साथ धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने जोगी पर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना नहीं भरने पर छह महीने की अतिरिक्त सजा का प्रावधान है।

रास में 19 नए सदस्यों ने ली शपथ

- सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सभी सदस्यों को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के नेता शरद पवार और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले समेत 19 नए राज्यसभा सदस्यों ने सोमवार को यहां शपथ ली।

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन की उपस्थिति में नए सदस्यों ने शपथ ली। उप सभापति हरिवंश और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू उपस्थित थे। नए राज्यसभा सदस्यों में पांच महाराष्ट्र से, छह तमिलनाडु से, पांच पश्चिम बंगाल से और तीन ओडिशा से हैं। महाराष्ट्र से भाजपा की नेता माया चिंतामण ने सबसे पहले शपथ ली। उनके बाद पवार पहुंचे। उच्च सदन में महाराष्ट्र के अन्य सदस्यों में शपथ लेने वालों में रामराव सखाराम वाडकुटे (भाजपा), ज्योति नागनाथ वाघमारे (शिवसेना) और रामदास अठावले (आरपीआई-ए) थे। ओडिशा से मनमोहन सामल (भाजपा), सनरुप्त मिश्रा (बीजद) और दिलीप कुमार राय (निर्दलीय) ने शपथ ली, तमिलनाडु से कॉन्स्टैंटाइन रविंद्रन (द्रमुक), क्रिस्टोफर मणिकम (कांग्रेस), एलके. सुधीश (डीएमडीके), एम. थंबीदुरई (अन्नाद्रमुक), तिरुचि शिवा (द्रमुक) और अंबुमणि रामदास (पीएमके) ने शपथ ली। पश्चिम बंगाल से बाबुल सुप्रिया बराल, रक्मिणी मलिक, मेनका गुरुस्वामी, राजीव कुमार (टीएमसी), बिस्वजीत सिन्हा (भाजपा) शामिल थे।

शपथ लेते केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले।

डीआरडीओ प्रयोगशाला को बम से उड़ाने की धमकी

- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पोते के अपहरण को चेताया

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई) के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी वाले कई ईमेल प्राप्त हुए हैं। पुलिस ने सोमवार को बताया कि ईमेल मिलने के बाद परिसर को खाली कराया गया और पुलिस ने बम निरोधक दस्ते एवं अग्निशमन सेवा के साथ मिलकर वहां गहन तलाशी ली लेकिन कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि तमिल में लिखे गए ईमेल में दावा किया गया था कि परिसर में आईईडी लगाए गए हैं और वे अपराह्न करीब डेढ़ बजे फटेंगे। अधिकारियों ने कहा कि मेल भेजने वाले ने यह चेतावनी भी दी थी कि तमिलनाडु के एक प्रभावशाली नेता के पोते का अपहरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेल में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के पोते इनबानिधि के अपहरण की साजिश की चेतावनी दी गई थी।

लखीमपुर: कोर्ट परिसर में अधिवक्ता ने चचेरे भाई को गोली मारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पारिवारिक विवाद में अधिवक्ता ने अपने चचेरे भाई को सोमवार को कचहरी परिसर में गोली मार दी। सीने में गोली लगने से अधिवक्ता जितेंद्र राज गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही गिर पड़े। उन्हें आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर किया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासनिक अफसर पहुंच गए और घटना की जानकारी हासिल की।

शहर के मोहल्ला कमलापुरी निवासी अधिवक्ता जितेंद्र राज सोमवार को दिन में 11 बजे अपने तख्त पर बैठे थे। पास ही उनके चचेरे भाई विराट राज भी अपना कार्य निपटा रहे थे। दोनों परिवारों के बीच पहले से ही विवाद चल रहा है। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच पहले जमकर लात-घूंसे चले। देखते ही देखते हेलमेट और जंजीर से भी एक-दूसरे पर हमला किया जाने लगा। मारपीट की जानकारी पर विराट पक्ष के कुछ और लोग मौके पर पहुंच गए, जिससे विवाद और उग्र हो गया। बताया जाता है कि इसी अफरा-तफरी के बीच विराट पक्ष की ओर से गोली चला दी गई, जो सीधे जितेंद्र राज के सीने में जा लगी। पुलिस ने घायल अधिवक्ता जितेंद्र राज को अस्पताल भिजवाया। डीएम-एसपी ने सीडीओ अभिषेक के साथ जिला अस्पताल पहुंचकर घायल का हाल जाना। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने घायल को लखनऊ रेफर कर दिया है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव **महासंग्राम**

कांग्रेस पाकिस्तान के 'सुर में सुर' मिलाती है, यह की देश सुरक्षा से समझौता : मोदी

कहा- कांग्रेस ने हमेशा भ्रष्टाचार के लिए अपनाए अल्पकालिक उपाय

भाबनीपुर-सोरभोग (असम), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी शिविरों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया, लेकिन कांग्रेस पड़ोसी देश के 'सुर में सुर' मिलाती रहती है। विकास के मोर्चे पर उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा इस मामले में संकीर्ण सोच अपनाई है, जबकि भाजपा देश का दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के लिए काम करती है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अल्पकालिक उपाय अपनाए ताकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त रह सकें। लेकिन भाजपा समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्णय लेते समय दूरदर्शी सोच रखती है। असम के बरपेटा जिले में एक चुनावी

रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाती रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से यह संबंध देश की सुरक्षा से समझौता है, लेकिन हम कभी इसकी अनुमति नहीं दे सकते।

उन्होंने कांग्रेस पर 'वन रैंक, वन पेंशन' योजना लागू न करके सेना की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। मोदी ने कहा कि भाजपा ने यह सुनिश्चित किया कि देश की रक्षा करने वालों को न्याय मिले। उन्होंने कहा कि असम में अनेक बलिदानों और पिछले दस वर्षों में हस्ताक्षरित विभिन्न शांति समझौतों को लागू करने की दिशा में भाजपा के ईमानदार प्रयासों के कारण शांति स्थापित हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और स्थिरता ने भाजपा शासन में विकास को गति दी है... इसे जारी रखने के लिए कांग्रेस को सत्ता से बाहर रखना आवश्यक है।

महिला मतदाताओं को लुभाते हुए मोदी ने कहा कि संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के आम चुनावों से लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम की महिलाओं को सभी दलों से इस उद्देश्य से तैयार किए गए विधेयक को पारित कराने का आग्रह करना चाहिए।

हिमंत भगवद्गीता की कसम खाकर कहें कि उनकी पत्नी पर लगे आरोप गलत हैं : गोगोई

नगांव (असम), एजेंसी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई ने सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भगवद् गीता की कसम खाकर पत्नी पर लगे आरोपों का खंडन करने की चुनौती दी। गोगोई का यह बयान शर्मा द्वारा अपनी पत्नी के कथित तौर पर कई पासपोर्ट और विदेशों में संपत्ति रखने के कांग्रेस के आरोपों का खंडन करने के कुछ घंटों बाद आया।

कांग्रेस नेता ने राहा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान शर्मा से सवाल किया कि क्या वह राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बारे में 'झूठ' फैलाते हुए विदेशों में अपनी संपत्ति और व्यावसायिक हितों को छिपा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं पवन खेड़ा और गौरव गोगोई ने रविवार को शर्मा से सवाल किया था कि क्या उनकी पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट हैं, दुबई में संपत्ति है, अमेरिका में कंपनियां हैं, या उन्होंने मुखौटा कंपनियों में संपत्ति रखी है?

मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह दावा किया कि विपक्षी पार्टी ने एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूह से मिली झूठी जानकारी के आधार पर ये आरोप गढ़े हैं। गोगोई ने कहा, 'मैंने यह बात कल भी कही थी और अब फिर दोहरा रहा हूं - मैं भगवद्गीता की शपथ लेकर कह सकता हूं कि लंदन में मेरी कोई संपत्ति नहीं है, जैसा कि शर्मा ने आरोप लगाया है। क्या वह ऐसा कर सकते हैं? मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वह अपनी सुविधा के स्थान पर आएं और भगवद्गीता की शपथ लेकर यही बात साबित करें।'

तमिलनाडु के खिलाफ हैं मोदी और ईपीएस: कनिमोझी

चेन्नई, एजेंसी

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की संसदीय दल की नेता कनिमोझी ने सोमवार को अन्नाद्रमुक और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि श्री ईके पलानीस्वामी (ईपीएस) दिल्ली के आका से डरते हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के प्रभाव में हैं, लेकिन तमिलनाडु के मामले में दोनों एक साथ खड़े हैं।

सुश्री कनिमोझी ने कोयंबटूर जिले के सुलूर और कवुंडमपलायम विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी सभाओं को

संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव द्रमुक गठबंधन और अन्नाद्रमुक नीत राजग के बीच नहीं, बल्कि तमिलनाडु और राजग के बीच की लड़ाई है।

उन्होंने कहा कि द्रमुक गठबंधन समावेशिता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि विरोधी दल देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में लोगों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं और वहां अशांति का माहौल पैदा किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य के लिए शिक्षा मद में देय धन रोकने का आरोप लगाया और कहा कि कोयंबटूर जैसे औद्योगिक केंद्र को मेट्रो रेल परियोजना से वंचित रखा गया है। उन्होंने छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का वादा भी किया।

सुवेंदु अधिकारी ने लगाया प्रचार के दौरान निगरानी का आरोप

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर भबानीपुर चुनाव प्रचार के दौरान राज्य पुलिस पर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की 'निगरानी शाखा' के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। श्री अधिकारी ने अपनी शिकायत में दावा किया कि भबानीपुर में घर-घर जाकर प्रचार करने के दौरान सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी लगातार उनका पीछा करते हैं। उनके अनुसार ये अधिकारी न केवल उनकी गतिविधियों पर नजर रखने का काम कर रहे हैं बल्कि उन मतदाताओं की पहचान करके उनका विवरण भी नोट कर रहे हैं जो उनसे बातचीत करते हैं।

पाकिस्तान की 'कोलकाता धमकी' पर चुप क्यों हैं प्रधानमंत्री : ममता

कोलकाता,एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला और पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के कथित 'कोलकाता को निशाना बनाने' वाले बयान पर प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर सवाल उठाये। नदिया जिले के बेथुआदहारी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सुश्री बनर्जी ने कहा कि जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री कोलकाता को लेकर धमकी भरी बात करते हैं, तो प्रधानमंत्री इस पर कुछ क्यों नहीं बोलते? उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और बंगाल की जनता की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला करार दिया। यह विवाद इस्लामाबाद में दिये गये श्री ख्वाजा आसिफ के उस बयान के बाद बढ़ा, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत भविष्य में पाकिस्तान में

कोई कार्रवाई करता है, तो उसका जवाब कोलकाता तक पहुंच सकता है।सुश्री बनर्जी ने केंद्र सरकार पर इस मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह 'गंभीर चिंता' का विषय है। उन्होंने सवाल किया कि क्या चुनाव से पहले किसी 'राजनीतिक मकसद' के तहत ऐसी स्थिति बनायी जा रही है। क्या हम चुनाव से पहले फिर किसी पहलगाम जैसी स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं? क्या यह सिर्फ राजनीतिक ड्रामा है?"

भाजपा कार्यकर्ता के घर फेंका विस्फोटक

कन्नूर (केरल), एजेंसी। कन्नूर के काथिरूर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता के आवास पर विस्फोटक फेंके जाने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार रात काथिरूर के पास कोंकाची इलाके में मजीशा पथायाकुन्नु के आवास पर हुई।

अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी और अन्य नेताओं ने अंतिम दिन भरे पर्चे

चेन्नई, एजेंसी

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एल. मुरुगन, तमिलिसई सौंदरराजन, वी. श्रीनिवासन और डीएमडीके नेता प्रेमलता विजयकांत तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करने वाले प्रमुख नेताओं में शामिल थे। सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने भी विरुधुनगर जिले के सत्तूर विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। राज्यसभा सदस्य एवं केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने अवनासी (सुरक्षित) सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया, जबकि भाजपा की एक अन्य नेता एवं पूर्व राज्यपाल तमिलिसई सौंदरराजन ने चेन्नई के मायलापुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अन्नाद्रमुक महासचिव एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने अपने गृह जिले सलेम के एडप्पाडी विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किया, जहां से वे पहले पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। भाजपा महिला मोर्चा की प्रमुख वी. श्रीनिवासन, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के साथ, कोयंबटूर उत्तर से नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचीं। वे निवर्तमान विधानसभा में कोयंबटूर दक्षिण का प्रतिनिधित्व करती हैं। आज अपने नामांकन पत्र दाखिल करने वाले अन्य प्रमुख व्यक्तियों में वेल्लोर जिले के कटपडी से राज्य के जल संसाधन मंत्री एवं द्रमुक के वरिष्ठ महासचिव दुरईमुरुगन शामिल रहे।

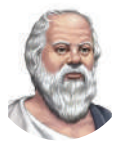

शारीरिक प्रशिक्षण के मामले में किसी को भी नौसिखिया होने का अधिकार नहीं है। किसी व्यक्ति के लिए यह शर्म की बात है कि वह अपने शरीर की सुंदरता और शक्ति को देखे बिना बूढ़ा हो जाए।
– सुकरात, दार्शनिक

विकास के दावों की परीक्षा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या भारत के उच्च विकास दर के दावे वास्तविकता की कसौटी पर टिक पाएंगे? हाल के अंतर्राष्ट्रीय आकलनों ने संकेत दिया है कि बाहरी झटकों के प्रति भारत की संवेदनशीलता अभी भी काफी अधिक है। मूडीज द्वारा वित्त वर्ष 2027 के लिए विकास दर को घटाकर लगभग 6 से अधिकतम 6.4 प्रतिशत करने का अनुमान, ओईसीडी के 6.1 प्रतिशत के आकलन और आईसीआरए के 6.5 प्रतिशत के अनुमान, ये तीनों इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत की वृद्धि दर पर इस जंग का दबाव बढ़ रहा है। भले ही यह दर वैश्विक मानकों में अभी भी मजबूत मानी जाए, लेकिन 1 से 1.5 प्रतिशत अंक की संभावित गिरावट को नजरअंदाज कतई नहीं किया जा सकता। इस दबाव का सबसे बड़ा कारण भारत की ऊर्जा निर्भरता है।

कच्चे तेल और एलपीजी का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा उत्पन्न होती है, तो ऊर्जा आपूर्ति और कीमतें दोनों प्रभावित होंगी। इसका सीधा असर परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और अंततः उपभोक्ता महंगाई पर पड़ेगा। बेशक उपभोक्ताओं लिए यह संकट का समय होगा तथा परोक्ष रूप से विकास बाधित होगा। मूडीज का 4.8 प्रतिशत मुद्रास्फीति का अनुमान एक संतुलित परिदृश्य पर आधारित है, लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल हो सकती है। एलपीजी और उर्वरकों की आपूर्ति में बाधा खाद्य मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती है, जबकि ईवाई घरेलू एजेंसी का आकलन इसे 6 प्रतिशत के करीब पहुंचने की आशंका जताते हैं। ऐसे में निश्चय ही मौद्रिक नीति पर भी दबाव बढ़ेगा और ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं बहुत सीमित हो जाएंगी। ऐसी स्थिति में राजकोषीय स्थिति भी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि से सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा, वहीं पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती और कॉर्पोरेट लाभ में कमी से कर संग्रह प्रभावित हो सकता है। इसका परिणाम यह होगा कि राजकोषीय घाटा नियंत्रित रखना बहुत कठिन हो जाएगा। चालू खाता घाटे के मोर्चे पर भी स्थिति फिलहाल संतोषजनक नहीं कही जा सकती। वर्तमान में यह लगभग 0.4 प्रतिशत से बढ़कर 1-1.5 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। यह बहुत अधिक है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और आयात बिल बढ़ता है, तो यह और इससे भी ज्यादा बढ़ सकता है। साथ ही, पश्चिम एशिया भारत के कृषि निर्यात का एक प्रमुख बाजार है, वहां व्यापारिक बाधाएं बढ़ने से निर्यात पर भी दबाव आएगा। इन चुनौतियों के बावजूद भारत के पास कुछ मजबूत आधार भी हैं, जैसे बुनियादी ढांचे पर सरकार का निरंतर निवेश, सेवा क्षेत्र की मजबूती और घरेलू मांग। ये कारक विकास को सहारा दे सकते हैं, परंतु बाहरी झटकों के प्रभाव को पूरी तरह संतुलित नहीं कर सकते।

कुल मिलाकर भारत की अर्थव्यवस्था अभी भी मजबूत है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि यह मजबूती अब वैश्विक अनिश्चितताओं की परीक्षा से गुजर रही है। यह समय आत्मसंतोष का नहीं, बल्कि सतर्क और यथार्थवादी नीति-निर्माण का है। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, निर्यात बाजारों का विस्तार और राजकोषीय अनुशासन ये तीनों कदम भारत को इस संकट से सुरक्षित निकालने में निर्णायक सिद्ध होंगे।

प्रसंगवश

स्वास्थ्य: अधिकार या महंगी सुविधा

स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी होता है। यह केवल बीमारी के अभाव का नाम नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक संतुलन की स्थिति है। हर वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास का परिणाम होता है, लेकिन यदि हम अपने आसपास की स्थिति को देखें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या स्वास्थ्य आज भी एक अधिकार है या धीरे-धीरे एक महंगी सुविधा बनता जा रहा है?

भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर एक जैसी नहीं है। शहरों में आधुनिक अस्पताल, नई तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में

संध्या अग्रवाल
साहित्यकार

आज भी प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी महसूस होती है। कई स्थानों पर लोगों को इलाज के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय पर उपचार मिल पाना कठिन हो जाता है। सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना जैसी पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके अंतर्गत पात्र परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। यह योजना स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने का प्रयास करती है, हालांकि इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचना भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही नए अस्पतालों का निर्माण, स्वास्थ्य योजनाओं का विस्तार और जागरूकता अभियानों के माध्यम से भी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कार्य हो रहा है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या और संसाधनों के दबाव के बीच इन सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करना अभी भी एक चुनौती बना हुआ है।

दूसरी ओर, निजी स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तेजी से हुआ है। आधुनिक सुविधाएं और त्वरित उपचार निश्चित रूप से सकारात्मक हैं, लेकिन इसके साथ बढ़ती लागत एक बड़ी चिंता बनकर सामने आती है। मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए महंगा इलाज कई बार आर्थिक दबाव का कारण बन जाता है। स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण पहलू मानसिक स्वास्थ्य भी है, जिस पर अभी भी अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। तेजी से बदलती जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक दबाव के कारण मानसिक तनाव बढ़ रहा है, लेकिन इसके प्रति जागरूकता और स्वीकार्यता अभी सीमित है। इसके साथ ही एक और चुनौती है, सूचना और भ्रम के बीच संतुलन। आज के डिजिटल युग में स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक जानकारियां उपलब्ध हैं, लेकिन हर जानकारी सही हो, यह जरूरी नहीं। कई बार लोग अपुष्ट जानकारी या अफवाहों के आधार पर निर्णय ले लेते हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो जाती है।

स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाइयों तक सीमित नहीं है। स्वच्छता, पोषण, सुरक्षित पेयजल और जागरूकता ये सभी मिलकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं। यदि इन बुनियादी पहलुओं पर ध्यान दिया जाए, तो कई बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य को केवल उपचार के रूप में नहीं, बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण से देखा जाए। नीतिगत प्रयास, सेवाओं की पहुंच और सामाजिक जागरूकता इन तीनों का संतुलन ही एक मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव रखता है। अंततः यह समझना जरूरी है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है, क्योंकि जब स्वास्थ्य अधिकार और सुविधा के बीच झूलने लगे, तो यह केवल व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की चिंता बन जाती है। (ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

तेल के खेल में फेल होती वैश्विक अर्थव्यवस्था

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू युद्ध अब भयावह हो चला है। दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता वाला देश ईरान इस युद्ध को अपने अस्तित्व से जोड़ते हुए "जैसे को तैसा" वाले तर्ज पर विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। 28 फरवरी से जारी युद्ध को अमेरिका जहां दो-चार दिनों में समाप्त कर देने का दावा कर रहा था, वह महासंग्राम अब छठे सप्ताह में पहुंच गया है। अब अमेरिका उसे नेस्तनाबूद करने और पाषाण युग में पहुंचा देने की धमकी दे रहा है। वहीं, इस युद्ध को ईरान ने शहीद हुए सर्वोच्च नेता अली खामनेई के विचारों से जोड़ लिया है। ईरानियों का भी स्पष्ट मानना है कि "व्यक्ति मर सकता है, उसके विचार कभी नहीं।" ऐसे में शहीद खामनेई के विचार को जिस देश की अति शिक्षित जनता ने आत्मसात कर लिया हो, उससे पार पा लेना अमेरिका-इजराइल के लिए आसान तो नहीं दिख रहा।

दुनिया के 17 वें सर्वाधिक आबादी वाले देश ईरान की करीब नौ करोड़ आबादी ने युद्ध को अपने अस्तित्व से जोड़ लिया है। ऐसे में खाड़ी के छोटे-बड़े देशों में अपना सैन्य अड्डा बनाकर सीमित सैनिकों से युद्ध जीत पाना अमेरिका के लिए सरल नहीं जान पड़ता। प्रश्न यह कि इजराइल के उकसाने पर अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों किया? कई नामचीन लोगों को अपनी गिरफ्त में लेने वाली एपस्टिन फाइल में अपना नाम बार-बार आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध थोपकर "मुल्तानी दांव" क्यों मारा? बार-बार "अमेरिका प्रथम" की बात कर ट्रंप अमेरिकियों की सहानुभूति क्यों लेना चाहते हैं? दुनिया के संपूर्ण तेल भंडारों को अपनी मुट्ठी में क्यों करना चाहते हैं?

इसका जवाब फिलहाल भविष्य की गर्भ में ही। युद्ध का उनका मंतव्य चाहें जो हो, लेकिन यह सच है कि ट्रंप की "तुगलकी सोच" ने आज दुनिया के अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। युद्ध ने कई देशों में कच्चे तेल, एलपीजी व एलएनजी की आपूर्ति असामान्य तो कर ही दी है। आधुनिकता की आड़ में ऊर्जा को ही जीवन का अहम अंग मान लेने वालों के लिए यह युद्ध किसी त्रासदी से कम नहीं। कच्चे तेल के सर्वाधिक भंडार वाले देश वेनेजुएला के बाद क्रमशः सऊदी अरब, ईरान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, रूस, कनाडा तथा अमेरिका का स्थान आता है।

विश्व के कुल कच्चे तेल का करीब 15 प्रतिशत भाग अकेले सऊदी अरब निर्यात करता है। ऊर्जा शक्ति संपन्न ईरान के पास भी कच्चे तेल के विशाल भंडार हैं, जो फारस की खाड़ी क्षेत्र में जमीन व समुद्र के अंदर मौजूद है। यदि उस पर से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध पूरी तरह हटा दिए जाएं तो वैश्विक तेल व्यापार में वह एक बड़ा बदलाव लाने की शक्ति रखता है। अमेरिका ने वेनेजुएला पर प्रत्यक्ष कब्जा कर उसका तेल भंडार हथिया लिया है। सऊदी अरब की तेल संबंधी व्यापारिक गतिविधियों को अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित किए हुए है।

यही हाल संयुक्त अरब अमीरात तथा कुवैत का भी है। तेल निर्यात करते हुए अमेरिका की रजामंदी खाड़ी के उक्त देशों के लिए अपरिहार्य है। ईरान उसके "अश्वमेध यज्ञ के घोड़े" को पकड़ने का माद्दा रखता है। इसीलिए वह अमेरिका की आंख का किरकिरी बना है। "कहीं पे निगाहें... कहीं पे निशाना" की तर्ज पर अमेरिका की गिद्ध दृष्टि अब ईरान के विशाल तेल भंडार पर है न कि निर्माणाधीन न्यूक्लियर प्लांट पर। यह बताना भी समीचीन है कि विश्व में प्राकृतिक गैस का करीब 24 प्रतिशत भंडार केवल रूस में है। इसके बाद ईरान व कतर का स्थान आता है। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के शीर्ष निर्यातक देशों में रूस, कतर व अमेरिका का स्थान है।

भारत की बात करें तो मार्च 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार इसके पास करीब 53 लाख टन कच्चे तेल का भंडार है। यह भंडार देश की 30-35 दिनों की तेल जरूरतों को ही पूरा कर पाएगा। भारत अपनी आवश्यकता का करीब 85 प्रतिशत कच्चा तेल 40 से अधिक देशों से आयात करता है, जिसमें रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका व नाइजीरिया प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसी प्रकार करीब 60 प्रतिशत द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का आयात कतर, यूएई, सऊदी अरब व कुवैत से करता है। द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का एक बड़ा भाग कतर से आयात करता है। यूएई, ओमान, नाइजीरिया अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया व अंगोला भी हमारे बड़े आपूर्तिकर्ता देश हैं।

विश्व के समुद्री तेल व्यापार का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा ईरान के कब्जे वाले होर्मुज जलडमरूमध्य से होता है। भारत में करीब 80 प्रतिशत कच्चा तेल व ईंधन गैस इसी रास्ते से आता है। ईरान ने इस अतिमहत्वपूर्ण जल गलियारे को लगभग बंद ही कर दिया है। इससे उबरने को भारत रूस के अलावा करीब 40 देशों से महंगे दर पर कच्चा तेल, एलपीजी व एलएनजी खरीद रहा है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर व आस्ट्रेलिया तो होर्मुज संकट से दो-चार हो ही रहे, अफ्रीका, यूरोप व दक्षिण अमेरिकी महाद्वीपों के देशों के अलावा यूएसए और कनाडा की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर दिखने लगा है। खाड़ी देशों में जारी युद्ध कच्चे तेल व ईंधन निर्यात करने वाले देशों की अर्थव्यवस्था को भी झुलसाने पर आमादा दिख रही है। इस युद्ध में जहां अमेरिका की "साख" दांव पर लगी दिख रही, वहीं ईरान अपने "अस्तित्व" के लिए लड़ता दिख रहा है। कौन पीछे हटेगा व किसकी जीत होगी? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

भारत की बात करें तो मार्च 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार इसके पास करीब 53 लाख टन कच्चे तेल का भंडार है। यह भंडार देश की 30-35 दिनों की तेल जरूरतों को ही पूरा कर पाएगा।

आमने

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा कि वे कोलकाता को निशाना बनाएंगे। नरेंद्र मोदी ने यह क्यों नहीं कहा कि हम कड़ी कार्रवाई करेंगे? इसका क्या कारण है? क्या ब्लूप्रिंट तैयार है? चुनाव से पहले एक और पहलगाम?

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

सामने

ममता पहलगाम आतंकी हमले को एक स्क्रिप्ट, एक ब्लूप्रिंट बता रही हैं। टीएमसी ने अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए पहलगाम हमले को स्क्रिप्ट तक कह डाला, जिसमें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने बेकसूर हिंदुओं की हत्या की थी। हिंदू विरोधी टीएमसी।

–प्रदीप भंडारी
प्रवक्ता, भाजपा

युद्ध का खामियाजा भुगतता एनर्जी सेक्टर

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के बहाने एक बार फिर दुनियाभर के एनर्जी सेक्टर को निशाना बनाया जा रहा है। हाल ही में ईरान और इजरायल ने पहली बार जीवाश्म ईंधन ऊर्जा उत्पादन से जुड़े संयंत्रों पर हमले किए, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट की आशंका बढ़ गई है। असल में ऊर्जा को अब युद्ध का हथियार बनाया जा रहा है। इजराइल ने कतर के साथ साझा किए जाने वाले दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया। इसके बाद ईरान ने सऊदी अरब में तेल कंपनी अरामको की समरेफ रिफाइनरी के साथ-साथ कतर और यूएई में गैस सुविधाओं पर ड्रोन और मिसाइलों से हमलाकर जवाबी कार्रवाई की, जो युद्ध में खतरनाक मोड़ साबित हुई है।

दुनिया का सबसे बड़ा साउथ पार्स गैस क्षेत्र भारत सहित वैश्विक एलएनजी आपूर्ति की रीढ़ है। इजरायली हमले के बाद तेल और गैस की कीमतों में आई वृद्धि दुनिया के तमाम देशों के साथ आम आदमी की कमर तोड़ने वाली साबित हो रही है। वहीं इतिहास पर नजर डालने से पता चलता है कि साल 2003 में अमेरिका द्वारा इराक पर आक्रमण के बाद क्षतिग्रस्त ऊर्जा सुविधाओं की मरम्मत में महीनों लग गए थे। करीब दो साल बाद ही उत्पादन युद्ध के पूर्व स्तर पर वापस आ पाया था। इस दौरान दुनिया को भारी ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा था। विशेषज्ञों का कहना है कि क्षतिग्रस्त ऊर्जा उत्पादन बुनियादी ढांचे की मरम्मत में वर्षों लग जाते हैं। खासकर एलएनजी संयंत्र को नुकसान पहुंचना सबसे बुरा होता है। इसकी मरम्मत में कई साल लग सकते हैं। गैस संयंत्रों पर जवाबी हमलों के वैश्विक प्रभाव हैं।

यह सर्वविदित है कि ऊर्जा व्यवधान ईंधन की कीमतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करते हैं, जिसका असर अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। खाड़ी क्षेत्र यूरोप, एशिया और भारत के लिए एक प्रमुख ऊर्जा गलियारा बना हुआ है। वहीं युद्ध के बीच ईरान ने कहा है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर दोबारा हमला हुआ, तो वह खाड़ी देशों के तेल और गैस सेक्टर को पूरी तरह तबाह कर देगा।

ईरान की सैन्य यूनिट आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला कर बड़ी गलती की है। अगर ऐसा दोबारा हुआ, तो जवाब और भी ज्यादा खतरनाक होगा। इससे पहले ईरान के सबसे बड़े गैस क्षेत्र साउथ पार्स गल्फ फील्ड पर हमला हुआ था। यह दुनिया का सबसे बड़ा गैस फील्ड है, जो बुशहर के पास समुद्र में स्थित है। इसके तुरंत बाद ईरान ने कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी कि उनके तेल और गैस ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। एनर्जी सेक्टर पर लगातार हमले यह दिखाते हैं कि अब यह जंग सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि दुनिया की एनर्जी सप्लाई भी सीधे खतरे में आ गई है। अगर हालात ऐसे ही बिगड़ते रहे, तो तेल और गैस की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इधर, ईरान में जारी जंग की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। सैकड़ों की संख्या में जहाज फंसे हुए हैं, जिस वजह से ग्लोबल लेवल पर ऊर्जा संकट बना हुआ है। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया के 20 फीसदी तेल का एक्सपोर्ट किया जाता है। इसको लेकर अमेरिका ने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमला किया था, जिसके बाद स्थिति और भी ज्यादा खतरनाक बन गई है।

असल में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच शुरू हुआ यह टकराव अब तेल युद्ध में तब्दील हो चुका है, जो लगातार खतरनाक मोड़ लेता जा रहा है। आगे हालात और भी भयावह होने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने के कारण दुनिया पहले से ही कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान से जूझ रही है। ऐसे में उत्पादन सुविधाओं को होने वाली किसी भी क्षति का प्रभाव वर्षों तक बना रह सकता है।

एक अनुमान के अनुसार, साउथ पार्स गैस क्षेत्र में 1800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस का भंडार है, जो दुनिया की कई वर्षों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। तेहरान के लिए साउथ पार्स उसकी ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। ईरान की लगभग 80 फीसदी बिजली इसी गैस क्षेत्र से उत्पन्न होती है। यह गैस क्षेत्र केवल ईरान का नहीं है। ईरान इसे कतर के साथ साझा करता है, जो अमेरिका का सहयोगी और दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी उत्पादक है। कतर के हिस्से को नॉर्थ फील्ड के नाम से जाना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में एलएनजी वैश्विक बाजारों में निर्यात की जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने पिछले साल बताया था कि दुनिया में करीब 730 मिलियन लोग ऐसे हैं, जो बिजली के बिना रहते हैं। उन्हें बिजली से जोड़ने की दिशा में प्रगति 2020 से रुकी हुई है। वहीं भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में ऊर्जा संकट का प्रमुख कारण यह है कि बिजली की मांग उसकी आपूर्ति से कहीं अधिक है, जो कि लगातार बढ़ रही है। अब सबसे बड़ी चुनौती जीवाश्म ईंधनों का विकल्प तलाशते हुए स्वच्छ ऊर्जा से इस बढ़ती मांग को पूरा करना है। स्वच्छ, प्रचुर, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा का भविष्य संभव है, बशर्ते कि दुनिया वित्त, नीति और बुनियादी ढांचे में मौजूद कमियों को दूर कर सके। साल 2030 तक सभी के लिए सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नीतियों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। हमें इसके लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। वहीं युद्ध और संघर्षों से एनर्जी सेक्टर को हर हाल में बचाना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो दुनिया अंधेरे में डूब जाएगी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

साल 2030 तक सभी के लिए सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और मजबूत नीतियों की आवश्यकता है। इसके लिए सामूहिक प्रयासों की दरकार है।

सोशल फोरम

पिंग शुन जहाज

3 अप्रैल 2026 को ईरान से भारत आ रहा एक तेल का टैंकर बीच रास्ते से ही चीन की ओर मुड़ गया है। इस जहाज का नाम 'पिंग शुन' है। ब्रिटेन की अगुवाई में होर्मुज खाली कराने के लिए जो साठ देशों की बैठक हुई है, उसमें भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि विक्रम मिस्री ने बयान दे दिया कि होर्मुज में सबसे अधिक भारत को भुगतना पड़ा है,

आरएन शाही
लेखक

हमारे कई नाविक विभिन्न देशों के जहाजों पर ईरानी हमलों में मारे गए हैं, लेकिन भारत आ रहे तेल टैंकर पिंग शुन के भारत के रास्ते से एकाएक चीन की तरफ मुड़ने वाली घटना की जब विस्तृत छानबीन की गई, तो कुछ और तथ्य सामने आए हैं।

पिंग शुन एक 'अफ्रैमैक्स' श्रेणी का टैंकर है। पहले यह गुजरात के वाड़िनार पोर्ट की ओर आ रहा था और 4 अप्रैल तक इस पोर्ट पर पहुंचने वाला था, लेकिन 3 अप्रैल को इसने अपना रास्ता बदलकर चीन के डोंगयिंग पोर्ट की ओर कर लिया। अगर यह भारत आता, तो पिछले 7 सालों में ईरान से भारत आने वाली यह पहली तेल की खेप होती। शिप-ट्रैकिंग फर्म केप्लर और अन्य विशेषज्ञों के अनुसार, इसके पीछे कई तकनीकी और व्यापारिक कारण माने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेल बेचने वाली कंपनियों ने भुगतान की शर्तों को सख्त कर दिया है। पहले जहां 30 से 60 दिनों का समय भुगतान क्रेडिट के लिए मिलता था, अब वे तुरंत या बहुत कम समय में भुगतान की मांग कर रही हैं। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम के जरिए भुगतान करना अभी भी बहुत जटिल है। भारत किसी अमेरिकी भय के कारण नहीं, बल्कि इन ट्रांजैक्शनल पचड़ों के कारण ईरान से तेल खरीदने से बचता रहा है। भय होता तो रूस से भी इतनी बड़ी मात्रा में क्रूड ऑयल भारत ने नहीं खरीदा होता, क्योंकि रूस पर तो और बड़े और कड़े प्रतिबंध थे।

'पिंग शुन' पर अमेरिका ने पहले से ही प्रतिबंध लगा रखे हैं। ऐसे जहाजों के लिए इंश्योरेंस और सुरक्षित पेमेंट का इंतजाम करना भारतीय कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, जबकि चीन के खरीदार ऐसे सौदों में अधिक सहज रहते हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, इस जहाज का प्रबंधन चीन की एक कंपनी के पास है, जो इसके वापस मुड़ने का एक स्वाभाविक कारण भी हो सकता है। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि तेल खरीदना पूरी तरह से तेल कंपनियों का व्यावसायिक निर्णय होता है, सरकार डायरेक्ट हस्तक्षेप नहीं करती। इसी समय, भारत का एक अन्य एलपीजी टैंकर 'ग्रीन सांवी' सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर भारत की ओर बढ़ रहा है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कोयले से ऊर्जा उत्पादन की ओर लौटती दुनिया

जलवायु परिवर्तन के घातक संकेतों के बीच दुनिया तेजी से गैस आधारित ऊर्जा उत्पादन की ओर बढ़ी थी। किंतु रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलीस्तीन और अब अमेरिका-ईरान के बीच छिड़े युद्धों ने ऐसे विकट हालात पैदा कर दिए हैं कि विश्व गहरे ऊर्जा संकट से घिर गया है। जिन देशों ने कोयले को त्यागकर गैस आधारित बुनियादी ढांचा तैयार किया था, वे अब अपने बंद पड़े कोयला संयंत्रों को फिर से चालू करने की विवशता झेल रहे हैं। इस महायुद्ध में तेल भंडारों के साथ-साथ बिजली संयंत्रों को भी निशाना बनाया गया है। ईरान द्वारा पश्चिमी

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ लेखक

एशियाई देशों के ऊर्जा केंद्रों को क्षति पहुंचाने और जवाब में अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु एवं गैस संयंत्रों को ध्वस्त करने से वैश्विक बाजार में गैस की भारी किल्लत पैदा हो गई है। नतीजतन, जापान, जर्मनी, नीदरलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य जैसे विकसित राष्ट्रों ने पुनः जीवाश्म ईंधन यानी कोयले का रुख कर लिया है। यह तब हो रहा है, जब ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, 2015 से यूरोप में कोयला बिजली क्षमता में 45 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी थी।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं को गैस आधारित ऊर्जा को एक 'ब्रिज फ्यूल' के रूप में बेचा गया था- एक ऐसा स्वच्छ विकल्प जो सस्ता, भरोसेमंद और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला माना जाता था। किंतु वर्तमान युद्धों ने इस भरोसे को तोड़ दिया है। इंटरनेशनल ऊर्जा एजेंसी और गोल्डमेन सैक्स ग्रुप का मानना है कि ऊर्जा आपूर्ति में आया यह दूसरा सबसे बड़ा झटका है, जिससे दुनिया को लंबे समय तक कोयले पर निर्भर रहना पड़ सकता है। ऐतिहासिक रूप से देखें, तो वैश्विक बिजली का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा आज भी थर्मल पावर से आता है। 1500 ईसवी के बाद औद्योगिक क्रांति की नींव कोयले पर ही रखी गई थी। चाहे कारखाने हों, रेलें हों या भोजन, कोयला और लकड़ी सदियों तक आधार रहे, लेकिन इसके दुष्प्रभावों और बढ़ते तापमान को देखते हुए 1992 में 'रियो पृथ्वी सम्मेलन' और 2005 में 'क्योटो प्रोटोकॉल' अस्तित्व में आए। 192 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों, विशेषकर कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने की प्रतिबद्धता जताई। वर्ष 2018 में भारत और चीन में कोयला खपत में कमी देखी गई थी, जिसके चलते भारत पहली बार 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ। स्पेन के 'कॉप 25' सम्मेलन की रिपोर्ट ने भी दर्शाया था कि दुनिया के 90 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार 57 देशों में से 31 में उत्सर्जन कम होने के रुझान थे। उस समय अमेरिका का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था, क्योंकि उसने जलवायु समझौते से बाहर होने का निर्णय लिया था।

हालांकि वर्तमान युद्धों ने समीकरण बदल दिए हैं। नवंबर 2021 के ग्लासगो सम्मेलन में तय हुआ था कि विकसित देश 2030 और विकासशील देश 2040 तक कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। ऑस्ट्रेलिया की 'रियो टिंटो' जैसी बड़ी कंपनियों ने भविष्य को भांपते हुए अपनी खदानें बेच दी थीं। इसी अवसर को भुनाते हुए भारतीय उद्यमी गौतम अडानी ने 'ऑस्ट्रेलिया कोल कंपनी' के माध्यम से क्वींसलैंड में खनन शुरू किया, जिससे हजारों लोगों को रोजगार भी मिला। 2022 में भारत में आए कोयला संकट के दौरान एनटीपीसी ने वहीं से कोयला आयात किया था। स्पष्ट है कि युद्धों के कारण पैदा हुआ यह ऊर्जा संकट न केवल अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहा है, बल्कि धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के वैश्विक प्रयासों को भी भारी पीछे धकेल रहा है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

सूर्य अष्टम पाठ जीवन की बाधाओं को हरने वाला

सूर्य अष्टकम का पाठ करने से व्यक्ति के जीवन में नवजीवन का संचार होता है। इस धरा धाम में श्री सूर्य देव जी ही एक ऐसे देव हैं, जिनका दर्शन हम सभी को प्रतिदिन होता है। ज्योतिष के नवग्रह मंडल में सूर्य देव का स्थान सर्वोपरि है, सूर्य देव की नियमित साधना जीवन में चमत्कारिक रूप से लाभ पहुंचती है, जिन युवाओं को सरकारी नौकरी चाहिए या सरकार से संबंधित कार्य करने पड़ते हैं, ऐसे लोगों को नियमित रूप से सूर्य अष्टम का पाठ करना चाहिए।

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

सूर्य अष्टकम पढ़ने के लाभ

श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से व्यक्ति के जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन देखने को मिलता है, लेकिन हम यहां पर आप सभी को बता दें कि किसी भी देवी-देवता की पूजा आराधना करने से व्यक्ति के जीवन में बदलाव या मनोवांछित लाभ तभी मिल पाता है, जब पूजा आराधना पूर्ण श्रद्धा व सच्चे मन से की जाती है।

ग्रह बाधा से मुक्ति

ज्योतिष विद्या में श्री सूर्य देव जी को नवग्रह मंडल का प्रमुख माना गया है। श्री सूर्य अष्टकम का पाठ करने से सभी प्रकार की नौ ग्रह शांत होते हैं। शनि दोष राहु-केतु सभी का दोष दूर होते हैं। जिस साधक की कुंडली में या उनकी राशि में किसी भी प्रकार का ग्रह दोष उत्पन्न होता है, तो उन्हें श्री सूर्य अष्टकम का पाठ निश्चय ही करनी चाहिए।

रोगों से मुक्ति

श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से असाध्य रोगों में भी आशातीत लाभ मिलता है। जब कोई व्यक्ति किसी गंभीर बीमारी या दुर्घटना का शिकार हो गया हो, तो, उन्हें या उनके परिजन को उनके लिए सूर्य अष्टकम का पाठ अवश्य ही करनी चाहिए। इससे उस तकलीफ में उसे शीघ्र लाभ मिलता है और शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करता है।

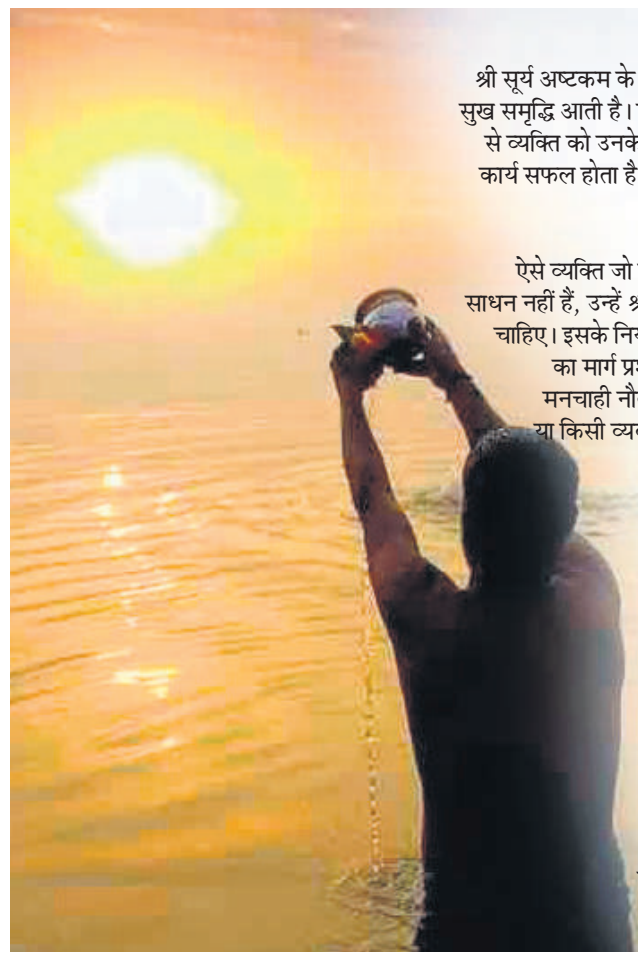

सुख समृद्धि की प्राप्ति

श्री सूर्य अष्टकम के नियमित पाठ से घर परिवार एवं जीवन में सुख समृद्धि आती है। जीवन खुशियों से भर जाती है। इसके पाठ से व्यक्ति को उनके जीवन में सफलता मिलती है। उनका हर कार्य सफल होता है। जहां सफलता है, वहां खुशियां आती है।

दूर होती है बेरोजगारी

ऐसे व्यक्ति जो बेरोजगार हैं या जिनके पास आय का कोई साधन नहीं हैं, उन्हें श्री सूर्य अष्टकम का पाठ अवश्य ही करनी चाहिए। इसके नियमित पाठ से शीघ्र ही नौकरी या व्यवसाय का मार्ग प्रशस्त होता है। व्यक्ति को योग्यता अनुसार मनचाही नौकरी की प्राप्ति होती है। अगर कोई व्यापार या किसी व्यवसाय के क्षेत्र में है, तो उन्हें अपने कार्य में सफलता मिलती है।

प्रतिद्वंद्वियों से आगे होना

आज का युग कंपटीशन एवं चुनौतियों से भरा पड़ा है। आप किसी भी कार्य क्षेत्र में रहे सभी कार्यों में चुनौतियां और कंपटीशन बहुत ज्यादा है। श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से व्यक्ति मानसिक रूप से प्रबल रहता है। उनका हौसला बढ़ा हुआ रहता है। वह किसी भी कार्य को पूरे जोश उत्साह के साथ करता है। उनमें इतना जोश उत्साह रहता है कि वह चुनौतियों का सामना करने से कभी घबराता नहीं है। कभी हारता नहीं है, कभी थकता नहीं है, फल स्वरूप वह अपने प्रतिद्वंद्वियों से सदा आगे रहता है।

शत्रु पर विजय प्राप्ति

जो व्यक्ति सूर्य देव जी के भक्त हैं, जो नियमित रूप से उनका पूजा करते हैं, श्री सूर्य अष्टकम का पाठ करते हैं, कोई भी शत्रु उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता है। शत्रु चाहे जितना भी बलवान क्यों नहीं रहे बाल भी बांका नहीं कर सकता। श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से शत्रु पर विजय प्राप्त होता है।

मानसिक विकास

श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से सभी प्रकार के मानसिक विकार दूर होता है। अच्छे बुरे को सोचने समझने की ताकत आती है। वह व्यक्ति कुसंगति का त्याग कर सत्संगति को अपनाता है। व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत बनता है। वह व्यक्ति अच्छे बुरे का अच्छे से पहचान कर पाता है। इसके पाठ से दुराचारी व्यक्ति भी सदाचारी बनने लगता है। व्यक्ति सात्विक बनता है सकारात्मक सोच रखता है। व्यक्ति के मन से तामसिक भावना नष्ट होती है। वह साधुवाद को प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्ति से सभी लोग प्रेम करते हैं।

कार्यों में सफलता प्राप्त होना

श्री सूर्य अष्टकम पाठ से मानसिक विकास होता है। व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत बनता है। लोगों को रोगों से छुटकारा मिलता है। जब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत एवं स्वस्थ रहता है, तो उन्हें सभी कार्यों में निश्चय ही सफलता प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्ति सफलता हासिल होने तक मेहनत से पीछे नहीं हटते हैं और जो व्यक्ति पूरी लगन पूरी मेहनत के साथ किसी कार्य को करते हैं, तो उन्हें निश्चय ही सफलता प्राप्त होती है।

मानसिक शांति

श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से व्यक्ति के सभी कार्य सफल होते हैं। जीवन में खुशियां आती हैं। ग्रह बाधा से मुक्ति मिलती है। बीमारियों से छुटकारा मिलता है। बेरोजगारी दूर होती है। इन सब कारणों से व्यक्ति का जीवन खुशियों से भरा रहता है, फलस्वरूप मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

श्री सूर्य अष्टकम का पाठ मनुष्य जिस उद्देश्य से या जिस कामना की पूर्ति के लिए करता है वह निश्चय ही पूरा होता है। इसका पाठ पूर्ण विश्वास व श्रद्धा भक्ति के साथ करने से सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सारी मनोकामनाएं से तात्पर्य यह है कि वह मनोकामनाएं, जो आपके अनुकूल है या उस कामना के लिए आप योग्य हैं। अगर आप में लगन है उस काम के प्रति आप में समर्पण का भाव है, तो सूर्य अष्टकम का पाठ करने से आपके मार्ग में आ रही परेशानियां और अड़चनें दूर होगी और आपकी मनोकामनाएं पूरी होगी।

सूर्य अष्टक पढ़ने की विधि

प्रात: काल सूर्य उदय होते समय लकड़ी की चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर उसके ऊपर सिर्फ सूर्य यंत्र रखें, यंत्र पर लाल चंदन, कुमकुम, केसर का तिलक लगाए, यदि संभव हो सके तो, रविवार का व्रत रखें, यदि व्रत नहीं रह सकते तो, रविवार के दिन नमक न खाएं। सूर्यदेव कैरियर और व्यापार से संबंधित रुकावटों को दूर करते हैं। रोजी, रोजगार व्यापार की चाह रखने वाले अगर प्रति रविवार उनका दूध-भात-मिश्री का भोग लगा कर पूजन करें, तो 7 रविवार के बीच में ही सरकारी नौकरी लगने की संभावना होती है, सूर्य देव की कृपा से बहुत अच्छा चलता है। सूर्य देव मनुष्य की सभी कामनाओं को पूर्ण करने वाले देवताओं हैं, लेकिन पूरे मन चित्त से पूजन करना अनिवार्य है।

उस महान यात्रा की तैयारी अभी से की जाए

हमें एक दिन मृत्यु की गोद में जाना ही है। जीवन का उद्देश्य है कि हम ईश्वर का साक्षात्कार करें, परमपद को पाएं। किंतु कितने लोग हैं, जो इस ओर ध्यान देते हैं? किसी को तृष्णा से छुटकारा नहीं। कोई इन्द्रिय भोगों में मस्त है। कोई अहंकार में ऐंठा जा रहा है, तो कोई भ्रम जंजाल में ही मस्त है। इन विडंबनाओं को उलझाते-सुलझाते यह सुनहरा अवसर निकलता जा रहा है। मृत्यु सिर के ऊपर नाच रही है। पल का भरोसा नहीं। न जाने किस घड़ी मौत गला दबा दे। आज आप जाने क्या-क्या योजनाएं बना रहे हो, हो सकता है कल यह सब धरे के धरे रह जाएं और हमारा डेरा किसी दूसरे देश ही जा गड़े। ऐसी विषम बेला में अचेत रहना बड़े दुर्भाग्य की बात है। अभी भी समय है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आंखें खोलिए। सचेत हो जाइए। जीवन क्या है, हम क्या हैं, संसार क्या है, हमारा उद्देश्य क्या है? इन प्रश्नों को उतना ही महत्वपूर्ण समझिए, जितना कि रोटी को समझते हैं। निरंतर इन प्रश्नों पर विचार करने से आप उस मार्ग पर चल पड़ेगें, जिसे मृत्यु की तैयारी कहते हैं, जो काम कल करना है, उसका बंधन आज से सोचना होगा। आपकी मृत्यु का समय आपको नहीं पता, इसलिए उसकी तैयारी आज से, इसी क्षण से आरंभ करनी चाहिए।

अनासक्ति कर्मयोग के तत्वज्ञान को समझकर जीना उत्तम है। माया के बंधन हमें इसलिए बांध दते हैं कि हम उनमें लिपट जाते हैं। तन्मय हो जाते हैं। स्त्री, पुत्र, कुटुंब, परिवार का बड़े प्रेमपूर्वक पालन कीजिए, उन्हें अपनी संपत्ति नहीं, पूजा का आधार बनाइए। उन्हें अपनी जायदाद न मानना। नहीं तो बुरी तरह मारे जाआगे। बड़ा भारी धोखा खाओगे। संपत्ति उपार्जन अवश्य कीजिए, पर किसी सही उद्देश्य से। न कि शहद की मक्खियों की तरह कष्ट सहने के लिए। सब काम उसी प्रकार कीजिए जैसा संसारी लोग करते हैं, पर अपना दृष्टिकोण दूसरा रखिए। स्मरण रखिए संसार की वस्तुएं आपकी वस्तु नहीं है। दूसरी आत्माएं आपकी गुलाम नहीं हैं।

मेरा-तेरा दोनों एक साथ नहीं रह सकते। बस, माया की सारी गांठ इतनी ही है। योग का सारा ज्ञान इसी गांठ को सुलझाने के लिए है। पाप कर्म हम इसलिए करते हैं कि हमारा अहंभाव बहुत ही संकुचित होता है। जब आप कहते हैं कि मेरी जायदाद इतनी है, तो प्रकृति गाल पर

तमाचा मारती है कि मूर्ख! तू कुछ ही समय से आकर इस पर अधिकार जमाता है, यह प्रवाह अनादिकाल से चला आ रहा है। सोना-चांदी तेरा नहीं है प्रकृति का है, जिसे तू स्त्री समझता है, यह पूर्व जन्मों में तुम्हारी मां हो चुकी होगी। आत्माएं स्वतंत्र हैं, कोई किसी का गुलाम नहीं है। विश्व का कण-कण बड़ी ही द्रुतगति से नाच रहा है। कोई वस्तु स्थिर नहीं है। बहती हुई नदी का आनंद देखना है, तो देख, रोकने खड़ा होगा, तो एक ओर हटा दिया जाएगा।

दुख, विपत्ति, व्यथा और पीड़ा का कारण अज्ञान है। मृत्यु के समय दुख प्राप्त करने का, नरक की ज्वाला में जलने का, भूत-प्रेतों में भटकने का, जन्म-मरण की फांसी में लटकने का एक ही कारण है- अज्ञान, केवल अज्ञान। अंधकार से प्रकाश की ओर चलिए। मृत्यु से अमृत की ओर चलिए। मजहबी कर्मकांड आत्मा का हित नहीं कर सकते। दूसरों की ओर मत ताकिए कि कोई हमें पार कर देगा। केवल पूर्णगुरु की आपको पार कर सकता है। उनके मार्गदर्शन में अपने हृदय को विशाल, उदार, उच्च और महान बनाइए। अहंभाव को हटाकर सबको आत्मदृष्टि से देखिए। अपनी अंतरात्मा को प्रेम में सराबोर कर लीजिए और प्रेम का अमृत समस्त संसार पर बिना भेदभाव के छिड़किए। अपना कर्तव्य धर्मनिष्ठापूर्वक पालन कीजिए। व्यवहार कर्मों में रत्ती भर भी शिथिलता मत आने दीजिए, पर रहिए कमलपत्र की तरह। राजा जनक की तरह कर्मयोगी बनिए। अनासक्त रहिए। सर्वत्र आत्मीयता की दृष्टि से देखिए। अपनी महानता का अनुभव कीजिए और गर्व के साथ सिर ऊंचा उठाकर कहिए- सोहम, अर्थात वह मैं हूं।

आत्मज्ञान द्वारा आप इहलोक व परलोक को परिपूर्ण आनंदमय बना सकते हैं। मृत्यु फिर आपको दुख नहीं देगी। वरन एक खेल प्रतीत होगी। आप ऊंचे उठेंगे और महान उद्देश्य को प्राप्त कर पाएंगे। मृत्यु की तैयारी के लिए आज से ही आत्मा के विशुद्ध स्वरूप का चिंतन आरंभ कर देना चाहिए। अपनी महानता का ज्ञान होते ही माया-मोह के सारे बंधन टूटकर गिर पड़ेंगे।

बोध कथा

मानसिक संतोष में खुशी

एक बार की बात है, एक बहुत ही अमीर व्यापारी अपने विशाल महल की खिड़की पर खड़ा था। वह बहुत चिंतित और उदास था, क्योंकि उसका व्यापार ठीक नहीं चल रहा था। तभी उसकी नजर खिड़की के ठीक नीचे सड़क के किनारे रहने वाले एक गरीब मोची पर पड़ी। वह मोची फटे-पुराने कपड़े पहने हुए था, लेकिन वह बहुत जोर-जोर से गाना गा रहा था और जूते सिलते समय उसके चेहरे पर गजब की मुस्कान थी। व्यापारी को बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने सोचा, "मेरे पास इतना धन, महल और नौकर-चाकर हैं, फिर भी मैं परेशान हूं। इस आदमी के पास कुछ नहीं है, फिर भी यह इतना खुश कैसे है?"

व्यापारी ने मोची की खुशी का रहस्य जानने के लिए एक योजना बनाई। उसने चुपके से एक थैली में 100 सोने की मोहरें डालीं और रात के अंधेरे में मोची की झोपड़ी के बाहर रख दीं। अगली सुबह जब मोची को वह थैली मिली, तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने कभी इतनी दौलत नहीं देखी थी। उसने मोहरें गिनीं कुल 99 थीं (व्यापारी ने जानबूझकर एक कम रखी थी)। मोची ने सोचा, "सिर्फ एक मोहर और मिल जाए, तो पूरे 100 हो जाएंगे।" अब मोची का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। वह उस एक मोहर को कमाने के लालच में दिन-रात काम करने लगा। वह अब गाना नहीं गाता था,

न ही किसी से हंसकर बात करता था। उसे डर सताने लगा कि कहीं कोई उसकी मोहरें चुरा न ले। वह देर रात तक जागता और हर समय तनाव में रहता।

कुछ दिनों बाद व्यापारी ने फिर खिड़की से देखा। मोची अब दुबला हो गया था, उसके चेहरे की मुस्कान गायब थी और वह हर पल चिड़चिड़ा रहता था। व्यापारी समझ गया कि मोची '99 के फेर' में फंस गया है। इस कथा से सार निकलता है कि हम अक्सर उन चीजों के पीछे भागते हैं, जो हमारे पास नहीं हैं (वह 100 वीं मोहर) और इस चक्कर में हम उन चीजों का आनंद लेना भूल जाते हैं, जो हमारे पास पहले से मौजूद हैं। खुशी बाहरी संपत्ति में नहीं, बल्कि मन के संतोष में होती है।

-प्रमोद श्रीवास्तव

शनिदेव का रहस्य

हिंदू मान्यताओं के अनुसार शनिदेव को कर्मफलदाता और न्याय के देवता माना जाता है। वे सूर्यदेव और संज्ञा देवी के पुत्र हैं। उनकी चाल मंद मानी जाती है और इसी कारण उनका प्रभाव भी लंबे समय तक रहता है। शनि की साढ़ेसाती और ढैया को लेकर लोगों में भय अवश्य रहता है, लेकिन उनके स्वरूप को समझें तो वे अनुशासन और न्याय के प्रतीक हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, सूर्यदेव के तेज को सहन न कर पाने के कारण संज्ञा देवी ने अपनी प्रतिमूर्ति स्वर्णा को उनके स्थान पर छोड़ दिया। स्वर्णा ने संज्ञा की संतानों के प्रति भेदभाव किया। एक दिन क्रोध में आकर शनिदेव ने उन्हें मारने के लिए पैर उठाया, जिस पर स्वर्णा ने उन्हें श्राप दे दिया। बाद में सूर्यदेव ने उस श्राप को कम करते हुए कहा कि शनि अपंग तो नहीं होंगे, परंतु जीवनभर लंगड़ाकर चलेंगे। यही कारण है कि उनकी गति धीमी मानी जाती है।

एक अन्य कथा हनुमान जी से जुड़ी है। जब हनुमान जी प्रभु राम के ध्यान में लीन थे, तब शनिदेव ने उन्हें युद्ध के लिए ललकारा। हनुमान जी ने अपनी पूंछ से उन्हें बांध लिया और कष्ट दिया। अंतत: शनिदेव ने अपनी भूल स्वीकार की और वचन दिया कि वे राम और हनुमान भक्तों को कष्ट नहीं देंगे। हनुमान जी द्वारा दिए गए तेल से उनके घाव शांत हुए, तभी से शनिदेव को तेल चढ़ाने की परंपरा प्रचलित हो गई। इन कथाओं का सार यही है कि शनिदेव दंड के साथ-साथ सुधार के भी प्रतीक हैं। वे हमें सिखाते हैं कि क्रोध और अहंकार से बचकर, संयम और अच्छे कर्मों का पालन करें। सच्ची भक्ति और विनम्रता ही उनके प्रकोप से बचाकर जीवन में सुख और संतुलन प्रदान करती है।

मांगलिक योग या दोष

डॉ.विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

समाज ने 'मांगलिक' शब्द को डर से जोड़ दिया है। कहा जाता है कि मांगलिक व्यक्ति से शादी करने पर जीवनसाथी को खतरा होता है, पर ज्योतिष का गहरा सच इससे अलग है। मांगलिक होना कोई बीमारी नहीं, बल्कि मंगल ग्रह की तीव्र ऊर्जा का शरीर और मन में उतर आना है। मंगल अग्नि है। वही अग्नि जो लोहे को पिघलाती भी है और तलवार भी बनाती है। मांगलिक व्यक्ति के भीतर यही अग्नि ज्यादा होती है। इसलिए वे सामान्य लोगों से ज्यादा तेज, साहसी, भावुक और क्रियाशील होते हैं। वे जल्दी प्रतिक्रिया करते हैं, जल्दी गुस्सा भी होते हैं और जल्दी प्रेम भी करते हैं। यही कारण है कि उनके रिश्तों में तीव्रता अधिक होती है- चाहे वह लड़ाई हो या आकर्षण। यह समझना बहुत जरूरी है कि 'मांगलिक से मांगलिक की शादी' कोई अंधविश्वास नहीं, बल्कि ऊर्जा-संतुलन का सिद्धांत है। अगर एक व्यक्ति में मंगल की ऊर्जा बहुत ज्यादा है और दूसरा बहुत शांत, तो टकराव तय है। मानसिक, शारीरिक और यहां तक कि दांपत्य जीवन में भी असंतुलन बनता है। पर जब दो लोगों की मंगल-ऊर्जा बराबर होती है, तो वही तीव्रता आपसी समझ, आकर्षण और मजबूत रिश्ते में बदल जाती है।

रिश्तों पर अशुभ मंगल के मुख्य प्रभाव

- **क्रोध और अहंकार** : व्यक्ति गुस्सैल, अहंकारी और आक्रामक हो सकता है, जिससे रिश्तों में अनावश्यक बहस और टकराव होता है।
- **वैवाहिक जीवन में तनाव** : सप्तम भाव (विवाह भाव) में मंगल होने से वैवाहिक जीवन में मारपीट, झगड़े और अविश्वास की भावना पैदा होती है, जिससे तलाक का खतरा भी बढ़ सकता है।
- **ससुराल पक्ष से मतभेद** : ससुराल वालों के साथ संबंध खराब होते हैं और उनसे अनबन बनी रह सकती है।
- **भाई-बहनों से अनबन** : छोटे भाई-बहनों और अन्य रिश्तेदारों (चाचा, ताऊ) से रिश्ते बिगड़ते हैं, भाई के साथ धोखा मंगल को और खराब करता है।
- **अविश्वास और संदेह** : रिश्तों में एक-दूसरे पर शक करने की प्रवृत्ति बढ़ती है, जिससे दूरियां आती हैं।
- **शारीरिक समस्याएं** : रिश्तों में तनाव के कारण शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है।
- **अलगाव और तलाक** : गंभीर मामलों में, मंगल दोष रिश्ते टूटने का कारण बन सकता है, खासकर जब मुद्दों को सुलझाया न जाए।
- **कर्ज और मुकदमेबाजी** : अशुभ मंगल कर्ज और कानूनी मामलों में उलझा सकता है, जो रिश्तों को भी प्रभावित करता है।

मंगल शांति के लिए उपाय और आराधना

- मंगलवार को हनुमान जी की पूजा, हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें।
- भगवान नरसिंह और कार्तिकेय की आराधना करें।

दान

लाल मसूर दाल, गुड़, सौंफ, गेहूं, तांबे के बर्तन, लाल वस्त्र, लाल कनेर के फूल दान करें। लाल कपड़े में मिश्री और सौफ दान करना भी लाभकारी है।

अनिष्ठ मंगल का रिश्तों पर प्रभाव

अशुभ मंगल रिश्तों में क्रोध, आक्रामकता, अहंकार और असहमति बढ़ाता है, जिससे वैवाहिक जीवन में झगड़े, अविश्वास और अलगाव तक हो सकता है, खासकर ससुराल पक्ष से संबंध खराब होते हैं और भाई-बहनों से मनमुटाव रहता है, क्योंकि यह उग्रता और टकराव पैदा करता है, लेकिन उपाय से इसे शांत किया जा सकता है।

नकारात्मक प्रभाव को कम करने वाली स्थितियां

कुछ संयोजन मंगल दोष के नकारात्मक प्रभावों को खत्म करते हैं। ये संयोजन न केवल प्रभावों को बेअसर करेंगे, बल्कि आपको एक खुशहाल वैवाहिक जीवन भी देंगे।

- मुख्य रूप से यदि मंगल मेष, सिंह या कुंभ राशि में लग्न में स्थित हो, तो मंगल दोष के बुरे प्रभाव समाप्त हो जाते हैं। अत: इस स्थिति से मांगलिक दोष स्वत: ही समाप्त हो जाता है।
- जब मंगल अपनी राशि में या अपने मित्रों के घर में हो, तो मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है।
- यदि मंगल दूसरे भाव में हो, लेकिन कन्या या मिथुन राशि में हो, तो मांगलिक दोष नहीं बनता।
- यदि मंगल 8 वें घर में धनु या मीन राशि में हो, तो मांगलिक दोष आंशिक होता है।
- यदि मंगल अपनी ही राशि अर्थात मेष या वृश्चिक में हो, तो प्रभाव कमजोर हो जाता है और मांगलिक दोष आंशिक ही होता है।
- यदि मंगल दूसरे भाव में मिथुन या कन्या राशि में हो, तो मांगलिक दोष नहीं होता।
- यदि मंगल 12 वें भाव में वृषभ या तुला राशि में हो, तो मांगलिक दोष कमजोर हो जाता है।
- यदि मंगल पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टि हो, जिसके नैसर्गिक लाभकारी और सकारात्मक प्रभाव हों तथा जो पाप ग्रह जैसे बृहस्पति के विपरीत हो, तो मांगलिक दोष नहीं होता।
- यदि शुक्र लग्न में हो, तो मांगलिक दोष नहीं होता।
- यदि मंगल उच्च का हो, तो यह मंगल दोष को रद्द नहीं करता।
- यदि किसी जातक की जन्म कुंडली में शुक्र उच्च राशि अर्थात मीन राशि में, प्रथम, चतुर्थ, सप्तम भाव में हो, तो मांगलिक दोष नहीं होता।
- यदि लड़का और लड़की दोनों मांगलिक हों,तो मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है।
- यदि शुभ बृहस्पति सप्तम भाव या सप्तम भाव के स्वामी को देख रहा हो, तो जातक का वैवाहिक जीवन काफी अच्छा रहता है।
- यदि शनि मंगल पर दृष्टि डाले या उसके साथ स्थित हो, तो मंगल दोष समाप्त हो जाता है, लेकिन इस स्थिति में मंगल सातवें घर में नहीं होना चाहिए।
- यदि नवमांश कुंडली में मंगल कमजोर हो, तो मंगल दोष कम हो जाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	74,106.85	22,968.25
बढ़त	787.30	255.15
प्रतिशत में	1.07	1.12

सोना 1,53,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,42,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 7 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाएं कंपनियों के स्वतंत्र निदेशक: सेबी

मुंबई। बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को किसी कंपनी के कामकाज में स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका को बेहद अहम बताते हुए कहा कि उन्हें अपने दायित्व निभाते समय 'रचनात्मक दृष्टिकोण' अपनाने की जरूरत है। पांडेय की यह टिप्पणी अतनु चक्रवर्ती के एचडीएफसी बैंक से हालिया इस्तीफे के कुछ सप्ताह बाद आई है। वह एचडीएफसी बैंक के स्वतंत्र निदेशक और अंशकालिक चेयरमैन थे। मूल्यों और नैतिकता में असंगति का हवाला देते हुए दिए गए चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद बैंक के शेयर में खासी गिरावट आई है। सेबी के चेयरमैन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका केवल अनुपालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें प्रबंधन से मिलने वाली जानकारी और विश्लेषण का आकलन, कंपनी संचालन, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय मामलों की निगरानी भी शामिल है।

रिकॉर्ड 141 अरब यूनिट रहा बिजली कारोबार

नई दिल्ली। बिजली खरीद-बिक्री मंच इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली कारोबार सालाना आधार पर 17% बढ़कर रिकॉर्ड 141 अरब यूनिट दर्ज किया गया। इसकी मुख्य वजह 'रियल-टाइम' बिजली बाजार का मजबूत प्रदर्शन रही। बयान के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में आईईएक्स पर कुल 187.20 लाख नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) का कारोबार हुआ जो सालाना आधार पर 5% अधिक है।

यूको बैंक का ऋण 2.62 लाख करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का ऋण वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 19 प्रतिशत बढ़कर 2.62 लाख करोड़ रुपये हो गया। यूको बैंक ने सोमवार शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि मार्च, 2025 में समाप्त हुई पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसका कुल अग्रिम 2.20 लाख करोड़ रुपये था। तिमाही में बैंक की कुल जमा राशि में 11% की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 3.27 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के अंत में 2.94 लाख करोड़ रुपये थी।

विनय टोंसे बने यस बैंक के नए सीईओ

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक ने सोमवार को कहा कि विनय मुरलीधर टोंसे ने तीन साल के लिए बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। टोंसे ने प्रशांत कुमार की जगह ली है, जिनका विस्तारित कार्यकाल पांच अप्रैल को पूरा हो गया।

आबकारी विभाग ने बनाया 57,722 करोड़ का रिकॉर्ड

पिछले वर्ष की तुलना में 9.79% बढ़ोतरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अवैध शराब पर सख्ती और तकनीकी सुधार से बढ़ा राजस्व

अमृत विचार : प्रदेश में आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 57,722.26 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.79 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने दी।

गौतमपल्ली स्थित सरकारी आवास पर आबकारी मंत्री ने बताया कि एथनॉल उत्पादन में वृद्धि, शीरा उत्पादन और तकनीकी सुधारों के चलते राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। विभाग ने 2026-27 के लिए 71,278 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया है।

उन्होंने बताया कि शराब दुकानों का आवंटन ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया है। 25,613 दुकानों का नवीनीकरण किया गया, जबकि 811 दुकानों का आवंटन लॉटरी से हुआ है।

अवैध शराब पर कड़ा एक्शन नितिन अग्रवाल ने बताया कि विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 1.09 लाख से अधिक केस दर्ज किए।

इस दौरान 28.08 लाख लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई और करीब 20 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आईईएससीएमएस सिस्टम, जीपीएस ट्रैकिंग, क्यूआर कोड और पीओएस मशीनों के जरिए शराब की बिक्री और परिवहन पर निगरानी रखी जा रही है, जिससे राजस्व में बढ़ोतरी हुई है।

4.88 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंच रही एलपीजी : संजय

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के कार्यकारी निदेशक ने कृषि विभाग के साथ की प्रेसवार्ता

- बोले, 12,330 सिलेंडर जब्त 245 एफआईआर के साथ 22 गिरफ्तारी की गईं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख संजय भंडारी ने कहा कि प्रदेश में लगभग 4.88 करोड़ उपभोक्ताओं तक एलपीजी गैस पहुंच रही है।

पेट्रोलियम उत्पाद एवं गैस की जमाखोरी और अवैध डायवर्जन पर नियंत्रण रखने के लिए 21,939 निरीक्षण करके 12,330 सिलेंडर जब्त किए हैं। 245 एफआईआर दर्ज कराते हुए 22 गिरफ्तारियां हुई हैं। वर्तमान में आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है। सोमवार को आईओसीएल ने विभूति खंड स्थित अपने उप्र राज्य कार्यालय-1 में कृषि विभाग के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता की।

लखनऊ के विभूति खंड स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यालय में प्रेसवार्ता करते कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख संजय भंडारी।

पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रमों के संदर्भ में पेट्रोलियम उत्पाद और गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र एवं राज्य के प्रयासों की जानकारी दी। संजय भंडारी ने कहा कि राज्य में 13,168 रिटेल आउटलेट तथा 28 सप्लाई लोकेशन/डिपो के माध्यम से नियमित आपूर्ति हो रही है। एलपीजी आपूर्ति 4,143 वितरकों एवं 36 बॉटलिंग प्लांट के माध्यम से लगभग 4.88 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंच रही है। पत्र सूचना कार्यालय के निदेशक दिलीप कुमार शुक्ल ने कहा कि सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों पर प्रसारित भ्रामक सूचनाओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सही जानकारी आम जनता तक पहुंचा रहे हैं। नागरिक केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें।

पीएनजी के बढ़े 28,210 उपभोक्ता

कार्यकारी निदेशक संजय भंडारी ने पीएनजी क्षेत्र का उल्लेख करके प्रगति बताई। कहा कि जहां राज्य में लगभग 20 लाख कनेक्शन उपलब्ध हैं तो वहीं पिछले एक माह में 28,210 नए उपभोक्ता जुड़े हैं। 44 जनपद सीजीडी नेटवर्क के अंतर्गत आ चुके हैं। नेटवर्क विस्तार को और गति दे रहे हैं। प्रवासी मजदूरों एवं छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पांच किलो का एलपीजी सिलेंडर लांच किया है। जो सभी गैस वितरकों के पास आसानी से उपलब्ध है। इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल है। उपभोक्ता केवल एक पहचान पत्र देकर प्रदेश के किसी भी हिस्से में गैस वितरक से कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रदेश में पर्याप्त उर्वरक : अपर निदेशक

प्रेसवार्ता में अपर निदेशक (कृषि) आशुतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में राज्य में उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त है। सभी किसानों को आवश्यकता अनुसार उर्वरक उपलब्ध करा रहे हैं। खरीफ 2026 के लिए निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। यूरिया, डीएपी एवं एनपीके समेत सभी प्रमुख उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसानों से अपील है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता अनुसार ही उर्वरक खरीदें।

संकट से प्रभावितों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश: वित्तमंत्री

स्थिति से निपटने के लिए ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है भारतीय रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि राजकोषीय सूझबूझ ने सरकार को पूंजीगत व्यय बढ़ाने और पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश दी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक उभरती स्थिति से निपटने के लिए ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है।

सीतारमण ने चुनौतीपूर्ण समय में अच्छी सार्वजनिक वित्त नीति के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि इससे आर्थिक नरमी के दौर में उससे निपटने, विशेष रूप से विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की क्षमता में सुधार होता है।

उन्होंने यहां राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के कार्यक्रम में कहा कि आज भारी कर्ज और बड़े घाटे वाले कई देशों के पास कोई विकल्प नहीं बचा है और उन्हें मितव्ययिता और अस्थिरता के बीच एक कठिन विकल्प का सामना करना पड़ रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि इसके उलट, भारत के पास

राजकोषीय संसाधन हैं। पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को जारी रखने की गुंजाइश है। आरबीआई के पास ब्याज दरें कम करने की गुंजाइश है और प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित सहायता प्रदान करने की क्षमता है। यह एक दशक की राजकोषीय सूझबूझ और अनुशासन का परिणाम है। कहा कि राजकोषीय गुंजाइश को देखते हुए ही हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किए गए और प्रमुख पेट्रोरसायन उत्पादों पर सीमा शुल्क से छूट दी गयी। एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) को घरेलू शुल्क क्षेत्र में परिचालन की अनुमति दी गयी।

सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की ताकि युद्ध के बीच बढ़ती वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से उपभोक्ताओं को बचाया जा सके। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले के बाद से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप ईरान ने व्यापक जवाबी कार्रवाई की।

सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) पर 29.50 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क भी लगाया। पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर यह वर्तमान में शून्य है। भारत ने दो अप्रैल को पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण पोत परिवहन मार्गों में समस्याओं के बीच आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने को पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात को सीमा शुल्क से छूट दी। यह साल पिछले वर्ष की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है। पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करने वाला बड़ा झटका बन गया है और नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत दे रहा है।

आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता

निर्मला सीतारमन ने कहा कि शुल्क और अन्य बाधाओं के कारण व्यापार के प्रभावित होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में गंभीर अनिश्चितता पैदा कर दी है। इसके चलते वैश्विक वृद्धि अनुमान में भारी गिरावट आई...। भारत के ऋण-जीडीपी अनुपात का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात (राज्यों के कर्ज के साथ) 81 प्रतिशत के साथ भारत, जर्मनी के बाद प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है। कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत एकमात्र ऐसी प्रमुख अर्थव्यवस्था है जहां अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष का अनुमान है कि यह अनुपात 2030 तक घटकर 75.8 प्रतिशत हो जाएगा। जबकि अमेरिका, चीन, जर्मनी और अन्य जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऋण की स्थिति और खराब होने का अनुमान है।

कच्चे तेल के दाम में नरमी से सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,000 के करीब

बैंक और आईटी शेयरों में अच्छी लिवाली से निवेशकों को समर्थन

मुंबई, एजेंसी

सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त में रहे। बीएसई सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 23,000 अंक के करीब पहुंच गया। पश्चिम एशिया में युद्धविराम के प्रयासों की रिपोर्ट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार बढ़त में रहा। कारोबारियों के अनुसार, बैंक और आईटी शेयरों में अच्छी लिवाली और रुपये में मजबूती से भी निवेशकों को समर्थन मिला।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स

787.30 अंक यानी 1.07 प्रतिशत बढ़कर 74,106.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 887.91 अंक चढ़कर 74,207.46 अंक पर पहुंच गया था। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में से 3,207 लाभ में रहे, जबकि 1,147 में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं 190 के भाव अपरिवर्तित रहें। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 255.15 अंक यानी 1.12 प्रतिशत बढ़कर 22,968.25 पर बंद हुआ।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में संभावित युद्धविराम की खबरों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में सुधार के साथ वैश्विक जोखिम धारणा में भी सुधार हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट में सबसे अधिक 7.89 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा एक्सिस बैंक, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस भी प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक और सन फार्मा के शेयर नुकसान में रहे।

एक साल में बिके 2.96 करोड़ वाहन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सभी श्रेणियों में वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,96,71,064 इकाई पर पहुंच गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाहन उद्योग के निकाय के अनुसार इससे गत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल खुदरा बिक्री 2,61,87,255 इकाई थी। वर्ष की शुरुआत सुस्त रहने के बावजूद माल एवं सेवा कर में बदलाव (जीएसटी 2.0) के लागू होने से बाजार में तेजी आई। फाडा के बयान के अनुसार, यात्री वाहन की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13% बढ़कर 47,05,056 इकाई हो गई, जो 2024-25 में 41,63,927 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री भी पिछले साल 13.4 प्रतिशत बढ़कर 2,14,20,386 इकाई हो गई जबकि 2024-25 में यह 1,88,89,595 इकाई थी। वित्त वर्ष 2025-26 में तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 13,63,412 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2024-25 की 12,20,834 इकाई के मुकाबले 11.68% अधिक है। फाडा के अनुसार वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री भी 11.74 प्रतिशत बढ़कर 10,60,906 इकाई हो गई।

रुपया 28 पैसे चढ़कर 92.90 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। रुपया सोमवार को 28 पैसे चढ़कर डॉलर के मुकाबले 92.90 पर बंद हुआ। आरबीआई के उठाए कदमों से घरेलू मुद्रा संभली है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से रुपये पर अब भी दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.13 पर खुला फिर तेजी से चढ़ा और अंत में रुपया 92.90 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

अब उर्वरक संयंत्रों को जरूरत की 90% तक गैस आपूर्ति

नयी दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम कंपनियों के हाजिर बाजार से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद के बाद उर्वरक संयंत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति उनकी आवश्यकता के लगभग 90 प्रतिशत तक बढ़ा दी गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बाधित होने से उत्पन्न समस्याओं के बीच ईंधन की उपलब्धता को प्रबंधित करने के व्यापक उपायों के तहत यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण खाड़ी देशों से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बाद, सरकार ने शुरू में उर्वरक (यूरिया) संयंत्रों को गैस की आपूर्ति आवश्यकता के लगभग 60 प्रतिशत तक सीमित कर दी थी। बाद में वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से इसे बढ़ाकर 75 से 80 प्रतिशत कर दिया गया था। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि हाजिर खरीद का उपयोग करके छह अप्रैल से गैस की आपूर्ति को छह महीने की औसत खपत के 90 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। कतर से एलएनजी की आपूर्ति निलंबित है। ऐसे में भारतीय कंपनियां अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और रूस में वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं से ईंधन की खरीद कर रही हैं।

धीमी रही सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर : पीएमआई

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही जो नए कारोबार में नरमी को दर्शाती है। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी मिली। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 रह गया। यह जनवरी 2025 के बाद से नए कारोबार एवं गतिविधियों में सबसे धीमी वृद्धि को दर्शाता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी की भारत की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजल भंडारी ने कहा कि देश के सेवा क्षेत्र में मार्च में विस्तार कायम रहा लेकिन वृद्धि की गति लगातार दूसरे महीने धीमी पड़ी।

रिजर्व बैंक : एमपीसी की बैठक शुरू, निर्णय बुधवार को

मुंबई,एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक मौद्रिक नीति पर विचार करने के लिए तीन दिन चलने वाली बैठक सोमवार को शुरू हुई। यह मौजूदा वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक है।

यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब पश्चिम एशिया संकट के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच नीतिगत दर को यथावत रखने की संभावना है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का निर्णय बुधवार को घोषित किया जाएगा। रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2025 से अब तक नीतिगत दर रेपो में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। यह 2019 के बाद से सबसे बड़ी कटौती है। आखिरी बार बीते साल दिसंबर रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। पिछली बैठक फरवरी में यथास्थिति बनाए रखी गयी थी।विशेषज्ञों के अनुसार, एमपीसी के सदस्य पश्चिम एशिया में जारी तनाव, जिंस कीमतों में अस्थिरता और घरेलू मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखेंगे। रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

काम की बात

EMI का बोझ ऐसे करें कम

कारोबार डेस्क

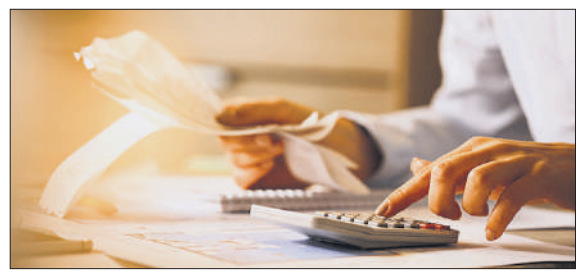

कर्ज लेना जितना आसान है, लेकिन उसकी अदायगी एक चैलेंज। बाकी खर्चों के साथ ईएमआई देना कई बार मुश्किल हो जाता है। दरअसल EMI केवल एक पेमेंट नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का हिस्सा बन चुकी है। घर, गाड़ी, मोबाइल, यहां तक कि छुट्टियों तक,हर चीज EMI पर मिल रही है। परेशानी तब शुरू होती है जब महीने की सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में बैंक के डेबिट मैसेज से आपको तनाव होने लगता है। यदि आप भी अपनी ईएमआई से परेशान हैं, तो आपके काम की बात है।

EMI कम करने के 5 स्मार्ट तरीके

- **सबसे पहले कौन सा लोन खत्म करें?**
  -आप हमेशा सबसे महंगा लोन खत्म करें। क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन का ब्याज सबसे ज्यादा होता है, ऐसे में इन्हें खत्म करना जरूरी है।
- **क्या ईएमआई कम कर सकते हैं?**
  -हां लाइफस्टाइल के हिसाब से इसको कम कर सकते हैं। अगर EMI ज्यादा लग रही है, तो बैंक से बात करें। लोन की अवधि बढ़वा सकते हैं, EMI कम हो जाएगी। दूसरे बैंक में भी बैलेंस ट्रांसफर कर सकते हैं।
- **खर्च कंट्रोल कैसे करें?**
  -यहां काम आता है 50-30-20 फॉर्मूला। 50% जरूरी खर्च, 30% शौक, 20% बचत। याद रखिए कि अगर EMI ज्यादा है, तो सबसे पहले शौक वाले खर्च कम करें।
- **बोनस का सही उपयोग कैसे करें?**
  -बोनस को खर्च मत करें, लोन खत्म करने में लगाएं। अगर आप हर साल थोड़ा-थोड़ा प्री-पेमेंट करते हैं, तो आपका लोन जल्दी खत्म हो सकता है। इससे ब्याज कम लगेगा और टेंशन भी घटेगी।
- **इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी हैं?**
  -अक्सर अचानक खर्च EMI को बिगाड़ देता है। इसके अलावा मेडिकल खर्च, नौकरी जाने का खतरा या अचानक अन्य कोई आवश्यकता।

लोन कंसोलिडेशन भी कर सकते हैं

- आसान भाषा में अपनी एक से अधिक ईएमआई को मिलाकर एक EMI कर लेना लोन कंसोलिडेशन कहलाता है। अगर आपके पास कई हाई इंटरेस्ट लोन हैं (जैसे क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन), तो कंसोलिडेशन फायदेमंद हो सकता है, अगर :

-**ब्याज दर कम हो जाए :** नए लोन का इंटरेस्ट पुराने से कम है

-**EMI मैनेज करना आसान हो :** कई की जगह एक ईएमआई रह जाए

-**कैश फ्लो सुधरे :** हर महीने कुछ पैसा बचने लगे

-**क्रेडिट स्कोर बेहतर हो :** समय पर एक EMI भरना आसान होता है। इससे क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है।

- **एक बात याद रखिए**-लोन आपकी आवश्यकता पूरी करता है। EMI आपकी जिम्मेदारी है, उसे बोझ बनाना आपकी गलती। लोन चुकाने में अनुशासन पालन करें। ईएमआई कम दिखाने के चक्कर में कुल लागत की गणना करना न भूलें।

सर्वेक्षण रिपोर्ट

घरेलू वस्त्र मांग पर अध्ययन रिपोर्ट : कपड़ा एवं वस्त्र बाजार पर राष्ट्रीय परिवार सर्वेक्षण 2024

पंद्रह साल में तीन गुना हुआ कपड़ा बाजार का आकार

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का कपड़ा बाजार पिछले 15 साल में तीन गुना होकर लगभग 15 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कपड़ा मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी "घरेलू वस्त्र मांग पर अध्ययन रिपोर्ट: कपड़ा एवं वस्त्र बाजार पर राष्ट्रीय परिवार सर्वेक्षण 2024" के अनुसार, पिछले 15 साल में कपड़ों की घरेलू मांग में मजबूत वृद्धि हुई है और इसका बाजार 2010 के 4.89 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 14.95 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इस प्रकार इसमें औसतन 8.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गयी है।

मंत्रालय के अंतर्गत टेक्सटाइल्स कमेटी द्वारा किए गए अध्ययन पर आधारित इस रिपोर्ट के अनुसार, कुल बाजार आकार में घरेलू क्षेत्र का योगदान 2010 में 4.18 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर साल 2024 में 8.77 लाख करोड़ रुपये हो गया, जिसने देश में कपड़ों की मांग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने आज यह रिपोर्ट जारी की। इस अवसर पर वस्त्र सचिव नीलम शमी राव तथा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। रिपोर्ट के अनुसार, 15 साल में कपड़ों की प्रति व्यक्ति मांग 2,119 रुपये से बढ़कर 6,066 रुपये पर पहुंच गयी जो 7.8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर दर्शाता है। कुल मांग में मानव निर्मित और मिश्रित रेशों पर आधारित उत्पादों का योगदान 52.2 प्रतिशत है, जबकि कपास आधारित उत्पादों का योगदान 41.2 प्रतिशत है। वहीं, रेशम और ऊनी उत्पाद क्रमशः 5.2 प्रतिशत और 1.3 प्रतिशत का योगदान देते हैं। मानव निर्मित और मिश्रित रेशों से बने वस्त्रों की मांग में सबसे अधिक वृद्धि हुई है, यह 1.47 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.47 लाख करोड़ रुपये हो गयी। इसमें 8.28 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गयी है। कपास ने दूसरे सबसे महत्वपूर्ण रेशे के रूप में अपनी स्थिति बनाये रखी है। अध्ययन में पता चला है कि महिलाओं ने कुल वस्त्र खरीद में 55.5 प्रतिशत का योगदान दिया, जबकि पुरुषों का योगदान 44.5 प्रतिशत रहा।

पुरुषों की जींस और लेडीज लेगिंग्स की मांग सबसे तेजी से बढ़ी

रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि पिछले 15 साल में पुरुषों की जींस और महिलाओं के लेगिंग्स की मांग सबसे तेजी से बढ़ी है। साथ ही एक गौर करने वाली बात यह है कि तकनीकी वस्त्रों की इस्तेमाल शहरों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में अधिक होता है।

न्यायमूर्ति शर्मा को सुनवाई से अलग करने का अनुरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

- आबकारी नीति मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में पेश हुए केजरीवाल

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए और न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को आबकारी नीति मामले में उन्हें तथा अन्य सभी आरोपियों को आरोप मुक्त किए जाने के फैसले के खिलाफ सीबीआई की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई से अलग किए जाने का अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति शर्मा ने उन्हें मामले की सुनवाई से अलग किए जाने की केजरीवाल की अर्जी को रिकॉर्ड में ले लिया और इसकी सुनवाई 13 अप्रैल को तय की। न्यायमूर्ति शर्मा को बताया गया कि मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय की अन्य पीठ को सौंपने के अनुरोध को लेकर शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका वापस ले ली गई है। सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि अदालत नौटंकी का मंच नहीं है और अगर केजरीवाल मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश होना चाहते हैं, तो उन्हें अपने वकील को हटा देना चाहिए। मेहता ने केजरीवाल की अर्जी पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से संस्था पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं।

कहीं आपके घर में तो नहीं हो रही जासूसी

अक्सर ऐसा होता है कि आप किसी दोस्त से किसी खास जूते, वेकेशन या गैजेट के बारे में बात करते हैं और कुछ ही देर बाद आपके फेसबुक, इंस्टाग्राम या गूगल पर उसी चीज के विज्ञापन आने लगते हैं। दुनिया भर में लाखों यूजर्स का मानना है कि कंपनियां उनके फोन के माइक्रोफोन का इस्तेमाल करके उनकी निजी बातें सुन रही हैं। डिजिटल युग में प्राइवेसी एक भ्रम मात्र है। हम जो भी 'फ्री' इस्तेमाल कर रहे हैं, उसकी कीमत हम अपनी जानकारी देकर चुका रहे हैं।

असली खेल क्या है

- एआई लग्गोरिदम : तकनीकी दिग्गज हमेशा इस बात से इनकार करते हैं कि वे आपकी बातें रिकॉर्ड कर रहे हैं। लेकिन असलियत में खेल एआई एल्गोरिदम का है।
- कीवर्ड्स का जाल : जब आप किसी ऐप को माइक्रोफोन की परमिशन देते हैं, तो बैकग्राउंड में एक्टिव एआई सिस्टम पूरी बातचीत नहीं, बल्कि कुछ खास कीवर्ड्स को पकड़ लेता है।
- प्रेडिक्टिव मॉडलिंग : एआई सिर्फ आपकी बात नहीं सुनता, बल्कि वह आपके लोकेशन डेटा, सर्च हिस्ट्री और आपके दोस्तों की पसंद को भी ट्रैक करता है। वह अनुमान लगा लेता है कि आप आगे क्या खरीदने वाले हैं।
- लिसनिंग टूल्स : हाल ही में कॉक्स मीडिया ग्रुप जैसी कंपनियों की कुछ रिपोर्ट्स लीक हुई थीं, जिनमें एक्टिव लिसनिंग सॉफ्टवेयर की बात कही गई थी जो विज्ञापनों के लिए डेटा जुटाते हैं।

आपके लिए जरूरी बातें

- एम्बिएंट लिसनिंग : एआई केवल शब्दों को नहीं, बल्कि आपके बैकग्राउंड की आवाजों को भी डिकोड करता है। अगर पीछे प्रेशर कुकर की सीटी या बच्चे के रोने की आवाज है, तो एआई समझ जाता है कि आप घर पर हैं और आपको किचन के सामान या बेबी प्रोडक्ट्स के विज्ञापन दिखाने लगता है।
- साउंड वेव फिंगरप्रिंटिंग : हर ब्रांड के टीवी विज्ञापनों की एक साउंड वेव होती है। घर में टीवी पर कोई विज्ञापन चल रहा है, तो आपका फोन उसे पहचान लेता है और वही प्रोडक्ट आपके मोबाइल स्क्रीन पर आ जाता है।
- मशीन लर्निंग का प्रेडिक्शन मॉडल : एआई इतना स्मार्ट हो चुका है कि वह आपकी डिजिटल परछाई बना लेता है। आपकी उम्र, जेंडर, लोकेशन और पिछले 5 साल के डेटा के आधार पर वह पहले ही जान जाता है कि आज शाम आप क्या खरीदने की सोच रहे होंगे। इसे हाइपर-पर्सनलाइजेशन कहा जाता है।
- बैटरी और डेटा का हिडन इस्तेमाल : आपके फोन का डेटा यूसेज ग्राफ बिना किसी डाउनलोडिंग के बढ़ रहा है, तो मुमकिन है कि कुछ ऐप्स आपकी वॉइस फाइल्स को 'कंप्रेस' करके छोटे-छोटे पैकेट्स में सर्वर पर भेज रहे हों।

एक्सपर्ट टिप्स

- सेंसर्स पर नजर : एंड्रॉइड 12 और आईफोन के लेटेस्ट वर्जन में ऊपर की तरफ एक ग्रीन डॉट दिखता है। अगर आप फोन इस्तेमाल नहीं कर रहे और फिर भी वह ग्रीन डॉट दिख रहा है, तो समझ लीजिए कि कैमरा या माइक चोरी-छिपे ऑन है।
- वर्चुअल असिस्टेंट ऑफ करें : गूगल असिस्टेंट में जाकर वायस मैच और हे गूगल को पूरी तरह बंद करना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है।
- परमिशन ऑडिट : अपने फोन की सेटिंग में जाएं। देखें कि किन ऐप्स को माइक का एक्सेस है। कैलकुलेटर, टॉर्च या गेमिंग ऐप्स को इसकी जरूरत नहीं है, इनका एक्सेस तुरंत बंद करें।
- ट्रैकिंग बंद करें : अपने गूगल अकाउंट में जाकर वेब और ऐप एक्टिविटी को ऑफ करें।
- ऑफलाइन मोड : बहुत निजी बातचीत के दौरान फोन को दूसरे कमरे में रखें या एरोप्लेन मोड पर डाल दें।

फैक्ट

- एक औसत स्मार्टफोन में करीब 10 से 15 ऐसे ऐप्स होते हैं जो आपकी मर्जी के बिना माइक्रोफोन इस्तेमाल कर सकते हैं। हार्वर्ड की एक स्टडी के अनुसार, एआई आपकी पिछली सर्च हिस्ट्री और लोकेशन के आधार पर 90% सटीकता से बता सकता है कि आप अगले एक घंटे में कहां होंगे और क्या खरीदेंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

इटली में ऊर्जा संकट की आशंका : मेलोनी

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्वीकार किया है कि यदि पश्चिम एशिया में स्थिति और बिगड़ती है तो देश को ऊर्जा की कमी का सामना करना पड़ सकता है। कोरिरे डेला सेरा अखबार ने शनिवार को इटली के चार हवाई अड्डों-मिलान, वेनिस, ट्रेविसो और बोलोग्ना में जेट ईंधन पर लागू किए गए पहले प्रतिबंध की जानकारी दी। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि जब खाड़ी देशों में अस्थिरता बढ़ती है, तो इसका सीधा असर ऊर्जा की लागत, व्यवसायों, नौकरियों और अंततः परिवारों की क्रय शक्ति पर पड़ता है। प्रधानमंत्री का मानना है कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में फारस की खाड़ी के देश प्रमुख भूमिका निभाते हैं। अगर वहां उत्पादन कम या बंद होता है, तो ऊर्जा की कीमतें हर किसी के लिए बढ़ जायेंगी। मेलोनी ने आगाह किया, अगर स्थिति और खराब होती है तो हम ऐसी स्थिति में पहुंच सकते हैं, जहां हमारे पास जरूरत भर ऊर्जा उपलब्ध न हो, यहां तक कि इटली में भी।

नेपाल के विदेश मंत्री ने मिले भारतीय राजदूत

काठमांडू। भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को यहां नेपाल के नवनियुक्त विदेश मंत्री शिशिर खनाल से शिष्टाचार भेंट की और उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। खनाल ने 27 मार्च को विदेश मंत्रालय के प्रमुख का कार्यभार संभाला था। विदेश मंत्रालय के अनुसार भेंट के दौरान श्रीवास्तव ने खनाल को नेपाल का विदेश मंत्री नियुक्त किये जाने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से बधाई दी। इस अवसर पर नेपाल-भारत संबंधों और सहयोग से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने खनाल के पदभार ग्रहण करने के दिन ही एक्स पर उन्हें बधाई दी थी। जयशंकर ने कहा था कि वह भारत एवं नेपाल के बीच पारंपरिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपने नेपाली समकक्ष के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

भारत में जन्मे नर्तक को ब्रिटिश शाही सम्मान

लंदन। हाल ही में नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए मेंबर ऑफ द ऑडर ऑफ द ब्रिटिश अंपायर का सम्मान पाने वाले कथक नर्तक बलबीर सिंह का मानना है कि यह शाही सम्मान भारतीय शास्त्रीय कला रूपों की गुरु-शिष्य परंपरा का उत्सव है। भारत में जन्मे और ब्रिटेन में पले-बढ़े सिंह ने पद्मश्री गुरु प्रताप पवार के मार्गदर्शन में कथक का प्रशिक्षण प्राप्त किया है और वर्षों से इस परंपरा को समकालीन ब्रिटिश सांस्कृतिक जीवन में आगे बढ़ा रहे हैं। उत्तरी इंग्लैंड के लीड्स में स्थित बलबीर सिंह डांस कंपनी के संस्थापक के रूप में दो दशकों से ब्रिटेन में कथक और समकालीन नृत्य को एक साथ लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राजमार्गों पर मवेशियों को रोकने की मांग, केंद्र व राज्यों से जवाब-तलब

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्य गो-उपकर वसूल रहे लेकिन कर कुछ नहीं रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब मांगा, जिसमें देशभर में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से आवारा मवेशियों को दूर रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड सहित अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है।

पीठ ने पाया कि कई राज्य 10 प्रतिशत गौ-उपकर तो वसूल रहे हैं लेकिन इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश वकील ने पीठ को बताया कि उच्चतम न्यायालय पहले ही आवारा कुत्तों के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख चुका है, जिसमें राजमार्गों पर आवारा पशुओं के प्रवेश का मुद्दा भी शामिल है। याचिकाकर्ता 'लॉयर्स फॉर ह्यूमैन राइट्स इंटरनेशनल' की ओर से पेश वकील ने कहा कि अधिकतर मुद्दे आवारा कुत्तों से जुड़े मामले के फैसले में शामिल हो जाएंगे, लेकिन इस याचिका में कुछ अन्य पहलू भी उठाए गए हैं। पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की है। याचिका में अधिकारियों को राजमार्गों पर मवेशियों के प्रवेश को रोकने के लिए एक समान राष्ट्रीय दिशा-निर्देश बनाने और उन्हें लागू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। इस याचिका में विशेष रूप से दुर्घटना के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर अनिवार्य रूप से बाड़ लगाने का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा, वैज्ञानिक तरीके से संचालित गोशालाओं/पशु आश्रयों की स्थापना के लिए निर्धारित वित्त पोषण सुनिश्चित करने का और मवेशियों को अवैध रूप से छोड़ने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया गया है।

मुआवजा ढांचा भी तैयार करने की अपील

याचिका में आवारा मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए दोष रहित मुआवजा (ऐसा मुआवजा जिसमें यह साबित करने की जरूरत नहीं होती कि गलती किसकी थी) ढांचा तैयार करने की भी अपील की गई है। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के स्थानांतरण और नसबंदी से जुड़े पिछले वर्ष सात नवंबर के उसके आदेश में संशोधन का अनुरोध करने वाली याचिकाओं के एक समूह पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायालय ने शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों जैसे संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि का संज्ञान लेते हुए सात नवंबर 2025 को निर्देश दिया था कि आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद तुरंत निर्धारित आश्रयों में स्थानांतरित किया जाए।

सेंगर की सजा के निलंबन के खिलाफ याचिका की सुनवाई टली

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई मई के पहले सप्ताह तक के लिए टाल दी, जिसमें 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा के निलंबन को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि शबरिमला मामले में पुनर्विचार याचिका पर नौ-सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा सुनवाई पूरी कर लिये जाने के बाद इस मामले की सुनवाई की जाएगी। सेंगर की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पीड़िता के पिता की कथित हिरासत में मौत से संबंधित एक अन्य मामले में याचिकाओं की सुनवाई दिल्ली उच्च न्यायालय में नहीं होने का मुद्दा उठाया और कहा कि उस मामले में सेंगर को 10 साल की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने कहा कि दस साल संभवतः जल्द ही पूरे होने वाले हैं और अभी तक उच्च न्यायालय में कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। सेंगर को इस मामले में जमानत मिलनी चाहिए।

फ्रांस ने बेचा अमेरिका में रखा अपना सोना

पेरिस। बैंक ऑफ फ्रांस ने कहा है कि उसने न्यूयॉर्क में रखे अपने शेष स्वर्ण भंडार को वापस ले लिया है और उसके स्थान पर पेरिस स्थित अपने भंडार में समान मात्रा का सोना रख लिया है। बैंक के अनुसार यह मात्रा 129 टन है, जो उसके कुल स्वर्ण भंडार का लगभग पांच प्रतिशत है। फ्रांस लंबे समय से अपने कुछ स्वर्ण भंडार को फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क में रखता आया था। फ्रांस ने 1960 के दशक में ही अपने स्वर्ण भंडार को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

इसके बावजूद न्यूयॉर्क में थोड़ी मात्रा में सोना अब तक रखा हुआ था। पिछले दो दशकों में बैंक पुराने या गैर-मानक स्वर्ण भंडार को आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बार से बदल रहा है। फ्रांस ने 2024 की आंतरिक समीक्षा के बाद जुलाई 2025 से जनवरी 2026 के बीच अमेरिका में रखे सोने को बदलने की प्रक्रिया पूरी की। इस प्रक्रिया में सोने को सीधे लाने के बजाय उसे बेचकर यूरोप में नए मानक के स्वर्ण बार खरीदे गए। सोने की बढ़ती कीमतों के कारण इस कदम से बैंक को लगभग 13 अरब यूरो (15 अरब डॉलर) का पूंजीगत लाभ हुआ। इससे बैंक ने 2025 में 8.1 अरब यूरो का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि 2024 में 7.7 अरब यूरो का घाटा हुआ था।

बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को फिर मजबूत करेगा भारत

ढाका, एजेंसी

- भारतीय राजदूत ने बताया पीएम रहमान को नई दिल्ली का इरादा

भारत बांग्लादेश के साथ भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए तैयार है। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को यह जानकारी दी।

यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब भारत और बांग्लादेश फरवरी में हुए संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत के परिणामस्वरूप तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था।

भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि बैठक के दौरान वर्मा और रहमान ने दोनों देशों की राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में जन-केंद्रित सहयोग पर ध्यान देते हुए द्विपक्षीय सहभागिता पर चर्चा की। भारतीय उच्चायुक्त ने यह भी कहा कि भारत सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए तथा परस्पर हित और परस्पर लाभ के आधार पर बांग्लादेश की सरकार और जनता के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि वर्मा ने यहां बांग्लादेश सचिवालय स्थित कैबिनेट डिवीजन कार्यालय में रहमान से शिष्टाचार भेंट की। हालांकि इस बारे में तत्काल कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। हालांकि, बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि राजदूत ने रहमान से कहा कि भारत और बांग्लादेश को अपनी भौगोलिक निकटता को मजबूत अर्थव्यवस्था, कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक एवं लोगों के आदान-प्रदान को बढ़ाकर नए अवसरों में बदलना चाहिए।

नाइजीरिया में तीन हमलों में 26 लोगों की गई जान

अबुजा, एजेंसी। उत्तरी नाइजीरिया में बीते सप्ताहांत नागरिकों और पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर किए गए तीन अलग-अलग हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। नाइजीरियाई सेना और स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि शनिवार को उत्तर-मध्य बेनू प्रांत के ग्वेर वेस्ट क्षेत्र में म्बालोम समुदाय पर हथियारबंद समूह के हमले में कम से कम 17 लोग मारे गए। बेनू की गवर्नर हायसिंथ आलिया ने इस हमले की रविवार को पुष्टि की। बोर्नो पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) केनेथ डासो ने बताया कि देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित बोर्नो प्रांत में शनिवार तड़के एक पुलिस मुख्यालय पर हुए हमले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े एक समूह के साथ लंबी मुठभेड़ के दौरान चार पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। सेना के मुताबिक, रविवार को कडुना प्रांत के अरिको गांव में ईस्टर के मौके पर आयोजित एक प्रार्थना सभा में बंदूकधारियों ने पांच लोगों की हत्या कर दी। सेना ने बताया कि हमलावर की पहचान फिलहाल नहीं की जा सकी है, हालांकि, सैनिक 31 बंधकों को उनके चंगुल से आजाद कराने में सफल रहे।

- पुलिस कर्मियों और नागरिकों को बनाया गया हमलों में निशाना

भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन से हथियार तस्करी की एनआईए जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनआई को संदेह, यह तस्करी भारत में आतंकी हमले की साजिश का हो सकती है व्यापक हिस्सा

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनआईए को संदेह है कि यह तस्करी भारत में आतंकी हमले करने के लिए रची गई व्यापक साजिश का हिस्सा हो सकती है।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए आतंकवाद रोधी एजेंसी ने पाकिस्तान स्थित आतंकी जसवीर चौधरी, उसके भारतीय सहयोगी शुभम कुमार और अन्य अज्ञात व्यक्तियों की कथित भूमिका की जांच के लिए मामला दर्ज किया है। यह मामला मूल रूप से इस वर्ष फरवरी में पंजाब पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि अमृतसर स्थित राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि चौधरी के निर्देश पर उसके भारतीय सहयोगियों ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों, गोला-बारूद और परिष्कृत विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) की एक बड़ी खेप प्राप्त की थी, जिसका उद्देश्य पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में विस्फोट करना था।

इस संबंध में राज्य पुलिस ने 10 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की थी। गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला एक 'विदेशी तत्व' द्वारा भारत में हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों का उपयोग करके आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए रची गई आपराधिक साजिश से संबंधित है। आदेश में कहा गया है कि अपराध की गंभीरता, इसके गंभीर सुरक्षा परिणामों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापक साजिश का पर्दाफाश करने की आवश्यकता को देखते हुए, इसकी जांच एनआईए द्वारा की जानी आवश्यक है।

तटरक्षक बल के लिए चौथे तीव्र गश्ती पोत का निर्माण शुरू

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल के लिए एक तीव्र गश्ती पोत (एफपीवी) के निर्माण की सोमवार को शुरूआत की गई। यह तटीय सुरक्षा, खोज और बचाव तथा कानून प्रवर्तन के लिए बनाए जा रहे 14 जहाज़ों की श्रृंखला में चौथा जहाज़ है। अधिकारियों ने कहा कि ये जहाज़ देश के 'आत्मनिर्भर भारत' विज़न के अनुरूप बनाए जा रहे हैं और इनसे हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल की मौजूदगी मजबूत होगी। भारतीय तटरक्षक बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 14 एफपीवी परियोजना के तहत एफपीवी-4 के साथ ही एफपीवी-7 के निर्माण की शुरूआत के लिए आज एमडीएल, मुंबई में समारोह आयोजित किया गया। एफपीवी को अत्याधुनिक मशीनों से लैस किया जा रहा है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित रखरखाव प्रणाली और बहुउद्देशीय ड्रोन शामिल हैं। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तटरक्षक बल के एक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

- मेष : आज नए प्रयास शुभ रहेंगे। यात्रा या बातचीत से लाभ मिलेगा। परियोजनाओं में गति आएगी। जीवनसाथी के साथ उत्तम समय का आनंद उठाएंगे।
- तुला : आज चंद्रमा की स्थिति अनुकूल रहेगी, समझदारी से निर्णय लें। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। छात्र करियर को लेकर योजना बना सकते हैं।
- वृष : आज परिवार में शांति रहेगी। व्यावसायिक निर्णय सकारात्मक दिशा में बढ़ेंगे। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा।
- वृश्चिक : आज रचनात्मक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। व्यापार में आप बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। प्रेम संबंधों को परिवार में स्वीकृति मिल सकती है।
- मिथुन : आज संचार, बुद्धि और योजनाओं में दृढ़ता रहेगी। नए संपर्क लाभदायक रहेंगे। पति-पत्नी के आपसी संबंधों में मधुरता आएगी।
- धनु : आज यात्रा और शिक्षा कर्म में लाभ मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा। समूह कार्यों में सफलता मिलेगी। मन में उमंग-उत्साह बढ़ेगा।
- कर्क : आज भावनात्मक संतुलन आवश्यक है। घर और रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखें। किसी भी निवेश पर पुनर्विचार करें।
- मकर : आज करियर में स्थिरता रहेगी। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़। वैवाहिक जीवन सुखद रहने वाला है।
- सिंह : आज मंगल के प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खर्च पर नियंत्रण जरूरी है।
- कुंभ : आज रणनीति और बुद्धिमत्ता से कार्य सिद्ध होंगे। सामाजिक परिचय बढ़ेगा। आप अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं।
- कन्या : आज व्यापार में अवसर, कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य संतुलित रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे।
- मीन : आज नया कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। धन लाभ के मजबूत संकेत हैं। सरकारी कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय

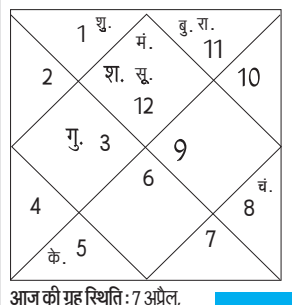

आज की ग्रह स्थिति : 7 अप्रैल, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 16 .34 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा पूर्ण रात्रि तक।

सुडोकू - 111 का हल

8	3	9	1	7	6	4	2	5
7	5	4	9	2	8	1	3	6
2	1	6	4	5	3	7	9	8
6	2	1	3	4	7	5	8	9
4	8	5	6	9	1	3	7	2
3	9	7	2	8	5	6	4	1
9	7	2	5	6	4	8	1	3
5	4	3	8	1	2	9	6	7
1	6	8	7	3	9	2	5	4

सुडोकू -112

	7	8						9
	1			6				4
9				8				
	4						6	
		1				4		
	9			5			1	
1				9		3		7
7				4	8		2	
						5		

ब्रह्मोस के विकास से जुड़े रूसी वैज्ञानिक अलेक्जेंडर लियोनोव का निधन

मास्को। ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना में सक्रिय भूमिका निभाने वाले रूस के जाने-माने मिसाइल डिजाइनर और रक्षा उद्योग की दिग्गज हस्ती अलेक्जेंडर लियोनोव का रविवार को 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। लियोनोव रूस की प्रमुख रक्षा कंपनी एनपीओ मैशिनोस्त्रोयेनिया के महानिदेशक और मुख्य डिजाइनर थे। लियोनोव को आधुनिक मिसाइल तकनीक को अपने असाधारण योगदान और भारत-रूस रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रशंसा मिली। लियोनोव की सबसे बड़ी उपलब्धियों में भारत के साथ संयुक्त रूप से विकसित ब्रह्मोस मिसाइल के विकास का शामिल है। उन्होंने ब्रह्मोस एयरोस्पेस के साथ मिलकर इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के विभिन्न संस्करणों को उन्नत बनाने में तकनीकी नेतृत्व प्रदान किया।

छानबीन

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो का सुप्रीम कोर्ट में दावा

अनिल अंबानी समूह ने बैंकों के हड़पे 73 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ दर्ज सात मामलों में कुल 73,000 करोड़ रुपये की बैंक ऋण धोखाधड़ी की जांच कर रहा है। यह जानकारी उच्चतम न्यायालय में फरवरी में दायर स्थिति रिपोर्ट में दी गई है।

जांच एजेंसी ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि वह इन सात मामलों की जांच कर रही है और कुछ सरकारी कर्मचारियों की भूमिकाओं की भी छानबीन कर रही है। सीबीआई और वित्तीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा के बाद, उच्चतम न्यायालय ने 23 मार्च को एक आदेश जारी किया। शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच का संदर्भ देते हुए अपने आदेश में कहा, ...अन्य मामलों में होने वाले नुकसान भी कई हजार करोड़ रुपये के हैं, जो लगभग 73,006 करोड़ रुपये के कुल दावे बनाते हैं। ईडी ने अदालत को बताया कि उसने कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं, जो कथित प्रोजेक्ट हेल्प के बारे में जानकारी देते हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि दिवाला कार्रवाई जानबूझकर असंबंधित ऋणदाताओं के माध्यम से शुरू की गई थी।

न्यायालय ने ईडी की रिपोर्ट पढ़ने के बाद कहा कि रिपोर्ट के अनुसार, आईबीसी (दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता) कार्रवाई के तहत अधिग्रहण संबंधी सभी फंडिंग आठ एनबीएफसी (नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) के समूह के माध्यम से की गई थी... इस बात का संज्ञान लिया गया कि लगभग 2,983 करोड़ के दावे का निपटारा 26 करोड़ रुपये में किया गया।

मामले की जांच को ईडी ने किया विशेष दल का गठन

ईडी ने अदालत को यह भी सूचित किया कि उसने इन मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है और वर्तमान में रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े आठ मामलों की पड़ताल कर रहा है। न्यायालय ने कहा कि जहां तक आरोपों की सच्चाई की बात है, उस पर हम कोई राय नहीं व्यक्त कर रहे, केवल यह कहना चाहते हैं कि सीबीआई और ईडी के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी जांच को निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र तरीके से पूरा करें और इसे समयबद्ध तरीके से तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाएं। ईडी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन-सदस्यीय पीठ को यह भी सूचित किया कि उसे इस जांच के संबंध में अन्य जांच एजेंसियों से मांगी गई कुछ जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के देवदत्त पडिक्कल घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद जिस तरह आईपीएल में बल्लेबाजी कर रहे हैं उसे देखते हुए उन्हें लंबे समय तक भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा।

- दिनेश कार्तिक

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 7 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स

बनाम

मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स का मैच बारिश की भेंट चढ़ा

सिर्फ 3.4 ओवर का हो सका खेल, दोनों टीमों को मिला एक-एक अंक

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच सोमवार को यहां खेला गया इंडियन प्रीमियर लीग मैच बारिश के कारण 3.4 ओवर के खेल के बाद रद्द करना पड़ा जिससे दोनों टीम को एक-एक अंक मिला।

मैच रद्द होने के साथ मौजूदा सत्र में नाइट राइडर्स के अंकों का खाता भी खुल गया। टीम को अपने शुरुआती दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था जबकि तीसरे मैच में भी टीम दो विकेट पर 25 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी और अगर मैच शुरू होता तो यह पांच ओवर का ही हो पाता और टीम को सिर्फ आठ गेंद और खेलने को मिलती जिससे संभवतः उसकी स्थिति काफी कमजोर होती। दूसरी तरफ अपने शुरुआती दो मैच जीतने वाली पंजाब की टीम तीन मैच में पांच अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। मैच को नाइट राइडर्स की पारी में 3.4 ओवर के खेल के बाद हल्की बूंदाबांदी के कारण रोका गया जो बाद में बारिश तेज होने के कारण दोबारा शुरू नहीं हो पाया। मौजूदा सत्र में पहली जीत की तलाश में जुटे नाइट राइडर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उन्हें शुरुआत में ही बड़ा झटका लगा जब जेवियर बार्टलेट ने दूसरे ओवर में दो विकेट झटक लिए। बार्टलेट ने सलामी बल्लेबाज फिन एलेन (06) और कैमरन ग्रीन (04) को तीन गेंद के भीतर आउट करके नाइट राइडर्स को दोहरा झटका दिया। दोनों ही बल्लेबाजों ने विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह को कैच थमाए। ग्रीन 25.20 करोड़ रुपये की कीमत के साथ सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी हैं लेकिन उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 18 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दो रन बनाए थे। नाइट राइडर्स की टीम अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी है।

बारिश के कारण जब खेल रोका गया तब कप्तान अजिंक्य रहाणे आठ जबकि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी सात रन बनाकर खेल रहे थे। मैच के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार और नाइट राइडर्स के सह मालिक शाहरुख खान भी दर्शकों के बीच मौजूद हैं। वह इस सत्र में पहली बार मैच देखने आए थे। संयोग से पिछले सत्र में भी ईडन गार्डन्स में नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच हुआ मैच (26 अप्रैल को) बारिश की वजह से प्रभावित हुआ था और दोनों टीम को एक-एक अंक बांटना पड़ा था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाले पंजाब किंग्स ने चार विकेट पर 201 रन बनाए थे जिसके बाद नाइट राइडर्स ने जब बिना कोई विकेट खोए सात रन बनाए थे तो बारिश आ गई और मैच रद्द हो गया।

ईडन गार्डन्स में बारिश की रुकावट के दौरान मैदान से बाहर आते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर (बाएं)।

हाईलाइट

लीड्स 1987 के बाद पहली बार एफए कप के सेमीफाइनल में

लंदन। लीड्स ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में दो गोल की बढ़त गंवा दी लेकिन आखिर में वह वेस्ट हैम को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर 1987 के बाद पहली बार एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। माटेउस फर्नांडेस और एक्सल दिसासी ने 93वें और 96वें मिनट में गोल दागकर वेस्ट हैम को लंदन स्टेडियम में खेले गए मैच में 2-2 से बराबरी पर ला दिया। इससे मैच अतिरिक्त समय तक खिंच गया। क्वार्टर फाइनल के इस मैच में अतिरिक्त समय में वेस्ट हैम के दो गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिए गए, जिसके बाद लीड्स ने शूटआउट में जीत हासिल की।

अदिति संयुक्त 27वें स्थान पर रहीं

लास वेगास। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 75 के स्कोर से यहां अरामको चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 27वें स्थान पर रहीं। अदिति ने अंतिम दौर में चौथे, छठे और 17वें होल में तीन बोगी की जबकि वह एक भी बर्डी नहीं कर पाईं जिससे उनका स्कोर तीन ओवर रहा। अदिति का कुल स्कोर आठ ओवर रहा। प्रणवी उर्स ने अंतिम चार में चार ओवर 76 के स्कोर से कुल 17 ओवर के स्कोर से 66वां स्थान हासिल किया।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5	0.637
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4	2.501
3.	राजस्थान रॉयल्स	2	2	0	0	4	2.233
4.	दिल्ली कैपिटल्स	2	2	0	0	4	1.170
5.	सनराइज़र्स हैदराबाद	3	1	2	0	2	0.275
6.	मुंबई इंडियंस	2	1	1	0	2	-0.206
7.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	2	1	1	0	2	-0.542
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	3	0	2	1	1	-1.964
9.	गुजरात टाएटंस	2	0	2	0	0	-0.424
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0	-2.467

ऑरेंज कैप

समीर रिजवी
दिल्ली - 160 रन
हेनरिच क्लासेन
हैदराबाद - 145 रन
रोहित शर्मा
मुंबई - 113 रन

पर्पल कैप

रवि विश्नोई
राजस्थान- 5 विकेट
विजयकुमार वैशक
पंजाब- 5 विकेट
जेकब डफी
आरसीबी- 5 विकेट

मेरे लिए बल्लेबाजी में बुनियादी बदलाव करना आसान नहीं था : पडिक्कल

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने सफेद गेंद के प्रारूपों में अपने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय अपने 'कंफर्ट जोन' (आरामदायक दायरे) से बाहर निकलने और अपनी बल्लेबाजी में बुनियादी बदलाव करने को दिया। देवदत्त ने आईपीएल के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 61 रन बनाने के बाद रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 50 रन बनाए। आरसीबी ने यह मैच 43 रन से जीता। उन्होंने मैच के बाद पत्रकारों से कहा कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर मुझे इस मुकाम तक पहुंचने में मदद मिली। बल्लेबाजी में बदलाव करना आसान नहीं था क्योंकि क्रिकेट के इस प्रारूप के लिए मुझे अपनी बुनियाद को पूरी तरह से बदलना पड़ा। उन्होंने कहा यह बदलाव मुझे जानबूझकर करना पड़ा और आरसीबी और सहयोगी स्टाफ ने मेरा मार्गदर्शन करके बहुत मदद की। लेकिन क्या टी20 के एक आयामी होने का खतरा है क्योंकि सभी बल्लेबाज अपने पावर हिटिंग कौशल को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं? इस सवाल पर देवदत्त ने कहा मुझे ऐसा नहीं लगता, क्योंकि इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी का स्तर काफी बढ़ गया है। मुझे लगता है कि हर कोई बड़े छक्के और चौके लगाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है और अब गेंदबाजों की जिम्मेदारी है कि वे भी उसी राह पर चलते हुए अपने खेल का स्तर ऊपर ले जाएं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का मानना है कि गेंदबाज जल्द ही वापसी करेंगे।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम खेल से कौशल को काफी हद तक कर रहा खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने भी की आलोचना

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने भी कई अन्य खिलाड़ियों की तरह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादास्पद इम्पैक्ट प्लेयर नियम की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि इससे खेल का कौशल काफी हद तक खत्म हो रहा है। कई मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने इस नियम पर चिंता व्यक्त की है, जिससे टीम मैच के दौरान किसी भी समय पांच खिलाड़ियों की सूची में से एक खिलाड़ी को अंतिम एकादश में शामिल किसी अन्य खिलाड़ी की जगह मैदान पर उतार सकते हैं। कुछ खिलाड़ी इस नियम को ऑलराउंडर के विकास में बाधा मानते हैं जबकि कुछ का मानना है कि इससे खेल का पलड़ा बल्लेबाजों के पक्ष में झुक जाता है क्योंकि टीमें अब आठवें नंबर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाज होने के कारण शुरू से लेकर आखिर तक आक्रामक अंदाज में खेल सकती हैं।

जैमीसन ने गुजरात टाइटन्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच से पहले यहां पत्रकारों से कहा निजी तौर पर मैं इस नियम का समर्थक नहीं हूं। मुझे लगता है कि इससे खेल में कौशल का महत्व काफी हद तक कम हो जाता है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि अगर आप नौवें या दसवें नंबर तक बल्लेबाज रख सकते हैं तो फिर आपको उस तरह के बल्लेबाजी कौशल की जरूरत नहीं पड़ेगी जो शायद आपको पहले की तरह चाहिए होती थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2023 में यह नियम लागू किया था और यह 2027 तक बना रहेगा। इसके बाद इस नियम की समीक्षा की जाएगी। जैमीसन ने कहा मुझे लगता है कि इसका असर ऑलराउंडर पर पड़ रहा है। इससे ऐसे खिलाड़ी प्रभावित हो रहे हैं जो गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कर सकते हैं और टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। इस नियम से खेल से इस कौशल का महत्व थोड़ा कम हो जाता है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आईपीएल के अलावा दुनिया की किसी भी बड़ी लीग में इम्पैक्ट प्लेयर नियम का उपयोग नहीं किया जाता। उन्होंने कहा दुनिया भर में या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपको बहुत कम ही ऐसी जगहें देखने को मिलेंगी जहां इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू होता है। इसके पीछे कोई अच्छा कारण ही होगा। जैमीसन को दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से वर्तमान सत्र में अभी तक खेलने का मौका नहीं मिला है क्योंकि टीम केवल चार विदेशी खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकती हैं।

राजस्थान की आक्रामकता से मुंबई को रहना होगा सतर्क

गुवाहाटी, एजेंसी

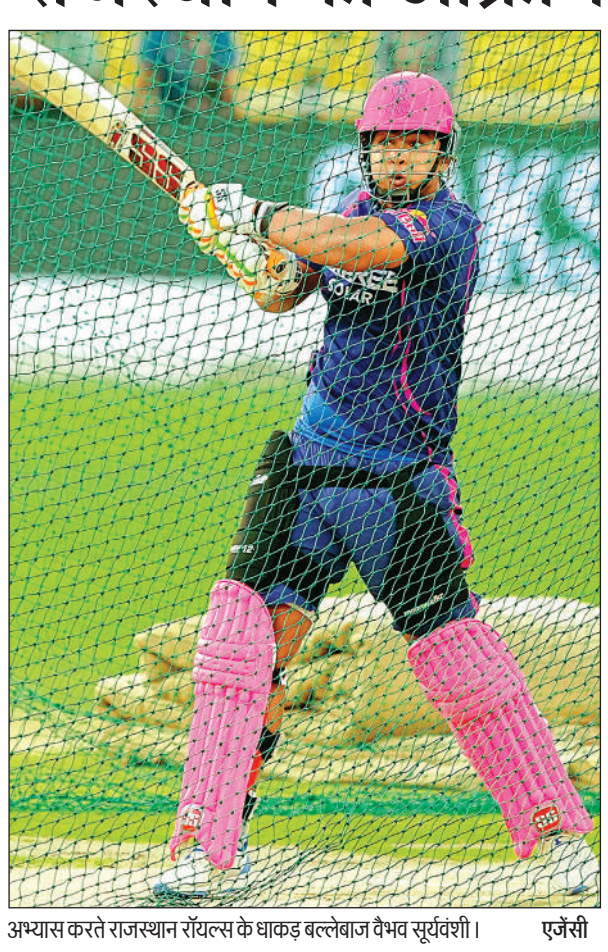

अभ्यास करते राजस्थान रॉयल्स के धाकड़ बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

पिछले मैच में हार के बाद वापसी के लिए प्रतिबद्ध मुंबई इंडियंस को उम्मीद होगी कि कप्तान हार्दिक पंड्या पूरी तरह से फिट होकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में खेलेंगे।

हार्दिक अस्वस्थ होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे जिसमें उनकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। हार्दिक की अनुपस्थिति में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अगुवाई की थी, लेकिन टीम को हार्दिक के ऑलराउंड खेल की कमी महसूस हुई। हार्दिक की अनुपस्थिति के कारण टीम संयोजन में भी फेरबदल करना पड़ा। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए दीपक चाहर ने सधी हुई गेंदबाजी की, लेकिन अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की जगह कॉर्बिन बॉश को लाने का फैसला उल्टा पड़ गया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज ने जमकर रन लुटाए। इसके बाद हार्दिक ने अभ्यास शुरू कर दिया है जिससे कि उनकी वापसी की संभावना मजबूत बन गई है। पहले मैच में गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले शार्दुल ठाकुर पिछले मैच में महंगे साबित हुए, वहीं हमेशा भरोसेमंद रहने वाले जसप्रीत बुमराह किफायती तो रहे हैं लेकिन इस सत्र में अभी तक विकेट नहीं ले पाए हैं। स्पिन विभाग में मिचेल सैंटनर ने अफगानिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह ग़ज़नफ़र की जगह टीम में अपने चयन को सही साबित किया और संभावना है कि वह अपना स्थान बरकरार रखेंगे।

टीम

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, क्विंटन डीकॉक, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स।

राजस्थान का शीर्ष क्रम कर रहा अच्छा प्रदर्शन

राजस्थान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। राजस्थान की टीम ने अभी तक आक्रामक रवैया अपनाया है और मुंबई को उस सतर्क रहने की जरूरत होगी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दी है, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने लय कायम रखी है। कप्तान रियान पराग ने अभी तक बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्वकौशल से आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने अब तक कप्तानी से प्रभावित किया है। डेथ ओवरों में लिए गए उनके रणनीतिक फैसलों से जिसके कारण रॉयल्स ने गुजरात टाएटंस पर रोमांचक जीत दर्ज की थी।

जताई चिंता | पूर्व दिग्गज अश्विन सीएसके की लगातार तीसरी हार पर बोले-कार्यशैली बदलने की जरूरत

चेन्नई को युवा खिलाड़ियों में आत्मविश्वास जगाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्पिन के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि आईपीएल के वर्तमान सत्र में लगातार तीसरी हार झेलने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को अपने युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और अच्छी कार्यशैली अपनाने की जरूरत है।

सीएसके को रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। उसे अभी तक अपने तीनों मैच में हार मिली है और वह अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर है। अश्विन ने कहा मुझे यकीन है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी तनावपूर्ण होगा। मुझे ठीक से नहीं पता कि शब्द कितने कठोर हो सकते हैं, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो इतनी युवा टीम के साथ आगे बढ़ने का सिर्फ एक ही रास्ता है और वह है अतीत को पीछे छोड़कर अपने खेल का स्तर ऊंचा करना। इसके लिए उसे मजबूत कार्यशैली और टीम के अंदर अच्छा माहौल तैयार करना होगा। मुझे यकीन है कि आरसीबी से मिली इस करारी हार के बाद चेन्नई के ड्रेसिंग रूम में बेहद निराशा का माहौल होगा। भारत के पूर्व स्पिनर ने कहा कि युवा खिलाड़ियों से जवाबदेही की उम्मीद करना उचित नहीं है। अश्विन ने कहा आरसीबी के हाथों सीएसके की हार को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। आरसीबी और सीएसके का मुकाबला आईपीएल के सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा सीएसके की टीम में कुछ कमियां हैं। उसकी टीम में कई अनुभवहीन खिलाड़ी हैं। हम उनसे जवाबदेही की उम्मीद नहीं कर सकते। वे उस उम्र में हैं जहां उन्हें मैदान पर उतरकर क्रिकेट का आनंद लेना चाहिए। आप उन पर सीएसके जैसी फ्रेंचाइजी की विरासत को आगे बढ़ाने का दबाव नहीं डाल सकते। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भारत के टी20 विश्व कप हीरो संजू सैमसन का समर्थन करते हुए कहा कि शुरुआती तीन मैचों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के बावजूद वह वापसी करने में सफल रहेंगे। डुप्लेसी ने कहा अगर आप सीएसके की बल्लेबाजी पर गौर करें तो वह काफी अच्छी है।

कप्तान रुतुराज गायकवाड ने हमेशा खुद को साबित किया है। संजू सैमसन एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा इसके अलावा उनके शीर्ष क्रम में आयुष म्हात्रे जैसा एक बेहद प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी है, जिसने अपने छोटे से आईपीएल करियर में अब तक असाधारण प्रदर्शन किया है।

थोड़ा और खेलने की थी इच्छा

चेन्नई। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया है कि अगर वह चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए मानसिक रूप से परेशान करने वाले और 'पीड़ादायक' दौर से नहीं गुजरे होते तो वह इंडियन प्रीमियर लीग में थोड़ा और समय तक खेल सकते थे। अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उन्होंने पिछले साल आईपीएल को भी अलविदा कह दिया था। इस स्टार स्पिनर ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' में कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने की दुविधा से बचाने के लिए आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया।

भारत बिली जीन किंग कप के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत 2026 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ मंगलवार से यहां डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में होने वाले बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक के मुकाबलों में परिचित परिस्थितियों और घरेलू समर्थन का भरपूर लाभ उठाने की कोशिश करेगा।भारत को हालांकि प्रतिभाशाली श्रीवल्ली भामिदिपति के हटने से झटका लगा है।

इंडोनेशिया, कोरिया, मंगोलिया, न्यूजीलैंड और थाईलैंड की मौजूदगी में भारतीय टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें ही आगे बढ़ेंगी, जबकि सबसे नीचे की दो टीमें 2027 के लिए ग्रुप दो में खिसक जाएंगी। भारत का बेंगलुरु में 2025 प्लेऑफ में निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। वह तब तीन टीमों के ग्रुप जी में तीसरे स्थान पर रहा था। मेजबान टीम को स्लोवेनिया से 1-2 और नीदरलैंड से 0-3 की हार का सामना करना पड़ा, हालांकि नवोदित खिलाड़ी श्रीवल्ली और सहजा यमलापल्ली ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। भारत की तरफ से अब एकल में पूरी जिम्मेदारी सहजा और वैष्णवी अडकर पर आ गई है। अनुभवी खिलाड़ी अंकिता रैना से युगल मुकाबलों में अच्छी प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है जहां वह रुतुजा भोसले के साथ मिलकर चुनौती पेश करेगी। अगर कप्तान विशाल उप्पल टूर्नामेंट के दौरान अंकिता को एकल खेलने के लिए भी कहें तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।

टेनिस खिलाड़ी सहजा यमलापल्ली, अंकिता रैना, कैप्टन विशाल उप्पल, जील देसाई, रुतुजा भोसले और वैष्णवी अडकर (बाएं से) एजेंसी